राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 12
अंक : 119
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 12 नवंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
नई दिल्ली से प्रकाशित
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 मेवाड़ में 'मीडिया और मानवाधिकार' पर अतिथि व्याख्यान आयोजित, केवल बौद्धिक विलास का खेल नहीं है मानवाधिकार आयोग : अमिताभ | पेज 5 प्रभात गुप्ता हत्याकांड : टेनी के खिलाफ सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला | पेज 7 आई-लीग से आईएसएल में तरक्की की पद्धति खिलाड़ियों को बेहतर अवसर देगी : स्टिमैक

राजीव हत्याकांड के सभी दोषी रिहा

सुप्रीम कोर्ट का आदेश; जेल से निकलकर नलिनी बोली- आतंकी नहीं हूं

नई दिल्ली। राजीव गांधी हत्याकांड के सभी 6 दोषी शुक्रवार को रिहा हो गए। इससे पहले सुबह सुप्रीम कोर्ट ने नलिनी और आरपी रविचंद्रन समेत सभी दोषियों की रिहाई का आदेश दिया। कोर्ट का आदेश आने के एक घंटे बाद ही उम्रकैद की सजा काट रहे सभी दोषियों की रिहाई हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई को इसी केस में दोषी पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया था। बाकी दोषियों ने भी उसी आदेश का हवाला देकर कोर्ट से रिहाई की मांग की थी। नलिनी और रविचंद्रन दोनों 30 साल से ज्यादा का वक्त जेल में गुजार चुके हैं।

रिहाई के बाद नलिनी बोली- पिछले 32 साल संघर्ष के

जेल से रिहा होने के बाद नलिनी ने एक टीवी चैनल से बात की। उन्होंने कहा- मैं आतंकवादी नहीं हूं। मैं पिछले 32 साल से जेल में बंद थी और ये मेरे लिए संघर्ष वाले समय रहे हैं। मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करती हूं, जिन्होंने मेरा समर्थन किया। विश्वास रखने के लिए मैं तमिलनाडु के लोगों और सभी वकीलों को धन्यवाद देती हूं।

कांग्रेस बोली- कोर्ट ने देश की भावनाओं का ध्यान नहीं रखा

राजीव गांधी हत्याकांड के दोषियों की रिहाई पर कांग्रेस ने कहा है कि ये मंजूर नहीं है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने लेटर जारी कर कहा- सुप्रीम कोर्ट ने फैसला देते वक्त देश की भावनाओं को ध्यान में नहीं रखा। फैसला गलतियों से भरा हुआ है।

सीएम स्टालिन बोले- फैसले का स्वागत

राजीव गांधी के हत्यारों को रिहा किए जाने के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है- मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। नियुक्त किए गए राज्यपाल को चुनी हुई सरकार के फैसले को नहीं बदलना चाहिए।

सोनिया ने दोषी नलिनी को माफ कर दिया था

जब नलिनी को राजीव गांधी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, तब वह गर्भवती थी। उसकी प्रेग्नेंसी को दो महीने हो गए थे। तब सोनिया गांधी ने नलिनी को माफ कर दिया था। उन्होंने कहा था कि नलिनी की गलती की सजा एक मासूम बच्चे को कैसे मिल सकती है, जो अब तक दुनिया में आया ही नहीं है।

चुनावी रैली में हुई थी राजीव गांधी की हत्या

राजीव गांधी की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में एक चुनावी रैली के दौरान लिट्टे की धनु नाम की एक आत्मघाती हमलावर ने हत्या कर दी थी। लिट्टे की महिला आतंकी धनु (तेनमोजि राजरत्नम) ने राजीव को फूलों का हार पहनाने के बाद उनके पैर छुए और झुकते हुए कमर पर बंधे विस्फोटकों में ब्लास्ट कर दिया। धमाका इतना जबर्दस्त था कि कई लोगों के चीथड़े उड़ गए। राजीव और हमलावर धनु समेत 16 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 45 लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

श्रीलंका में शांति सेना भेजने से नाराज था लिट्टे

राजीव ने अपने कार्यकाल में श्रीलंका में शांति सेना भेजी थी, जिससे तमिल विद्रोही संगठन लिट्टे (लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम) उनसे नाराज चल रहा था। 1991 में जब लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार करने राजीव गांधी चेन्नई के पास श्रीपेरंबुदूर गए तो वहां लिट्टे ने राजीव पर आत्मघाती हमला करवाया।

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू भुवनेश्वर में तपोबन हाई स्कूल, खंडगिरी के छात्रों के साथ।

सड़क हादसा : एयरफोर्स ऑफिसर, पत्नी-दो बच्चों की मौत

कार डिवाइडर तोड़कर सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ी, उत्तराखंड का था परिवार

सुमेरपुर (पाली)। ट्रक और कार की आमने-सामने की टक्कर में एयरफोर्स जवान के पूरे परिवार की मौत हो गई। उनकी पत्नी और दोनों बच्चों ने भी मौके पर दम तोड़ दिया। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और चारों के शव फंस गए। पुलिस ने बड़ी मशक्कत से शवों को बाहर निकाला। हादसा पाली-सुमेरपुर बॉर्डर पर शिवगंज-सुमेरपुर नेशनल हाईवे पर हुआ। एसपी बाली बृजेश सोनी ने बताया कि एयरफोर्स ऑफिसर गुलाब सिंह नेगी कार से गुजरात के कच्छ-भुज में अपनी ड्यूटी पर जा रहे थे। उनकी पत्नी अनिता नेगी, बेटा अनिरूद्ध और 10 साल की बेटी साथ थी। हादसे में चारों की मौत हो गई। यह परिवार उत्तराखंड का रहने वाला है।

शवों को सुमेरपुर सरकारी हॉस्पिटल में रखवाया गया है। कच्छ-भूज जाते समय यह हादसा हो गया।

कार डिवाइडर से टकराकर ट्रक से टकराई

एसपी बाली बृजेश सोनी ने बताया कि एयरफोर्स जवान उत्तराखंड से गुजरात जाते हुए शुक्रवार शाम करीब पांच बजे सुमेरपुर से सिरोही की ओर निकल रहे थे। इस दौरान नेशनल हाईवे 62 पर बीपी पेट्रोल पंप के पास कार के सामने अचानक एक पशु आ गया। उसे बचाने के चक्कर में कार का बैलेंस बिगड़ गया। बैलेंस बिगड़ने पर डिवाइडर को तोड़ते हुए कार पलट गई।

कार में फंसा परिवार

इस दौरान सामने से आ रहा ट्रक कार को खींचते हुए ले गया। टक्कर इतनी तेज थी कि पूरी कार दब गई। ऊपर और साइड का हिस्सा पूरा टूट गया। एयरफोर्स जवान का पूरा परिवार कार में फंस गया। हाईवे पर चीख-पुकार मच गई। मौके से गुजर रहे लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों की मदद से चारों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक चारों दम तोड़ चुके थे।

पंजाब में वाघा बॉर्डर पर 2,000 साल पुरानी बुद्ध की मूर्ति जब्त, पाकिस्तान से आया था विदेशी नागरिक

अमृतसर। दूसरी या तीसरी शताब्दी की बुद्ध की एक प्राचीन पत्थर की मूर्ति अमृतसर में कस्टम अधिकारियों द्वारा जब्त की गई है।

ये मूर्ति एक विदेशी नागरिक से जब्त की गई है। पाकिस्तान के साथ लगते अटारी-वाघा बॉर्डर पर इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट के जरिए भारत पहुंचे विदेशी नागरिक को रोका गया और उसके सामान की जांच की गई।

सीमा शुल्क आयुक्त (अमृतसर) ने कहा कि इसी दौरान जांच के बाद, अधिकारियों को बुद्ध की एक पत्थर की मूर्ति मिली। जिसके बाद मामला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) चंडीगढ़ सर्कल के कार्यालय को भेजा गया था।

एजेंसी के मुताबिक, सीमा शुल्क आयुक्त (अमृतसर) राहुल नांगारे ने एक बयान में कहा, एएसआई ने अब इस बात की पुष्टि करते हुए रिपोर्ट दी है कि मूर्तिकला का टुकड़ा गांधार स्कूल ऑफ आर्ट (गांधार शैली) का बुद्ध प्रतीत होता है और कह सकते हैं कि यह दूसरी या तीसरी सदी की मूर्ति है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सदियों पुरानी मूर्ति पुरातनता एवं कला खजाना अधिनियम, 1972 के तहत पुरातनता की श्रेणी में आती है। सीमा शुल्क अधिनियम एवं कला खजाना अधिनियम, 1972 के तहत पत्थर की मूर्ति को जब्त कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

बता दें कि यूनानी कला के प्रभाव से देश के पश्चिमोत्तर प्रदेशों में कला की जिस नवीन शैली का उदय हुआ उसे गांधार शैली कहा जाता है। यह विशुद्ध रूप से बौद्ध धर्म से संबंधित धार्मिक प्रस्तर मूर्तिकला शैली है। इसका उदय कनिष्क प्रथम के समय हुआ। तक्षशिला, कपिशा, पुष्कलावती, बामियान आदि इसके प्रमुख केंद्र रहे।

हिमाचल और गुजरात में चुनाव के दौरान रिकॉर्ड राशि की बरामदगी

नयी दिल्ली। सुरक्षा एजेंसियों ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों के दौरान रिकॉर्ड राशि की बरामदगी करते हुए गुजरात में 71 करोड़ 88 लाख तथा हिमाचल प्रदेश में 50 करोड़ 88 लाख रुपए की बरामदगी की। सुरक्षा एजेंसियों ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया था और इसके तहत चुनाव की घोषणा के कुछ ही दिनों के भीतर गुजरात में 71.88 करोड़ रुपये की बरामदगी हुई जो 2017 के विधानसभा चुनावों के लिए लागू आचार संहिता की पूरी अवधि के दौरान हुई 27.21 करोड़ रुपये की बरामदगी से कहीं ज्यादा है।

झारखंड में 77 प्रतिशत हुआ कुल आरक्षण

नई दिल्ली। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य में आरक्षण की ऊपरी सीमा को 60 फीसदी से बढ़ाकर 77 फीसदी करने का एक विधेयक आज विधानसभा से पारित करा लिया। सीएम हेमंत ने यह कवायद ऐसे वक्त में की है, जब अवैध खनन मामले में वह प्रवर्तन निदेशालय के निशाने पर हैं और उनकी विधायकी पर तलवार लटकी हुई है। हालांकि, यह 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी पार्टी का किया हुआ वादा था, जिसे उन्होंने अब पूरा कर दिया है। इसके साथ ही सोरेन ने अब गेंद केंद्र सरकार के पाले में डाल दिया है। झारखंड

विधानसभा के विशेष सत्र में कल झारखंड पदों और सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण अधिनियम, 2001 में एक संशोधन पारित करके एससी, एसटी, ईबीसी, ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण 60 प्रतिशत से बढ़ा कर 77 फीसदी कर दिया गया है।

किस समुदाय को अब कितना रिजर्वेशन

अभी झारखंड में अनुसूचित जनजाति (एसटी) को 26, अनुसूचित जाति (एससी) को 10, पिछड़ों को 14 फीसदी और ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी आरक्षण मिल रहा था। इस विधेयक के कानून बनने और 9वीं अनुसूची में शामिल होने के बाद एसटी को 28, एससी को 12, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 तथा पिछड़ों का आरक्षण 27 प्रतिशत हो जायेगा। विधेयक में कहा गया है कि राज्य संविधान की नौवीं अनुसूची में बदलाव करने का केन्द्र से आग्रह करेगा। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में झारखंड स्थानीय व्यक्ति की परिभाषा और ऐसे स्थानीय व्यक्ति को विशेष सामाजिक, सांस्कृति और अन्य लाभ मुहैया कराने संबंधी विधेयक, 2022 भी पारित किया गया। गौरतलब है कि राज्य के आदिवासी लंबे समय से मांग कर रहे थे कि ब्रिटिश शासनकाल में 1932 में कराए गए जमीन सर्वेक्षण के रिकॉर्ड के आधार पर व्यक्ति के स्थानीय निवासी होने का सत्यापन किया जाए ना कि 1985 के सर्वे के आधार पर, जैसा अभी हो रहा है।

फरिदाबाद में गर्लफ्रेंड के हत्यारे ने की खुदकुशी

कोर्ट की छठी मंजिल से लगाई छलांग, युवती के हाथ-पैर तोड़ फेंककर भागा था

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में 19 वर्षीय रोशनी की हत्या करने वाले प्रेमी ने पुलिस हिरासत में कोर्ट की छठी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। आरोपी के छत से कूदने के बाद परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस उसे तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुजेसर पुलिस ने गुरुवार रात आरोपी महेंद्र को बल्लभगढ़ बस स्टैंड से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने घटना की मजिस्ट्रियल जांच की सिफारिश की है।

बता दें कि सेक्टर 23ए संजय कॉलोनी निवासी महेंद्र सिंह (26), डबुआ कॉलोनी की रहने वाली रोशनी (19) के बेरहमी से हाथ पैर तोड़कर सोहना मोड़ के पास फेंककर भाग भाग गया था। कई घंटों तक रोशनी रोड पर तड़फती रही। गुरुवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे आसपास के लोगों ने रोशनी को रोड पर पाकर परिजनों को सूचना दी। परिजन उसे अस्पताल लेकर गए, लेकिन रोशनी की मौत हो चुकी थी।

कोर्ट रूम में खड़ा था, दौड़कर लगाई छलांग

मुजेसर थाना पुलिस ने आरोपी महेंद्र सिंह को गुरुवार की रात करीब साढ़े 11 बजे बल्लभगढ़ बस स्टैंड से गिरफ्तार किया था। शुक्रवार को उसका मेडिकल कराने के बाद संजय कॉलोनी

चौकी इंचार्ज समेत 3 पुलिसकर्मी उसे कोर्ट में पेश करने लाए थे। आरोपी को छठी मंजिल स्थित गगनदीप गोयल की कोर्ट में पेश करना था।

महेंद्र सिंह कोर्ट में खड़ा था। उसके पीछे भी 3 पुलिसकर्मी खड़े थे। उसने उन सभी को चकमा देकर कोर्ट रूम से बाहर आया और गैलरी में आकर छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद वकीलों का कहना था कि एक दो पुलिसकर्मी उसके पीछे भी दौड़े, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। इस घटना में पुलिस ने मजिस्ट्रेट जांच के लिए सिफारिश की है।

दूसरे लड़के से बातचीत के शक में की हत्या

पुलिस का कहना है कि आरोपी की मुलाकात मृतका रोशनी के साथ 3 साल पहले प्राइवेट कंपनी में हुई थी। जिसके बाद दोनों आपस में बातचीत करने लगे और प्रेम करने लगे थे। आरोपी पहले से शादीशुदा था। जिसके 2 बच्चे भी हैं। आरोपी की पत्नी ने यूपी के हाथरस में तलाक का केस डाला हुआ है। आरोपी को शक हुआ कि रोशनी किसी अन्य लड़के से बातचीत करती है जिसके कारण गुस्से में आकर उसने पीट-पीटकर हत्या कर दी।

शादीशुदा होने का पता चलते की बात बंद

बताया जाता है कि मृतका रोशनी को जब इस बात का पता चला कि उसका प्रेमी महेंद्र शादीशुदा है तो उसने बातचीत करना कम कर दिया। करीब एक साल पहले से वह उसे इग्नोर करने लगी थी। इसी बात से महेंद्र उससे नाराज चल रहा था। बुधवार रात कंपनी से छुट्टी होने के बाद रोशनी को मिलने के लिए बुलाया था।

उत्तराखंड में पतंजलि की 5 दवाओं पर बैन

बाबा रामदेव बोले- ऑर्डर की कॉपी नहीं मिली, ये आयुर्वेद विरोधी ड्रग माफिया का काम

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने योग गुरु बाबा रामदेव के पतंजलि ग्रुप की 5 दवाओं के प्रोडक्शन पर बैन लगा दिया है। ये दवाएं दिव्य फार्मेसी बनाती है। उत्तराखंड की आयुर्वेद और यूनानी लाइसेंस अथॉरिटी के मुताबिक इन दवाओं के विज्ञापन भ्रामक है। हालांकि बाबा रामदेव ने कहा है कि उन्हें ऐसे किसी आदेश की कॉपी अब तक नहीं मिली है। उन्होंने दावा किया कि दवाओं पर बैन लगाने के पीछे आयुर्वेद विरोधी ड्रग माफिया की साजिश है।

पहले समझें मामला क्या है

दरअसल केरल के एक डॉक्टर केवी बाबू ने जुलाई में शिकायत की थी। उन्होंने पतंजलि के दिव्य फार्मेसी की

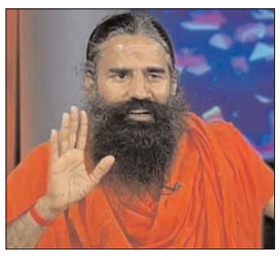

ओर से ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (ऑब्जेक्शनेबल एडवर्टाइजमेंट) एक्ट 1954, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक रूल्स 1945 के बार-बार उल्लंघन का आरोप लगाया था। बाबू ने राज्य के लाइसेंसिंग अथॉरिटी को 11 अक्टूबर को एक बार फिर ईमेल के जरिए शिकायत भेजी थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बैन का आदेश उत्तराखंड आयुर्वेदिक और यूनानी सेवा के लाइसेंस अधिकारी डॉ. जीसीएस जंगपांगी ने जारी किया था। उन्होंने पतंजलि पर भ्रामक विज्ञापनों का आरोप लगाया था। बाद में यह खबर कई मीडिया हाउस ने पब्लिश की थी।

दवाओं के नाम, जिन पर लगाया बैन

अथॉरिटी ने ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, गॉइटर (घेंघा), ग्लूकोमा और हाई कोलेस्ट्रॉल के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं पर बैन लगाया है। इनके नाम हैं बीपी ग्रिट, मधुग्रिट, थाइरोग्रिट, लिपिडोम और आईग्रिट गोल्ड।

पंजाब में डेरा प्रेमी को मारी गई थीं 60 गोलियां : हरियाणा के तीन शूटर अरेस्ट

तीन फरार; आईएसआई ने गैंगस्टर रिंदा से कराई हत्या

चंडीगढ़। पंजाब के फरीदकोट में डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की 10 नवंबर को हुई हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस ने 3 शूटर्स को गिरफ्तार किया है। इन शूटर्स ने डेरा प्रेमी पर 60 गोलियां चलाई थीं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इसके पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का दिमाग है। आईएसआई ने रिंदा के जरिए डेरा प्रेमी की हत्या कराई थी। वहीं, हत्या की जिम्मेदारी गोल्डी बराड़ ने ली थी। कुछ दिन पहले ही रिंदा और गोल्डी बराड़ ने हाथ मिलाया था।

दिल्ली पुलिस ने सभी बदमाशों को मुठभेड़ के बाद पटियाला के बख्शीवाला गांव से पकड़ा है। इनमें दो शूटर रोहतक और एक भिवानी का रहने वाला है। सूत्रों के मुताबिक, पकड़े गए शूटर्स में दो नाबालिग हैं, जबकि एक की पहचान जतिंदर जीतू के रूप में हुई है।

पंजाब-हरियाणा के 2 मॉड्यूल थे

डेरा प्रेमी की हत्या में हरियाणा और पंजाब मॉडयूल यूज किए गए। इसमें 4 शूटर हरियाणा और 2 पंजाब के थे। दिल्ली पुलिस ने जतिंदर जीतू को गिरफ्तार कर लिया है।

जीतू हरियाणा में रोहतक के कलानौर का रहने वाला है। गिरफ्तार बाकी 2 शूटर रोहतक और भिवानी के रहने वाले हैं। इनकी उम्र 16 साल है। इस हरियाणा मॉड्यूल का 1 और पंजाब वाले 2 शूटर अभी फरार हैं।

गैंगस्टर ने कहा- बेअदबी इंसाफ नहीं मिला, इसलिए हत्या की

सोशल मीडिया पोस्ट में गोल्डी बराड़ के नाम से दावा किया गया था कि उन्हें बेअदबी केस में इंसाफ नहीं मिला, इसलिए ऐसा करना पड़ा। इस पोस्ट में गनमैन के घायल होने पर अफसोस जताया। बेअदबी के आरोपियों को सुरक्षा देने पर सवाल उठाए गए

लापरवाही

200 स्टूडेंट्स बीमार; कहा- बैंगन है, चुपचाप खाओ

टीचर ने बच्चों को पीट-पीटकर छिपकली वाला खाना खिलाया

भागलपुर। बिहार में भागलपुर के एक स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद 200 बच्चे बीमार हो गए। बच्चों ने खाने में छिपकली होने की शिकायत की तो टीचर ने पहले उन्हें डांटकर कहा- छिपकली नहीं बैंगन है। जब बच्चों ने खाने से मना किया तो टीचर ने पीट-पीटकर उन्हें खाना खिलाया।

पहला निवाला खाते ही बच्चों को दिखी छिपकली

मामला नवगछिया प्रखंड में मदत्तपुर गांव के मध्य विद्यालय का है। क्लास 6 की छात्रा शिवानी कुमारी ने बताया कि गुरुवार को मिड-डे-मील परोसा गया। आयुष नाम के एक छात्र की

थाली से छिपकली मिली। वह जोर से चिल्लाया तो सभी बच्चे खाना छोड़ खड़े हो गए। इसकी जानकारी टीचर चितरंजन को मिली तो वह पहुंचे और थाली देखकर कहने लगे कि छिपकली नहीं बैंगन है। टीचर ने थाली से छिपकली निकाल दी और बोले- चुपचाप खाना है तो खाओ नहीं तो घर जाकर खाओ।

खाते ही उल्टियां होने लगीं

इसके बाद भी जब बच्चे नहीं खा रहे थे तो उन्होंने पीट-पीटकर खाना खिलाया। इसके बाद सभी को उल्टियां होने लगीं। करीब 200 बच्चे बीमार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद धीरे-धीरे परिजन स्कूल पहुंचने लगे। सभी बच्चों को नवगछिया अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं।

विवाद बढ़ा तो खाना फेंका

जैसी ही बच्चों को उल्टियां होनीं शुरू हुईं तो स्कूल में मौजूद स्टाफ के हाथ-पैर फूल गए। बच्चों को इलाज के लिए ले जाने की जगह स्टाफ ने आनन-फानन में खाना फेंक दिया। खाना स्कूल के पास ही फेंका गया। ग्रामीण संजय कुमार के साथ BDO गोपाल कृष्ण जांच के लिए पहुंचे। उन्होंने खाना फेंके जाने वाली जगह का मुआयना किया तो वहां मरी हुई छिपकली भी मिली।

प्रिंसिपल ने भी कहा- छिपकली नहीं, बैंगन का डंठल था

स्कूल के प्रिंसिपल ने कहा कि खाने में छिपकली नहीं थी। मेन्यू में चावल, दाल, आलू-बैंगन की सब्जी थी। खाने में बैंगन का डंठल मिला था, छिपकली नहीं थी। घटना की सूचना पर नवगछिया अनुमंडलीय अस्पताल में SDO, SDPO, BDO समेत कई अधिकारी पहुंचे। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विजय कुमार झा ने बताया कि बच्चों के बीमार होने की जानकारी मिली है।

किस कारण से बच्चे बीमार पड़े, इसकी जांच होगी। इसके बाद जो जवाबदेह होगा, उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इधर, ग्रामीणों की मांग पर नवगछिया BEO विजय कुमार झा ने रसोइए को बर्खास्त और प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया है।

शार्ट न्यूज

स्कूल की दीवार गिरने से बच्चे की मौत

पुरुलिया। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में शुक्रवार को स्कूल परिसर की दीवार गिरने से एक छह वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जिसका नाम मनीन्द्र चित्रकार है। इससे एक दिन पहले उत्तरी बंगाल के मालदा में भी एक स्कूल के शौचालय की छत गिरने से 17 वर्षीय छात्र की मौत हो गई थी। पुरुलिया के रघुनाथपुर प्रखंड अंतर्गत श्यामसुंदरपुर प्राथमिक विद्यालय की दीवार गिरने से बच्चे की मौत के बाद इलाके में तनाव का माहौल रहा। बच्चे को घायल अवस्था में रघुनाथपुर अस्पताल ले जाया गया था जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत के बाद आस-पड़ोस के लोग वहां एकत्रित हो गए। स्कूल के प्रधानाध्यापक अमित कुमार रॉय ने कहा कि यह घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और पुलिस इस हादसे की जांच कर रही है। प्राथमिक रिपोर्ट के अनुसार लोहे के गेट पर लटकने से बच्चा दीवार गिरने से दब गया। इससे पहले गुरुवार को मोथाबाड़ी में राज्य सरकार से सहायता प्राप्त बंगिटोल्ला उच्च विद्यालय में शौचालय की दीवार गिरने से 11वीं कक्षा के छात्र जिसान शेख (17) की मौत हो गई थी। इस घटना में शौचालय में मौजूद उसका सहपाठी जीशान मोमिन भी घायल हुआ था। दोनों को मालदा चिकित्सा कॉलेज और अस्पताल में भर्ती किया गया जहां जिशान शेख को मृत घोषित कर दिया गया था।

जुमे की नमाज में शामिल हुए हजारों लोग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के खानयार में सालाना उर्स के मौके पर अंतिम शुक्रवार (जुमे) की नमाज अदा करने के लिए हजारों की संख्या में सूफी संत हजरत शेख सैयद अब्दुल कादिर जिलानी की दरगाह पर इकट्ठा हुए। शेख सैयद अब्दुल कादिर जिलानी को %पीर दस्तगीर साहब% के नाम से भी जाना जाता है। इस मौके पर श्रीनगर के पुराने शहर स्थित दरगाह पर पुरुष, महिलाएं और बच्चे जुमे की नमाज अदा करने के लिए उमड़े। बड़ी संख्या में नमाजियों ने गुरुवार को दरगाह में रात भर चलने वाली इबादत 'शब ख्वानी' में भी भाग लिया और कश्मीर घाटी तथा दुनिया की शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए विशेष इबादत की। खानयार के इमाम ने भारी भीड़ को देखते हुए मुख्य सड़क पर स्थित गौसिया पार्क के मेहराब से जुमे की नमाज का नेतृत्व किया। शुक्रवार की नमाज अदा करने हेतु आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दरगाह की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गयी। नमाजियों ने संत के पवित्र अवशेष की एक झलक देखी, जिसे शुक्रवार की नमाज के बाद बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के सामने प्रदर्शित किया गया। ऐसा ही एक समारोह श्रीनगर के सराय बाला में भी आयोजित किया गया।

धामी दो दिनी दौरे पर पिथौरागढ़ पहुंचेंगे

पिथौरागढ़/नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दो दिवसीय दौरे पर पिथौरागढ़ आ रहे हैं। पिथौरागढ़ की जिलाधिकारी रीना जोशी ने बताया कि मुख्यमंत्री 12 नवंबर को दोपहर में देहरादून से चलकर 12ः45 बजे नैनी सैनी एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहाँ से वह सीधे लोक निर्माण विश्राम गृह पहुंचेंगे। सर्वप्रथम वह मुख्य सेवक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आम लोगों से संवाद करेंगे। इसके बाद तीन बजे महिला संगठनों, महिला स्वयं सहायता समूहों, प्रबुद्ध नागरिकों के साथ पंचायत प्रतिनिधियों से भेंट करेंगे और सुझाव लेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री शाम को देव सिंह मैदान में विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास के साथ ही शरदोत्सव एवं विकास प्रदर्शनी- 2022 का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री भाजपा कार्यालय पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं से भेंट करने के बाद लोनिवि विश्रामगृह में विभिन्न संगठनों से भेंटवार्ता करेंगे। मुख्यमंत्री वन विश्राम गृह में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन 13 नवम्बर को मुख्यमंत्री सुबह एनसीसी कैडेट्स व विभिन्न स्कूलों के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं से संवाद करेंगे। दस बजे से अधिकारियों के साथ जनपद की समीक्षा बैठक लेंगे।

उत्तराखंड विस का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से 5 दिसंबर तक देहरादून में होगा

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से पांच दिसंबर तक देहरादून विधानसभा में होगा। अपर सचिव विधायी महेश कौशिबा ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सत्र आहूत करने ने की सूचना विधानसभा को भेज दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सत्र आहूत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सोलह नवंबर को प्रस्तावित कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लग जाएगी। विधायी विभाग ने 29 नवंबर से पांच दिसंबर तक विधानसभा सत्र आहूत करने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। शासन से प्रस्ताव मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री के पास गया। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पर अपना अनुमोदन दे दिया है। विधायी विभाग प्रस्ताव को मुख्यमंत्री की मंजूरी की सूचना विधानसभा सचिवालय को भेज दी है। उल्लेखनीय है कि तीन विधायकों ने विधानसभा सत्र देहरादून में आहूत कराने की हिमायत की थी, इन विधायकों में दो निर्दलीय और एक बसपा विधायक शामिल हैं। इन तीनों विधायकों ने गैरसैंण में ग्रीष्मकालीन सत्र कराने का सुझाव दिया था। विपक्ष ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण स्थित भराड़ीसैंण विधानसभा में शीतकालीन सत्र कराने की मांग कर रहा था। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रदेश सरकार अनुपूरक बजट का प्रस्ताव लेकर आएगी। इसके अलावा सत्र में महिला क्षैतिज आरक्षण का अध्यादेश, राज्य आंदोलनकारियों के क्षैतिज आरक्षण का संशोधित विधेयक समेत कई अन्य नियमावली, रिपोर्ट और लेखा प्रतिवेदन सदन पटल पर रखे जाएंगे।

तमिलनाडु में भारी बारिश

चेन्नई। तमिलनाडु में शुक्रवार को चेन्नई शहर सहित कई हिस्सों और पड़ोसी जिलों में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने चेन्नई और आसपास के जिलों में भारी बारिश का अनुमान जताया है और दिन के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया है। कल रात से शुरू हुई बारिश आज सुबह लगभग छह बजे और तेज हो गयी। मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। बारिश के कारण राज्य के 29 जिलों में शैक्षणिक संस्थानों में एक दिन के लिए अवकाश घोषित किया गया है। कई जिलों में स्कूल-कॉलेजों में अवकाश घोषित किया गया, वहीं कुछ जगहों पर सिर्फ स्कूलों के लिए ही अवकाश घोषित किया गया है। तिरुपत्तूर जिले में केवल प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। पुडुचेरी में भारी बारिश को देखते हुए क्षेत्रीय प्रशासन ने आज और कल के लिए स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा की है। भारी बारिश से शहर और उपनगर प्रभावित हुए है और कई क्षेत्रों को जलमग्न कर दिया है। ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के अधिकारी पानी को बाहर निकालने के प्रयास कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि कम दबाव का क्षेत्र दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर श्रीलंका के आसपास के क्षेत्रों पर केंद्रित है। इसके कल सुबह तक उत्तर-पश्चिम की ओर तमिलनाडु और पुडुचेरी तटों की ओर बढ़ने की संभावना है।

अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ तीन दिन का सघन अभियान

जयपुर। राजस्थान में खान विभाग द्वारा पुलिस प्रशासन के समन्वय से अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के विरुद्ध तत्काल प्रभाव से तीन दिन का विशेष अभियान चलाने का निर्णय किया गया है। खान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि राज्य के सभी माइनिंग अधिकारियों को आज शुक्रवार को ही अपने क्षेत्र के संबंधित पुलिस अधीक्षकों से संपर्क कर प्रभावी कार्यवाही की रणनीति बनाने के निर्देश दिए हैं। आज से प्रदेश में कार्यवाही की सूचना भी आने लगी है और आरंभिक सूचनाओं के अनुसार बिना रवन्ना या टीपी के खनिज परिवहन करते हुए 13 से अधिक वाहन जब्त कर संबंधित पुलिस थानों को सुपुर्द किए गए है। डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को स्टोनमार्ट के उद्घाटन अवसर पर कहा था कि राज्य सरकार अवैध खनन के प्रति गंभीर है और निरंतर अभियान चलाकर इस पर रोक लगाने के प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री गहलोत के निर्देश के साथ ही विभाग एक्शन मोड पर आ गया है और विभाग ने आज ही पुलिस अधीक्षकों से संपर्क कर तीन दिनों तक लगातार अभियान चलाकर अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

राजीव गांधी के हत्यारों को रिहा करने पर भड़की कांग्रेस

बोली- सुप्रीम कोर्ट का फैसला पूरी तरह से गलत

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों को रिहा करने का आदेश जारी होने पर कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि उसे सुप्रीम कोर्ट का फैसला मंजूर नहीं है। पार्टी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों को रिहा करने का फैसला पूरी तरह से अस्वीकार्य है और पूरी तरह से गलत है। कांग्रेस ने दोषियों की रिहाई संबंधी आदेश पर कहा कि बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि उच्चतम न्यायालय ने देश की भावना के अनुरूप कार्य नहीं किया। कांग्रेस पार्टी के जनरल सेक्रेटरी इन-चार्ज कम्युनिकेशंस, जयराम रमेश ने कहा, पूर्व पीएम राजीव गांधी के बचे

हत्यारों को मुक्त करने का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय अस्वीकार्य और पूरी तरह से गलत है। कांग्रेस इसकी आलोचना करती है और इसे पूरी तरह से अक्षम्य मानती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने भारत की भावना के अनुरूप काम नहीं किया।

बता दें की शीर्ष अदालत ने राजीव गांधी हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रही नलिनी श्रीहरन और आर. पी. रविचंद्रन को समय से पहले रिहा करने का शुक्रवार को आदेश दिया। दोनों ने समय से पहले रिहाई की मांग को लेकर शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायाधीश बी. वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा कि मामले के दोषियों में से एक आरोपी ए. जी. पेरारिवलन के मामले में शीर्ष अदालत का पहले दिया गया फैसला इन दोनों के मामले में भी लागू होता है।

जामताड़ा : सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

जामताड़ा। झारखंड में जामताड़ा जिले के फतेहपुर थाना अंतर्गत कालापाथर गांव के निकट सड़क हादसे में तीन युवक की मौत हो गई है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को यहां बताया कि एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक तेज रफ्तार से फतेहपुर की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में काला पत्थर गांव के पास तीखे मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में तीन युवक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। सूत्रों ने बताया कि हादसे की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जामताड़ा भेज दिया है। मृतकों की पहचान जीवन बावरी , नवीन बावरी और ढेवा बावरी के रूप में की गयी है जो बेलबरोई थाना क्षेत्र के निवासी है।

अगरतला हत्याकांड सभी छह आरोपियों को बरी किया

अगरतला। अगरतला की निचली अदालत ने एक सनसनीखेज हत्याकांड के सभी छह आरोपियों सबूतों के आभाव पर गुरुवार को बरी किया और त्रिपुरा पुलिस की जांच पर सवाल खड़े किए। सभी आरोपी अगरतला के वीआईपी जोन में अगस्त 2015 में शांता साहा (50) की हत्या के आरोपी थे। इससे पहले 2015 में उच्च न्यायालय ने सबूतों के अभाव में एक स्थानीय दैनिक अखबार के वरिष्ठ संपादक को जुलाई 2013 में अखबार के कार्यालय में हुए हत्याकांड के मामले में सबूतों के आभाव पर बरी किया था। पश्चिम त्रिपुरा की अतिरिक्त सत्र अदालत ने लंबी सुनवाई के बाद सभी छह आरोपियों- दीपजॉय साहा और बिटंजॉय साहा , दीपक साहा , सिमिता चक्रवर्ती (मृतका की भांजी), रणबीर लोध और कृष्णा डे (भाड़े के हत्यारे) को बरी कर दिया।

मृतका के पति दीपक साहा द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने दीपजॉय साहा, बिटंजॉय साहा, रणबीर और कृष्णा को गिरफ्तार किया। बाद में पुलिस ने संदेह के आधार पर दीपक साहा और सिमिता चक्रवर्ती को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के तीन महीने बाद पुलिस के आरोप पत्र के आधार पर उच्च न्यायालय से दीपक साहा और सिमिता चक्रवर्ती को जमानत मिल गई और सुनवाई शुरु हुई। पुलिस ने दावा किया कि मृतका के बड़े पुत्र दीपजॉय साहा का सिमिता के साथ नाजायज संबंध था जो शांता साहा को मंजूर नहीं था इसलिए उसने दीपजॉय को किसी अन्य से शादी करने का दबाव डाला।

हैंडीक्राफ्ट की दुकान में लगी भीषण आग से लाखों रूपए का माल नष्ट

एजेंसी

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के क्लाक टावर थाना क्षेत्र स्थित मूंदड़ी मोहल्ला क्षेत्र के खारीकुई में आज एक हैंडीक्राफ्ट की दुकान की तीसरी मंजिल पर लगी भीषण आग से लाखों रुपये का माल खाक हो गया।

पुष्ट जानकारी के मुताबिक महावीर एंटरप्राइजेज नामक गिफ्ट स्टोर पर लगी भीषण आग से बाजार में अफरातफरी मच गई। गिफ्ट स्टोर होने से आग ने तेजी से अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू किया। तंग गलियां होने के चलते अग्निशमन की सेवाएं भी पर्याप्त रूप से नहीं मिल सकी।

स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन निजी टेंकरों व बाद में अग्निशमन की छोटी गाड़ी आने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। तीन मंजिलों मे लगी इस आग में लाखों रुपये के सामान का नुकसान होना प्रथम दृष्टया सामने आ रहा है और आग लगने के कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग लगने से स्थानीय जनों में आक्रोश व्याप्त हो गया क्योंकि आसपास की दुकानों में आग फैलने का अंदेशा तेज हो गया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रण में किया। तंग गलियों और आवाजाही के चलते आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

पानीपत में दिल्ली हाईकोर्ट के वकील पर हमला

बदमाशों ने कार को मारी टक्कर, टोका तो लाठी-डंडों और तलवार से किए वार

पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले में एपएच-44 पर गांव बाबरपुर के पास दिल्ली हाईकोर्ट के सीनियर वकील रोहित भार्गव से बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया।

एक ढाबे पर रुके वकील की गाड़ी को अज्ञात बदमाशों ने बैक करते हुए हिट कर दिया। जब वकील रोहित भार्गव ने बदमाशों को विरोध किया तो उन्होंने लाठी-डंडों, तलवारों से हमला किया और उनकी गाड़ी भी तोड़ दी। इसके बाद बदमाश, उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

वकील ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ आईपीसी की धारा 148, 149, 323, 324, 427 व 506 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

करीब 10 ही मिनट के लिए रुके थे वकील

सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में रोहित भार्गव ने बताया कि वह आनंद विहार, दिल्ली का रहने वाले हैं। वह दिल्ली हाईकोर्ट में वकील हैं। 9 नवंबर को वह अपने बेटे और 2 दोस्तों के साथ घूमने के लिए अपनी कार से कसोली जा रहे थे। देर रात करीब 3ः30 बजे उन्होंने अपनी कार को कुछ खाने-पीने के लिए पानीपत में नेशनल हाईवे पर गांव बाबरपुर के पास सागर ढाबा पर रोका।

करीब 10 मिनट बाद वे यहां से सामान लेकर अपनी गाड़ी की ओर जाने लगे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि एक क्विड कार चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से अपनी कार को बैक कर रहा है। उसने बैक करते हुए उनकी गाड़ी को तेजी से मारा।

लाठी-डंडों-तलवारों से किया ताबड़तोड़ हमला

गाड़ी हिट करने पर एडवोकेट ने उन्हें टोक दिया। इसी बात पर कार के पास खड़े करीब 6-7 युवकों ने अचानक उस पर हमला कर दिया। आरोपी युवकों ने एडवोकेट पर लाठी-डंडों, लात-घुसों से ताबड़तोड़ हमला किया। इसी बीच क्विड कार का चालक भी तलवार लेकर नीचे उतरा। उसने तलवार से उसकी कमर, सिर, हाथ पर कई वार किए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उनकी कार पर डंडे बरसा कर क्षतिग्रस्त कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी, एडवोकेट को कानूनी कार्रवाई करने की बात पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

हरियाणा में लाखों टन गेहूं सड़ने की जांच हाईकोर्ट के वर्तमान न्यायाधीश से करवाई जाए : अभय चौटाला

सिरसा। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रधान महासचिव एवं ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन सरकार किसान और गरीब विरोधी है।

चौटाला ने कहा कि इसके सबूत हम कई बार जनता के सामने ला चुके हैं। किसान और गरीब विरोधी होने का एक और ताजा उदाहरण सामने आया है, जिसमें किसानों द्वारा खून-पसीने से पैदा किए गए अन्न की बेकद्री की गई है। प्रदेश के जिला यमुनानगर, कुरूक्षेत्र, जींद, कैथल, फतेहाबाद, रोहतक और सोनीपत के अन्न भंडारण गोदामों में सरकार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही के चलते हजारों टन गेहूं सड़ कर बर्बाद हो गया और यह सब सरकार की नाक के नीचे हुआ है। इनेलो नेता ने कहा कि प्रदेश में पिछले पांच सालों में लगभग 46 हजार

तीन सौ टन गेहूं सड़ कर खराब हो चुका है अगर यही गेहूं गरीबों में बांटा जाता तो इससे करोड़ों लोगों का पेट भरा जा सकता था। अब भाजपा सरकार जिस गेहूं की कीमत 2015 रुपए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के हिसाब से लगभग 94 करोड़ बनती है, उस सड़ कर बर्बाद हो चुके गेहूं को दो से 10 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बेचने जा रही है। चौटाला ने आज यहां जारी बयान में कहा कि खाद्य सामग्री उत्पादन कोई आसान काम नहीं है, लेकिन सरकार करोड़ों रुपए खर्च करके भी उसको सुरक्षित रखने में नाकामयाब रही है। उन्होंने भाजपा सरकार पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकारी एजेंसियों द्वारा भंडारण के लिए समय रहते उठान और फ्यूमीगेशन क्यों नहीं करवाया गया। भंडारण किया हुआ लाखों मीट्रिक टन गेहूं सड़ गया। इसके लिए संबंधित मंत्री के साथ-साथ मुख्यमंत्री पूर्णतया दोषी हैं। साथ ही कोई भी अधिकारी और कर्मचारी भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। इसके पीछे क्या कारण रहे और किन-किन अधिकारियों और कर्मचारियों की गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार और लापरवाही से यह सब हुआ, इसकी जांच उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से करवाई जाए और जो भी लोग दोषी हैं उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए।

पलामू : अवैध रूप से संचालित शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, संचालक गिरफ्तार

डालटनगंज। झारखंड में पलामू जिले की उत्पाद विभाग की टीम ने आज छापेमारी कर अवैध रूप से संचालित एक शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर संचालक को गिरफ्तार कर लिया । पलामू जिले की उत्पाद अधीक्षक विमला लकरा ने शुक्रवार को यहां बताया कि पलामू जिले के नावा जयपुर थाना अंतर्गत चुरा दोहर टिक्की तार में अवैध शराब बनाई जाने की एवं तस्करी की सूचना मिली थी। इस सूचना के आलोक में उत्तर अवर निरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में छापामारी दल गठित कर छापामारी की गयी। इस दौरान तकरीबन 6000 खाली बोतल और 27 कार्टन शराब जब्त की गयी है। उत्पाद निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि लगातार डुप्लीकेट शराब की शिकायतें प्राप्त हो रही थी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह ढाबे या गैरकानूनी ढंग से बेचे जाने वाले स्थान से शराब ना खरीदें।

हाईकोर्ट ने अंकिता के माता-पिता को एसआईटी जांच पर आपत्ति करने को कहा

नैनीताल। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच को लेकर सरकार की भूमिका से खिन्न अंकिता की माता सोनी देवी-पिता वीरेन्द्र भंडारी आखिरकार उच्च न्यायालय पहुंच गये हैं। अदालत ने उनके प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर लिया है और उनसे विशेष जांच दल की ओर से की जा रही जांच के मामले में 18 नवंबर तक जवाब देने को कहा है। अंकिता हत्याकांड को लेकर आशुतोष नेगी की ओर से दायर याचिका पर वरिष्ठ न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की पीठ में सुनवाई हुई। एसआईटी की ओर से जांच अधिकारी राम सिंह खोलिया अदालत में पेश हुए और जांच की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट अदालत में सौंपी। सरकार की ओर से कहा गया कि मामले में पर्याप्त सुबूत जुटा लिये गये हैं। जांच अभी जारी है। याचिकाकर्ता की ओर से याचिका में जो बिन्दु उठाये गये हैं, वे गलत हैं। वनन्तरा रिसॉर्ट को तोड़ने से पहले मौके की वीडियोग्राफी करा ली गयी थी। फोरेंसिक टीम भी मौके पर गयी थी। अंकिता को आरोपी पुलकित आर्य व सौरभ भास्कर ने धक्का मारकर चीला नहर में फेंक दिया था। गत 24 अक्टूबर को शव चीला बैराज से बरामद किया गया। दूसरी ओर अंकिता के पिता भंडारी भी आज इस मामले में पक्षकार बन गये हैं। उन्होंने एसआईटी जांच से नाराज होकर अदालत में पक्षकार बनने और उनका पक्ष सुनने के लिये प्रार्थना पत्र पेश किया। अदालत ने उनके प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर लिया। साथ ही उन्हें एसआईटी जांच को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज करने को भी कहा है। अंकिता के माता-पिता की ओर से एसआईटी जांच पर सवाल उठाये गये हैं और उन्होंने इस प्रकरण की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो से कराने की मांग की है। याचिकाकर्ता आशुतोष नेगी की ओर से भी सरकार के रवैये पर व एसआईटी जांच पर सवाल उठाते हुए इस प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की है। सरकार की ओर से याचिकाकर्ता के याचिका दायर करने की पोषणीयता पर सवाल उठाया गया और कहा गया कि किस आधार पर याचिका दायर की गयी है।

महापुरुषों का सम्मान सबका नैतिक दायित्व : शिवराज चौहान

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि महापुरूषों का सम्मान व गरिमा बनाए रखना हम सबका नैतिक दायित्व है।

चौहान यहां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (मध्य भारत) के तीन दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक ऐसा आदेश जारी किया जायेगा, जिससे जिन संस्थानों के नाम महापुरूषों के नाम पर हैं वे नाम पूरे और हिन्दी में लिखे जाएँ।

उन्होंने कहा स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में भी महान क्रांतिकारियों एवं महापुरूषों के नाम प्रमुखता से जोड़े जा रहे हैं। चौहान ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 55वे प्रांतीय अधिवेशन का दीप प्रज्वलन कर उदघाटन किया।

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत तथा सर्वश्री धमेन्द्र राजपूत, रविन्द्र चौहान व सत्यप्रकाश सिंह तोमर सहित अन्य पदाधिकारी एवं नगर निगम सभापति मनोज तोमर व भाजपा जिला अध्यक्ष अभय चौधरी समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

श्री चौहान ने कहा कि विद्यार्थी परिषद देश व समाज के लिये जीने वाली पीढ़ी तैयार करने में यह संगठन जुटा है। साथ ही कहा कि विद्यार्थी जीवन में मुझे इसी संगठन से जुड़कर देश व समाज की सेवा करने की प्रेरणा मिली।

कोल घोटाले मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कथित कोल घोटाले मामले में गिरफ्तार एक आईएएस समेत चार लोगो की जमानत अर्जी को आज अदालत ने खारिज कर दी,और सभी आरोपियों को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले महीने कोल घोटाले मामले में आईएएस समीर विश्नोई, कारोबारी सुनील अग्रवाल एवं लक्ष्मीकांत तिवारी को गिरफ्तार किया था,जबकि एक और आरोपी सूर्यकांत तिवारी ने ईडी की विशेष अदालत में समर्पण किया था। इन सभी ने ईडी विशेष अदालत में जमानत की अर्जी दाखिल की थी। इनकी ओर से अधिवक्ताओं ने कल बहस पूरी कर ली थी जबकि ईडी की ओर से आज उसका जवाब दिया गया।

हिमाचल में अंतरराष्ट्रीय लवी मेला शुरू

शिमला। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शिमला जिले के रामपुर बुशहर में शुक्रवार को चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय लवी मेले का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि लवी एक व्यावसायिक मेले के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश का सांस्कृतिक उत्सव बन गया है। उन्होंने कहा कि लवी मेले का अपना ऐतिहासिक महत्व है और यह व्यापारिक गतिविधियों के साथ-साथ अपनी समृद्ध पुरानी परंपराओं के लिए भी प्रसिद्ध है।

राज्यपाल ने प्रदेश के लोगों से लवी मेले के साथ-साथ लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वे 12 नवंबर को अपने मताधिकार का प्रयोग करें। प्रत्येक वोट लोकतंत्र को मजबूत करता है, इसलिए सफल लोकतंत्र के

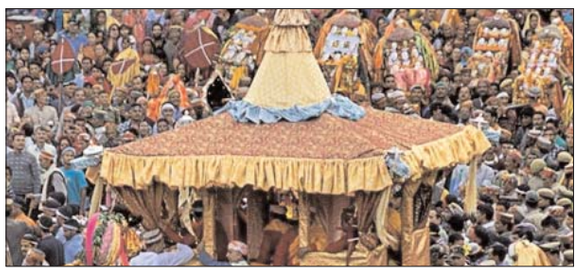

लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश अपनी समृद्ध संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं के लिए जाना जाता है। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि लोग सभी धार्मिक और पारंपरिक त्योहारों को बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और पारंपरिक मेलों और त्योहारों के पुराने गौरव को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने लवी मेले की समृद्ध परंपराओं को आगे बढ़ाने के ईमानदार प्रयासों के लिए आयोजकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मेले में प्रदर्शित ऊनी वस्त्र, सूखे मेवे और अन्य पारंपरिक शिल्प और उत्पाद अद्वितीय हैं। मेले में पारंपरिक कारीगरों और किसानों को लाभान्वित करने और उनके प्रचार और बिक्री के लिए बेहतरीन अवसर प्राप्त हुआ है।

हिमाचल प्रदेश के चुनाव में महंगाई, बेरोजगारी भाषणों से गायब

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस बार राजनीतिक दलों के भाषण में महंगाई और बेरोजगारी का मुद्दा नदारद रहा। हरेक पार्टी के महंगाई पर विरोध के अलग अलग तरीके रहे हैं। तेल की महंगाई हो तो लोग बैलगाड़ी पर चढ़ जाते हैं। गैस की महंगाई पर तृणमूल सांसद ने कच्चा बैंगन सदन के भीतर खाकर दिखाया था। कांग्रेस नेताओं ने महंगाई पर सरकार के विरोध में काले कपड़े पहने लेकिन धरातल पर बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ विपक्ष की भूमिका निभाने में नाकाम रहे है। इस बार प्रदेश के विधानसभा चुनाव में महंगाई और बेरोजगारी राजनीतिक दलों के भाषणों से लगभग गायब दिखे हैं, जबकि जनता आसमान छू रही महंगाई से त्रस्त है। आज तक प्रदेश और देश मे हुए चुनावों में महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों ने सरकारें बदली रही है।

प्रदेश और देश के लोगों को ये उम्मीद रहती है कि शायद नयी सरकार आएगी तो महंगाई को कम कर दें लेकिन आज तक किसी भी दल की सरकार महंगाई पर नियंत्रण नहीं कर पाई है। महंगाई-बेरोजगारी के भाषण केवल सत्ता परिवर्तन तक ही सीमित रहतें है। जो भी हो, महंगाई का एक के बाद दूसरा रेला उन लोगों के लिए कहर से कम नहीं है जो दो साल पहले कोरोना के कारण देशव्यापी लॉकडाउन की मार से अभी तक उबर नहीं पाए हैं। लॉकडाउन में बड़ी संख्या में लोगों को एक झटके में बेघर-बेदर, बेरोजगार होना पड़ा। लाखों लोग इस कारण गरीबी रेखा से नीचे आ गए कि छोटे-मंझोले उद्योग बंद हो गए और होटल, पर्यटन, रेस्तरां, जिम आदि ठप्प पड़ गए। कारीगरों का काम बंद हो गया और रेहड़ी-पटरी वालों की रोजी-रोटी छिन गई। इस बीच, लोकलुभावन राहत पैकेजों के बावजूद अभी उनके हालात बहुत सुधार नहीं पाए हैं। भले ही 'बड़े खिलाड़ियों' की राजनीतिक उपभोक्तावाद में बढ़ती हिस्सेदारी ने सत्तादल की चुनावी उपलब्धियों पर इसका असर नहीं पड़ने दिया है और राजनीतिक उपभोक्ताओं में बदल गई उसकी प्रजा अपने हिस्से की तकलीफें बर्दाश्त करती हुई खुशी-खुशी उसके साथ ताली-थाली, दीए और टार्च वगैरह जलाने और बजाने में मगन रहने को तैयार हैं। प्रदेश में विधानसभा चुनाव में राजनीति ओपीएस के इर्द-गिर्द घूम रही है। प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा ने ओपीएस पर कोई वादा नहीं किया, मगर कहा जा रहा है कि डबल इंजन सरकार से ही ओपीएस बहाली की उम्मीद की जा सकती है।

मोहाली, फ़तेहगढ़ साहिब, रूपनगर की सात सोसाइटियों और पांच गांवों में चलाई मुहिम

मोहाली। पंजाब के लोगों में मौजूदा हालात में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए, रूपनगर पुलिस ने आज रूपनगर, एसएएस नगर और फ़तेहगढ़ साहिब समेत तीन जिलों में विशेष घेराबन्दी और तलाशी मुहिम चलाई। इस मुहिम का नेतृत्व रोपड़ रेंज के उप महानिरीक्षक (एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने की और यह मुहिम तीन जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहाली विवेक शील सोनी, एस.एस.पी. फ़तेहगढ़ साहिब रवजोत गरेवाल और एस.एस.

शार्ट न्यूज

प्राचीन कला केंद्र चंडीगढ़ का आज नई दिल्ली के त्रिवेणी कला संगम में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम

चंडीगढ़। प्राचीन कला केंद्र चंडीगढ़ के तत्वावधान में 18वीं तिमाही बैठक के अवसर पर 12 नवंबर, 2022 को शाम 6 बजे से त्रिवेणी कला संगम, 205 तानसेन मार्ग, मंडी हाउस, नई दिल्ली में शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम की संगीतमय संध्या की शुरुआत दिल्ली स्थित सारंगी वादक श्री नबील खान के साथ तबले पर शाहबाज खान की संगत के साथ होगी. उसके बाद महताब अली नियाज़ी के सितार वादन के साथ तबले पर श्री खुर्रम अली नियाज़ी की खूबसूरत जुगलबंदी शमा को परवाने पर चढ़ाएंगे. अंत में पंडित गणेश मिश्रा की गायकी के साथ तबला पर श्री उदय शंकर मिश्रा और हारमोनियम पर श्री ललित सिसोदिया का उत्कृष्ट प्रदर्शन का आयोजन किया गया है. बता दें कि सन 1956 में स्थापित प्राचीन कला केंद्र भारतीय शास्त्रीय कलाओं के प्रचार, संरक्षण और प्रसार के लिए समर्पित देश के सबसे पुराने, प्रमुख और प्रतिष्ठित संगठनों में से एक है. वर्तमान में, प्राचीन कला केंद्र कर्नाटक संगीत (गायन और वाद्य), शास्त्रीय नृत्य (जैसे कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी नृत्य, आदि) और ललित कला (पेंटिंग) सहित भारतीय शास्त्रीय संगीत के विषयों में प्राचीन गुरुकुल परंपरा के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने वाला एक प्रसिद्ध संस्थान है. यह संस्थान पिछले 60 वर्षों से प्रदर्शन और दृश्य कला के क्षेत्र में परीक्षाएं आयोजित कर रहा है।

एमसीडी चुनाव में दिल्ली देहात को उचित प्रतिनिधित्व दें तीनों पार्टियां : चौ0 सुरेंद्र सोलंकी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव की सरगर्मियों के बीच उत्तर भारत की सबसे बड़ी खाप पंचायत पालम 360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने दिल्ली देहात को उचित प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग पर जोर दिया है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने साफ लहजे में कहा है कि कोई भी राजनीतिक दल दिल्ली देहात को कमजोर आंकने की भूल ना करें। आगामी दिल्ली नगर निगम चुनाव में जो भी पार्टी दिल्ली देहात के प्रतिनिधित्व और हितों की अनदेखी करने की भूल करेगी उसे इसका खामियाजा भुगतना होगा। चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने कहा है कि नए परिसीमन के बाद निर्वाचन क्षेत्रों को देखते हुए एमसीडी के चुनाव में दिल्ली देहात की निर्णायक भूमिका होने वाली है। जो राजनीतिक पार्टी दिल्ली देहात के लोगों से जुड़े अहम मुद्दों को प्रमुखता से सुनेगी और उनका समाधान करेगी, दिल्ली देहात के लोग भी उसी पार्टी के पक्ष में अपना आशीर्वाद देंगे। दिल्ली देहात के लोगों ने मुगलों से लेकर अंग्रेजों के समय तक दिल्ली को बनाने और सुरक्षित रखने में हमेशा ही अग्रिम पंक्ति में योगदान दिया है। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों को दिल्ली देहात को नजरअंदाज करके की भूल भारी पड़ सकती है।

झूठे वादों का पुलिंदा है भाजपा का वचन पत्र

नई दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) ने नगर निगम चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के वचन पत्रों को झूठे वादों का पुलिंदा बताया है। जेडी(यू) दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष दयानंद राय ने कहा है कि देश की राजधानी को कूड़े का ढेर बना देने वाली भाजपा, हमेशा की तरह एक बार फिर जनता को झूठे वादों का झांसा दे रही है। भाजपा को सबसे पहले दिल्ली की बदहाली के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछले 15 साल से एमसीडी में काबिज है और साफ-सफाई को लेकर दिल्ली की हालत शर्मनाक है। जो लोग देश की राजधानी में साफ सफाई सुनिश्चित नहीं कर पाए वे वादों का हवाई महल बना रहे हैं। दिल्ली की जनता इस बार इनके झांसे में नहीं आने वाली है। दयानंद राय ने आरोप लगाया की साफ-सफाई की सबसे बदतर स्थिति उन इलाकों में है जहां बिहार-पूर्वांचल के लोग सबसे ज्यादा हैं। भाजपा ने हमेशा ऐसे इलाकों की उपेक्षा की है। लगातार उपेक्षा के शिकार दिल्ली में रहने वाले बिहार-पूर्वांचल के लोग इस बार भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार हैं।

डीयू में 'नेशनल कैरीकुलम फ्रेमवर्क फॉर फाउंडेशनल स्टेज-2022' पर सेमिनार 12 को

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षिक एवं विकासात्मक अध्ययन संस्थान के सहयोग से 12 नवंबर को नेशनल कैरीकुलम फ्रेमवर्क फॉर फाउंडेशनल स्टेज-2022 विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर एनसीएफ़ संचालन समिति के सदस्य प्रोफेसर अनुराग मुख्य वक्ता होंगे तथा प्रोफेसर डी.के. सकलानी विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह करेंगे। रजिस्ट्रार ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षा संकाय के डीन एवं एचओडी प्रोफेसर पंकज अरोड़ा और आईईडीएस के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप के जोशी के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस सेमिनार का उद्देश्य शिक्षाविदों, अध्यापकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के विचार-विमर्श करने और एनसीएफ फाउंडेशनल स्टेज 2022 को लागू करने के लिए सुझाव देना है।

सिक्योरिटी इंचार्ज को टक्कर मारने वाला दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। पुलिस ने सेक्टर-120 स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसाइटी में सिक्योरिटी इंचार्ज को कार से टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल करने वाले दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर सहकर्मी से दुष्कर्म करने का आरोप है। इसी मामले में पुलिस उसे पकड़ने गई थी, तभी वह भाग निकला था। पुलिस को कई दिनों से उसकी तलाश थी। सेक्टर-120 स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसाइटी में रहने वाले नीरज सिंह गुरुग्राम की कंपनी में जीएम के पद पर कार्यरत हैं। करीब डेढ़ महीने पहले नीरज के खिलाफ उसके साथ कंपनी में काम करने वाली महिला सहकर्मी ने दुष्कर्म का केस दर्ज कराया था। तब दोनों नोएडा की कंपनी में कार्यरत थे।

'आप' ने जारी किया अपना घोषणापत्र, केजरीवाल ने दीं 10 गारंटी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनावों के लिए शुक्रवार को आप का घोषणापत्र जारी कर दिया। केजरीवाल ने आप मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एमसीडी के लिए केजरीवाल की दस गारंटी दी हैं।

सीएम केजरीवाल ने शुक्रवार को 4 दिसंबर को होने वाले एमसीडी चुनावों के लिए आप की 10 गारंटियों की घोषणा की, जिसमें दिल्ली में तीनों लैंडफिल साइटों को साफ करना, नगर निगम में भ्रष्टाचार खत्म करना और निगम कर्मियों को समय पर सैलरी का भुगतान जैसी गारंटियां शामिल है।

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने एमसीडी में अपने 15 साल के कार्यकाल में कुछ नहीं किया, जबकि आप हमेशा अपने वादों को पूरा करती है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा दिल्ली नगर निगम चुनाव में 20 से अधिक सीटें नहीं जीतेगी। दिल्ली के 250 वार्ड वाले निगम के लिए चार दिसंबर को चुनाव होगा और मतों की गिनती सात दिसंबर को होगी।

इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने एमसीडी को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि एमसीडी में इस बार भाजपा की 20 से भी कम सीटें आएंगी। यह बात मैं लिखकर दे सकता हूं।

केजरीवाल ने की दिल्लीवासियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि योगा रोकने वालों को वोट मत देना, बल्कि योग करवाने वालों को वोट देना। लड़ाई करने वालों को वोट मत देना, बल्कि स्कूल बनाने वालों को वोट देना, दिल्ली को रोकने वालों को वोट मत देना, बल्कि दिल्ली चलाने वालों को वोट देना।

7 दिसंबर को आएंगे चुनाव के नतीजे

गौरतलब है कि दिल्ली में नगर निगम के 250 वार्ड के लिए बहुप्रतीक्षित चुनाव नए सिरे से परिसीमन के बाद यह पहला निकाय चुनाव होगा। यहां 04 दिसंबर को मतदान होगा, जबकि वोटों की गिनती 07 दिसंबर को होगी। वहीं 14 नवंबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में दिल्ली में मतदाताओं की कुल संख्या 1,46,73,847 है, जिनमें 79,86,705 पुरुष व 66,86,081 महिलाएं और 1,061 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। दिल्ली नगर निगम में कुल 250 वार्ड हैं।

इस बार मतदान केंद्रों की संख्या करीब 13,665 होगी, जबकि 2017 में मतदान केंद्रों की संख्या 13,138 थी। अधिकारियों के अनुसार इस चुनाव में किसी उम्मीदवार द्वारा खर्च की अधिकतम सीमा आठ लाख रुपये तय की गई है।

वर्ष 1958 में स्थापित एमसीडी को 2012 में मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल के दौरान तीन भागों में विभाजित किया गया था। हाल ही में तीनों नागरिक निकायों को मिलाकर फिर से एक कर दिया गया।

एमसीडी चुनाव के लिए 'आप' की 10 गारंटी

1. दिल्ली को साफ और सुंदर बनाएंगे और कूड़े के पहाड़ खत्म करेंगे। कोई भी नया कूड़े का पहाड़ नहीं बनने देंगे।
2. वसूली व्यवस्था को बंद करेंगे। एमसीडी को भ्रष्टाचार मुक्त बनाएंगे। अवैध निर्माणों को पैनल्टी लेकर नियमित करेंगे।
3. पार्किंग की समस्या का समाधान करेंगे।
4. सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं की समस्या का समाधान करेंगे।
5. दिल्ली में सड़कें-गलियां बेहतर बनाएंगे।
6. नगर निगम के सभी अस्पतालों और डिस्पेंसरियों की हालत सुधारेंगे।
7. नगर निगम के सभी पार्कों को संवारेंगे और दिल्ली को पार्कों की राजधानी बनाएंगे।
8. कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा और समय पर सैलरी देंगे।
9. व्यापारियों के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया आसान करेंगे। इंस्पेक्टर राज भी खत्म करेंगे और भी समस्याओं से मुक्ति दिलाएंगे।
10. रेहड़ी-पटरी वालों की समस्या का समाधान करने के लिए वेंडिंग जोन बनाकर लाइसेंस देंगे।

दिल्ली सरकार को नोटिस जारी

दिल्ली महिला आयोग ने पैरोल और सज़ा में छूट की नीतियों का अध्ययन शुरू किया

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने देश में मौजूद पैरोल और छूट नीतियों का अध्ययन शुरू किया है। आयोग विभिन्न राज्यों की सम्बंधित नीतियों का अध्ययन करेगा जिसके तहत दोषियों को सजा में छूट और पैरोल दी जाती है। इस संबंध में आयोग ने दिल्ली सरकार और तिहाड़ जेल को नोटिस जारी कर जघन्य अपराधों के दोषियों के लिए सजा में छूट और पैरोल नीतियों और दिल्ली राज्य में उनके कार्यान्वयन के बारे में जानकारी मांगी है। आयोग इस संबंध में दिल्ली सरकार के साथ-साथ भारत सरकार को एक रिपोर्ट सौंपेगा।

आयोग ने हाल के मामलों के सन्दर्भ में यह अध्ययन शुरू किया है, जिसने सिस्टम में उन खामियों को उजागर किया है जिससे रसूखदार दोषी नीतियों में हेरफेर कर अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। उदाहरण के लिए, 2002 में बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसके 3 साल के बेटे और परिवार के 7 अन्य सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। अदालत द्वारा 11 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा देने के बावजूद, उन्हें इस साल 15 अगस्त को गुजरात सरकार ने 1992 की छूट नीति का हवाला देते हुए छोड़ दिया, जिसने कैदियों को उनकी सजा में कमी के लिए आवेदन करने की अनुमति दी थी। साथ ही, हाल ही में हरियाणा सरकार ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पैरोल पर रिहा किया, जो बलात्कार और हत्या का दोषी है और रोहतक की जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। बाद में उसने कई प्रवचन सभाओं का आयोजन किया और खुद को बढ़ावा देने वाले संगीत वीडियो जारी किए, जिसमें कई वरिष्ठ सरकारी पदाधिकारियों ने भाग लिया!

स्वाति मालीवाल ने इन घटनाओं को बहुत चिंतित करने वाला करार दिया है और कहा है कि देश में सजा में छूट, पैरोल और फरलो के मौजूदा नियम और नीतियां भी बेहद कमजोर हैं और राजनेताओं और रसूखदार दोषियों द्वारा अपने फायदे के लिए इसका आसानी से दुरुपयोग किया जा सकता है।

इस संबंध में, आयोग की अध्यक्ष ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के गृह विभाग और तिहाड़ जेल को नोटिस जारी कर दिल्ली में सजा में छूट और पैरोल नीतियों का विवरण मांगा है। गृह विभाग को भेजे गए नोटिस में आयोग ने उन दोषियों का ब्योरा मांगा है जो रेप, गैंगरेप, पॉक्सो और हत्या के साथ रेप के लिए उम्रकैद की सजा काट रहे थे और उन्हें 2012 से सजा में छूट दी गई है और। आयोग ने दोषी को रिहा किया जाए या नहीं, इस पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत राय की प्रतियों के साथ 2012 से सजा समीक्षा बोर्ड की बैठकों के कार्यवृत्त की प्रतियां भी मांगी हैं।

क्रेडिट कार्ड के प्वाइंट रिडीम करने का झांसा देकर 2.66 लाख ठगे

एजेंसी

नोएडा। जालसाज ने क्रेडिट कार्ड के प्वाइंट रिडीम करने का झांसा देकर महिला से 2.66 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपी ने खुद को बैंककर्मी बताकर पीड़िता से संपर्क किया और उनके मोबाइल पर लिंक भेजकर ठगी की। महिला ने फेज-3 थाने में केस दर्ज कराया है।

सेक्टर-121 की क्लो काउंटी सोसाइटी निवासी गुंजन गुप्ता मित्तल पुलिस को शिकायत दी है कि कुछ समय पहले उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति ने कॉल की और खुद को उस बैंक का कर्मचारी बताया, जिसका क्रेडिट कार्ड उनके पास है। आरोपी ने कहा कि वह उनके क्रेडिट कार्ड के प्वाइंट रिडीम करा देगा। उसने अच्छी रकम मिलने की बात कहकर उन्हें झांसे में ले लिए। उसने उन्हें मोबाइल पर एक लिंक भेजा। इस लिंक पर क्लिक करने के बाद अपने कार्ड की डिटेल भरने के लिए कहा। जैसे ही महिला ने क्रेडिट कार्ड की डिटेल संबंधित लिंक पर भरी तो उनके कार्ड से कई बार में करीब 2.66 लाख रुपये की ट्रांजेक्शन हो गई। महिला का दावा है कि उनके मोबाइल पर ट्रांजेक्शन का कोई मैसेज नहीं आया। कुछ समय बाद मैसेज आए तो उन्हें ठगी का पता चला। फिर महिला ने पुलिस को मामले की शिकायत दी। पुलिस जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी ने पीड़िता के क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन खरीदारी की है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विदेश में नौकरी का सपना दिखाकर लाखो की ठगी

नोएडा। जालसाजों ने अरब देश भेजने के नाम पर कई युवकों से लाखों रुपये ऐंठ लिए। फिर आरोपी अपना ऑफिस बंद करके भाग गए। इस संबंध में पीड़ितों ने सेक्टर-20 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी केस दर्ज हैं। गिरोह से जुड़े दो आरोपी अभी जेल में बंद हैं।

पुलिस को दी शिकायत में अकबर खान ने बताया कि सेक्टर-27 में कुछ लोगों ने एक ऑफिस खोला था। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से बेरोजगारों से संपर्क किया। आरोपियों ने उनसे संपर्क करके सऊदी अरब, ईरान सहित विभिन्न खाड़ी देशों में नौकरी लगवाने के नाम पर अपने जाल में फंसाया। पीड़ित का आरोप है कि दिनेश और विनय कुमार उर्फ सुधीर ने ईरान भेजने के नाम पर उनसे लाखों रुपये ले लिए। पैसे लेने के बाद आरोपियों ने उन्हें फर्जी दस्तावेज थमा दिए। जब वह विदेश जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे तो पता चला कि आरोपियों द्वारा दिया गया एयर टिकट और वीजा नकली है। ठगी करने के बाद आरोपी ऑफिस बंद करके भाग गए। इस तरह आरोपियों ने कई लोगों को अपना शिकार बनाया। कुछ और लोगों ने पुलिस से शिकायत की है कि कंपनी के लोगों ने अरब के विभिन्न देशों में भेजने के नाम पर उनसे लाखों की ठगी की है।

मेवाड़ में 'मीडिया और मानवाधिकार' पर अतिथि व्याख्यान आयोजित

केवल बौद्धिक विलास का खेल नहीं है मानवाधिकार आयोग : अमिताभ

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

गाजियाबाद। सुप्रसिद्ध वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री ने कहा कि कम्युनिकेशन के बढ़ते विस्तार में हरेक व्यक्ति मीडिया है। इसलिये समाज के प्रति हरेक व्यक्ति जागरूक और जिम्मेदार बने। एचएसएस विभाग की ओर से आयोजित अतिथि व्याख्यान के दौरान उन्होंने वकालत की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। अतिथि व्याख्यान का विषय 'मीडिया एवं मानवाधिकार' था। इसी विषय पर आधारित अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा कि भारत में मानवाधिकार आयोग एडवाइजरी भर न रह जाए, इसे चूजा न बनाया जाए, इसे बिना दांत और नाखून वाला भी न बनाये सरकार। केवल कागजी खानापूर्ति के लिए मानवाधिकार आयोग की कोई उपयोगिता नहीं है। इसे जनोपयोगी बनाया जाए। इसके कर्तव्य और अधिकार सुनिश्चित होने चाहिएं। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार आयोग आज दो चश्मों से आंकलन करने लगा है। अपराधियों के बचाव का हथियार बना हुआ है। आज समाज के पीड़ित वर्ग को न्याय मिले इसके लिए मानवाधिकार के खिड़की-दरवाजे बड़े होने जरूरी हैं। मानवाधिकार का मतलब सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे भवन्तु निरामया होना चाहिए। इसे बौद्धिक विलास का खेल न समझा जाए। अगर ऐसा ही है तो इसे तत्काल बंद कर देना चाहिए। इसके बदले पुलिस थानों को सुधार होना चाहिए। मानवाधिकार को फेंगशुई न बनाइये इसे रण में उतारिये। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वकील बनने के बाद वे गरीबों के न्याय की आवाज बनें। अपने आसपास देखें। वंचित समाज से मिलें। जिन्दगी की ईंटर्नशिप में 20 प्रतिशत समाज को भी देना सीखें। बहुत ज्यादा कानून अच्छी व्यवस्था का प्रमाण कतई नहीं होते। अतिथि व्याख्यान के बाद श्री अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों के सवालों के समुचित जवाब दिये। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की निदेशक डॉ. अलका अग्रवाल ने अमिताभ अग्निहोत्री को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एचएसएस विभाग प्रभारी वियंता पाल, सहायक निदेशक डॉ. चेतन आनंद सहित मेवाड़ के अन्य विभागों का शिक्षण स्टाफ भी मौजूद रहा।

अंत में मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल डॉ. संजय सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया और अतिथि व्याख्यान को जनोपयोगी बताया।

'कल्ट 2022' - वार्षिक रचनात्मक एवं सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। 'कल्ट 2022' - वार्षिक रचनात्मक एवं सांस्कृतिक उत्सव अंतराष्ट्रीय स्तर का इकलौता समारोह है जिसमे देश विदेश के 40 कॉलेज ने कला, डिजाइन, खेल, फैशन, लोक नृत्य कला और तकनीक के क्षेत्र में भाग लिया। सभी छात्र और एक्सपर्ट उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन रोमांचक प्रतिस्पर्धा जैसे नृत्यलीला, मस्कली, स्पॉटलाइट, सिंक एंड सिंग, कंजक्टो पाए, बिगुल, एक्ट टू, विनिन द फ्रेम, सिल्वर स्क्रीम, वैलोरेंट, कॉल ऑफ ड्यूटी, WWE, फैशन शो, फैशन फिल्म, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, कैरम, टेबल टेनिस, रंगशाला और लोक नृत्य के माध्यम से किया। इन मुकलबलों में 5,00,000 रुपए तक के इनाम रखे गए। नवंबर 10 को युवाओं में धूम मचा देने वाले गायक अनुव जैन, जिनके गाने बारिशें काफी प्रसिद्ध है, का प्रदर्शन किया। नवंबर 11 को जोश थे बैंड का अनोखा प्रदर्शन हुआ। यह उत्सव हाइब्रिड तौर पर मनाया गया यानि दूर के छात्रों को जोड़कर रखने के के लिए उत्सव ऑनलाइन भी गया। इस अवसर पर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के कुलपति, डा संजय गुप्ता ने कहा, पिछले सालों में कल्ट एक उच्च दर्जे के आयोजन के रूप में प्रसिद्ध हुआ है जिसने दिग्गज विश्वविद्यालयों के फेस्ट को पीछे छोड़ दिया है। इस उत्सव में देश विदेश से आने वाले कई छात्र हैं जो अपने रचनात्मक तरीके से अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। यह एक ऐसा मंच है जहां नौजवान छात्र अपने विचारों का आदान प्रदान करके नई रचनाएं बनाते हैं और यही कल्ट की नीव है। WUD समय के साथ अपने पंख पसारता हुआ न केवल अपने छात्रों को नए अवसर दे रहा है बल्कि अपने लिए भी नए मुकाम बना रहा है। कैंपस पर ध्यानपूर्वक शिक्षा हासिल करना और डिजाइन की असली दुनिया में उतरने का सही संस्मरण अपने छात्रों को सीखा रहा है।

अजनारा की एक और परियोजना का मामला एनसीएलटी में चलेगा

नोएडा। अजनारा ग्रुप की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। अजनारा ली गार्डन प्रोजेक्ट में फ्लैट बुक कराने वाले 168 खरीदारों की ओर से एनसीएलटी (राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण) में याचिका दायर की गई है, जिस पर 28 नवंबर को सुनवाई होनी है। उनका आरोप है कि उन्हें वर्ष 2017 तक उनका घर मिल जाना चाहिए था, लेकिन अभी तक घर का निर्माण भी शुरू नहीं हो सका है।

एनसीएलटी में यह याचिका सचिन धीमान के साथ 168 खरीदारों ने संयुक्त रूप से डाली है, जिसमें दूसरी पार्टी अजनारा रियलटेक को बनाया गया है, जिसके तहत ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-16 में अजनारा ली गार्डन सोसाइटी का निर्माण हो रहा था। इस मामले में याचिका दायर करने वाले सचिन धीमान ने बताया कि यह प्रोजेक्ट 72 हजार 962 स्कवायर मीटर पर बनाया जा रहा है, जिसमें 17 टावर का निर्माण होना था। इसमें से सात टावर में बुकिंग कराने वाले लोगों को अभी तक फ्लैट नहीं मिल सके हैं। इन सात टावर में से दो टावर बन गए हैं, लेकिन उनमें फिनिशिंग का काम नहीं हुआ है। अन्य टावर में अभी इमारत पूरी नहीं बन सकी है। किसी में दो मंजिल तो किसी में पांच मंजिल तक का ही निर्माण हो सका है। उन्होंने बताया कि वादे के अनुसार वर्ष 2014 से लेकर 31 अक्तूबर 2017 तक इन फ्लैट पर कब्जा दिया जाना था।

अवधेश मिश्रा और आर्यन बाबू की भोजपुरी फिल्म 'दादु आई लव यु' का फर्स्ट लुक

नई दिल्ली। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अब तक आपने कई रिश्तो पर आधारित फिल्मे देखी होगी लेकिन अब एक ऐसी भोजपुरी फिल्म दर्शको के बीच जल्द आने वाली है जिसे आप सब दिल से पसंद करेंगे। जी हाँ हम बात कर रहे है दादा और पोते के अटूट रिश्ते पर आधारित फिल्म 'दादु आई लव यु' की, जिसका फर्स्ट लुक पोस्टर कल मुंबई में रिलीज़ किया गया है। इस औसर पर फिल्म सभी कालकर मौजूद थे।

फिल्म के फर्स्ट लुक में आपको दिग्गज अभिनेता अवधेश मिश्रा और बाल कलाकार आर्यन बाबू नजर आ रहे है। फिल्म एक दादा और पोते के बीच के गहरे सम्बन्ध पर आधारित फिल्म है। फिल्म को लेकर अवधेश मिश्रा ने बेहद ही दिल छू जाने वाली बात कही है। अवधेश मिश्रा ने कहा उस घर की नींव कभी कमजोर नहीं होती, जिसकी छत को सहारा बुजुर्ग देता हैज!! बचपन भी दो बार आता है ज़िन्दगी में एक बार, बचपन में आता है और एक बार बुढ़ापे में आता हैज!! दादा-और पोते का रिश्ता सबसे प्यारा होता है, दोनों एक दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त होते हैं!! एक ऐसी ही भोजपुरी फिल्म दादू - आई लव यू

आ रही है जिस का पहला पोस्टर आप लोगों के बीच है कैसा लगा पोस्टर जरूर बताये आप लोग और शेयर भी करें।

निर्देशक मधुसूदन एस. शर्मा ने बताया की यह फिल्म एक दादा और पोते के सम्बन्ध में आत्मीयता और लगाव को दर्शाती एक प्रेम कहानी है। कथावस्तु पूरी तरह से मौलिक है और अवधेश मिश्रा, आर्यन बाबू ,अनीता रावत,महेश आचार्य ,अजय सिन्हा, मिंटो, तथा सभी कलाकारों ने अपने चरित्र से न्याय किया है। एक लाइन में कहे तो यह कहानी एक पोते के प्रति एक डैड के अविश्वनीय त्याग की कहानी है। फिल्म की शूटिंग मध्य प्रदेश के पर्यटक स्थल भेड़ाघाट और उसके आसपास के लोकेशन और सुन्दर स्थानों पर की गई है। साथ ही नर्मदा रोपवे और कई अच्छे फॉल को भी फिल्म में दर्शाया गया है।

फ़िल्म दादू आई लव यू के लेखक व निर्देशक मधुसूदन एस. शर्मा हैं। निर्माता गौरव एम. शर्मा व तुषार एम. शर्मा हैं।छायांकन जोगिंदर सिंह हुण्डल ने किया है। संगीतकार अमन श्लोक व गीतकार सूरज द्विवेदी, राजेश मिश्रा, अरविन्द तिवारी, शेखर मधुर व विनोद श्रीवास्तव हैं। कार्यकारी निर्माता सूरज द्विवेदी व निर्माण नियंत्रक राजकुमार कारगवाल (आर. के.) हैं। सह निर्देशक रामप्रसाद मंडल ,नृत्य महेश आचार्य, कला-राकेश साह, मारधाड़-मुकेश राठौड़,ड्रेस डिजाइन - विद्या विष्णु, मेक अप - ज्योत्सना माछी, प्रचारक - संजय भूषण पटियाला हैं। पोस्ट प्रोडक्शन - ऑय फोकस स्टूडियो (दिनेश-विजय), एडिटर-संतोष हरावडे व बैकग्राउंड म्यूजिक असलम सूरती का है।

खेड़की दौला टोल प्लाजा पर नेताजी ने17 बूथों के शीशे तोड़े

गुरुग्राम। गुरुग्राम में पंचायत समिति के पूर्व चेयरमैन द्वारा बुधवार रात खेड़की दौला टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि टोल प्लाजा से कार निकलने में हुई देरी पूर्व चेयरमैन होशियार सिंह को गवारा नहीं हुई और उन्होंने कार से उतरकर पहले टोलकर्मियों के साथ बहस और हाथापाई। इसके बाद उन्होंने अपनी कार से डंडा निकालकर टोल प्लाजा पर बने 17 बूथों के शीशे तोड़ दिए। इसके अलावा दो लेन में लगे बूम बैरियर भी तोड़ डाले और कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दी। तोड़फोड़ करने के बाद वह अपनी कार को लेकर वहां से चले गए।

टोल प्रबंधन ने गुरुवार को इसकी शिकायत पुलिस को दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने खेड़कीदौला थाने

में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी होशियार सिंह को मामले में शामिल जांच के बाद जमानत पर छोड़ दिया।

वहीं, इस पूरे विवाद को लेकर पूर्व चेयरमैन होशियार सिंह ने कहा कि पहले टोल कर्मियों ने उनके साथ अभद्रता की थी। टोल कंपनी के बाउंसर वहां डंडे लेकर आ गए थे। वह अकेले थे, इसलिए उन्होंने आत्मरक्षा के लिए कार से डंडा निकाला था। होशियार सिंह पर सितंबर में अन्य ग्रामीणों के साथ मिलकर कुछ मजदूरों को बंधक बनाकर जबरन सड़क बनवाने के भी आरोप लगे थे।

टोलकर्मी के साथ मारपीट का भी आरोप

पुलिस को दी शिकायत में टोल प्रबंधन के प्रवक्ता जितेंद्र सिंह ने बताया कि बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे नौरंगपुर निवासी पंचायत समिति के पूर्व चेयरमैन होशियार सिंह कार से आए थे। उनकी कार टोल प्लाजा की लेन नंबर दस में आई थी। उनकी कार से आगे एक और गाड़ी थी। जब वह गाड़ी बूथ पर पहुंची तो उसका फास्टैग ब्लैकलिस्ट पाया गया। ऐसे में टोल कर्मी द्वारा उस गाड़ी चालक को टोल टैक्स नकद में चुकाने को कहा गया। इस प्रक्रिया में देरी के कारण उनकी कार नहीं निकलने पर पूर्व चेयरमैन भड़क गए और उन्होंने बूथ पर आकर टोल कर्मियों के साथ बहस शुरू कर दी।

आरोप है कि उन्होंने टोलकर्मी के साथ मारपीट की और इसके बाद वह अपनी कार से डंडा लेकर आए और उन्होंने लेन नंबर 7 से 23 के बीच बने सभी बूथों के शीशे तोड़ दिए और दो बूम बैरियर भी तोड़ दिए। आरोप है कि वह टोल प्लाजा पर पहले भी झगड़ा कर चुके हैं। पहले भी उनके खिलाफ टोल प्रबंधन पुलिस में शिकायत दे चुका है।

संपादकीय

जांच पर सवाल

विपक्ष लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि केंद्र सरकार जांच एजंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

विपक्षी नेताओं को सबक सिखाने के मकसद से इन एजंसियों का इस्तेमाल कर रही है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने उस आरोप पर जैसे मुहर लगा दी है। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत की जमानत मंजूर करते हुए अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाई और कहा कि यह गिरफ्तारी अवैध है।

हालांकि प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत के इस फैसले पर पुनर्विचार की गुहार लगाई, पर उसे खारिज कर दिया गया। अदालत ने यह भी कहा कि मामले के मुख्य आरोपियों को आज तक गिरफ्तार नहीं किया गया और राउत के खिलाफ पुख्ता सबूत न होने के बावजूद आनन-फानन गिरफ्तार कर लिया गया। इससे सरकार पर विपक्ष को हमला बोलने का एक और मौका मिल गया है।

फिर, यह अकेला मामला नहीं है, जिसमें किसी विपक्षी नेता को प्रवर्तन निदेशालय या आयकर विभाग जैसी दूसरी एजंसियों द्वारा गिरफ्तार किया गया। राउत को तीन महीने से ऊपर जेल में बिताना पड़ा। इससे यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि एक राज्यसभा सांसद को प्रवर्तन निदेशालय जब इस तरह अवैध ढंग से गिरफ्तार कर सकता है, तो दूसरे लोगों के बारे में उसके रवैए का अंदाजा लगाया जा सकता है।

प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जैसी जांच एजंसियां यों तो स्वतंत्र रूप से काम करती बताई जाती हैं, मगर पिछले कुछ सालों से जिस तरह लक्ष्य करके विपक्षी दलों के नेताओं पर ही शिकंजा कसने का प्रयास करती देखी जा रही हैं, उसे लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। कई मामलों में आरोपियों को जमानत मिल चुकी है।

हालांकि कई ऐसे गंभीर मामले हैं, जिनमें सत्तापक्ष के नेता आरोपी हैं, मगर उनके खिलाफ आज तक जांच की जरूरत नहीं समझी गई। कई नेता जो पहले दूसरे दलों में थे और उन पर किसी बड़े घोटाले या भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप हैं, पर वे सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए, तो उन पर भी चुप्पी साध ली गई।

अगर जांच एजंसियां सचमुच स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर काम करतीं, तो इस तरह पक्षपातपूर्ण रवैया अख्तियार नहीं करतीं। हालांकि यह कोई नई बात नहीं है कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल जांच एजंसियों का अपने मकसद के लिए इस्तेमाल कर रहा है। पहले की सरकारों पर भी यह आरोप लगता रहा है। मगर इस आधार पर जांच एजंसियों को अपने कर्तव्य से मुंह फेर लेने का आधार नहीं मिल जाता।

अच्छी बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने ताजा मामले में प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाते हुए उसका कर्तव्य याद दिलाया। हालांकि निदेशालय इसे कब तक याद रख पाएगा, दावा नहीं किया जा सकता। पर कम से कम उससे यह उम्मीद तो की जा सकती है कि किसी भी मामले में जांच करते हुए पुख्ता सबूतों के बिना किसी की गिरफ्तारी न करे।

इस तरह किसी को महज इस मकसद से गिरफ्तार कर लेना कि उसका मनोबल तोड़ा और सत्तापक्ष की तरफ झुकाया तथा दूसरों का भयादोहन किया जा सकता है, जांच एजंसियों के लिए नैतिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता।

सरकार तो शायद ही इस मामले से कोई सबक ले, पर जांच एजंसियों को जरूर अपनी मर्यादा का ध्यान रखने की जरूरत है। बिना किसी आधार के किसी को गिरफ्तार करने से जो उसका समय बर्बाद होता, उसके मन पर प्रतिकूल असर पड़ता और समाज में छवि खराब होती है, उसकी भरपाई भला कौन करेगा। इसकी जवाबदेही किस पर होनी चाहिए।

फीस की टीस

लोक कल्याणकारी शासन की जवाबदेही से भागती सरकारों और शिक्षण संस्थाओं के व्यापार के केंद्र बनने की जिस चिंता को सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में व्यक्त किया है, उसका अनुपालन सुनिश्चित होना चाहिए। सरकारों की जिम्मेदारी बनती है कि प्रतिभाओं को मोटी फीस की टीस न चुभे। विडंबना यह है कि शिक्षा के क्षेत्र में राजनेताओं की गहरी होती दखल से यह रोग निरंतर बढ़ता जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि कारोबार का यह रोग अब मेडिकल पढ़ाई के उस क्षेत्र में भी फैलने लगा है जहां धरती पर दूसरे भगवान कहे जाने वाले डॉक्टर तैयार होते हैं। जब ये प्रतिभावान बच्चे परिवार का पेट काटकर जमा पैसे से पढ़ाई करेंगे तो क्या समाज में सस्ती चिकित्सा गरीबों को मिल सकेगी ? या फिर वे महंगी शिक्षा पूरी करने के बाद खर्च किये रुपयों की उगाही में लग जाएंगे ?

संकट यह भी है कि मोटा पैसा खर्च कर सकने वाले अयोग्य लोग डिग्री हासिल कर सकेंगे और पैसा न जुटा सकने वाली प्रतिभाएं हमें डॉक्टर के रूप में नहीं मिल सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश के मेडिकल कालेजों में ट्यूशन फीस सात गुना बढ़ाकर 24 लाख सालाना करने के निर्णय पर रोक लगाने के आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को यथावत ? रखने के बाद की गई। कोर्ट ने इस बढ़ोतरी को अनुचित और फीस निर्धारण करने वाले नियमों का उल्लंघन बताया।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में बिना उचित मंजूरी के कई ऐसे बुनियादी ढांचे खड़े किये गये हैं, जो खुलेआम मुनाफाखोरी के मकसद से व्यवसाय कर रहे हैं। ये संस्थान पेड सीट्स और कैपिटेशन फीस लेकर फल-फूल रहे हैं। जिसमें योग्यता को दरकिनार कर दिया जाता है। इससे मध्यमवर्गीय परिवारों के मेधावी बच्चों का कठिन तैयारी के बावजूद डॉक्टरी की पढ़ाई कर पाना असंभव होता जा रहा है। नीति-नियंताओं का दिवालियापन देखिये कि देश में योग्य चिकित्सकों की भारी कमी के बावजूद प्रतिभाओं को आगे बढ़ने से रोका जा रहा है।

यह दुखद है कि इन शिक्षण संस्थाओं के संचालकों की मनमानी रोकने में केंद्रीय नियामक संस्थाएं बेदम नजर आ रही हैं। जिसके चलते चिकित्सा शिक्षा के ढांचे में जरूरी सुधार नहीं हो पा रहे हैं। जबकि देश में पारदर्शी, गुणात्मक व जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करने की जरूरत है। निस्संदेह कोर्ट द्वारा याचिकाकर्ता और आंध्र सरकार पर पांच लाख का जुर्माना वक्त की जरूरत है क्योंकि देश में विशेषज्ञता वाला शिक्षण बहुत महंगा हो गया है। जिसके चलते सस्ती व उम्दा पढ़ाई के लिये भारतीय प्रतिभा का विदेशों में पलायन हो रहा है।

हाल में यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों की दुर्दशा जगजाहिर है। वहीं दूसरी ओर, हरियाणा में बॉन्ड पॉलिसी के खिलाफ मेडिकल के छात्र आंदोलनरत हैं। पीजीआई रोहतक में एमबीबीएस के छात्रों के लिये सरकार ने करीब दस लाख रुपये का बॉन्ड भरने की शर्त रखी है, जिसके खिलाफ छात्र-छात्राएं सड़कों पर उतर कर विरोध कर रहे हैं। सोचा जा सकता है कि इन हालात में ईमानदारी से नौकरी कर रहा व्यक्ति कभी अपने बच्चों को डॉक्टर कैसे बना पायेगा।

निस्संदेह, यह खर्चा अभिभावकों की कमर तोड़ने वाला है। महंगाई के इस दौर में कोई कैसे इतना पैसा अपने एक बच्चे पर खर्च कर पायेगा। निस्संदेह यह सत्ताधीशों की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही है। बहुत संभव है कि यह राशि न जमा कर पाने के कारण कई प्रतिभाएं आगे पढ़ने से वंचित रह जायें। पास के उत्तर प्रदेश व एम्स में यह फीस मात्र हजारों में है। ऐसे में प्रतिभाओं का पलायन स्वाभाविक ही है। कठिन परिश्रम से मेडिकल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के साथ यह अन्याय ही है। निश्चित रूप से यह समाज का नुकसान भी है क्योंकि उन्हें योग्य चिकित्सक के बजाय मोटी रकम देकर पढ़ने वाले डॉक्टर ही मिलेंगे। निस्संदेह, इतना पैसा देकर पढ़ाई करने वाले छात्रों के दिमाग पर डॉक्टर बनने के बाद भी कर्ज का मर्ज चढ़ा रहेगा।

राज्यपाल एवं चुनी हुई सरकारों का विवाद कब तक?

-ललित गर्ग-

संवैधानिक पद पर विराजित राज्यपाल एवं चुनी हुई सरकारों के बीच द्वंद एवं टकराव की स्थितियां अनेक बार उभरती रही है। राजनीति के उलझे धागों के कारण ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियां देखने को मिलती है। गैर-भाजपा शासित राज्यों में सरकारों और राज्यपालों के बीच इस तरह का टकराव एक सामान्य बात हो गयी है, लेकिन यह टकराव न केवल लोकतंत्र के लिये बल्कि शासन-व्यवस्थाओं पर एक बदनुमा दाग की तरह है। बहुत समय से सरकारें राज्यपाल पर तो राज्यपाल सरकारों पर आरोप लगाते रहे हैं कि वे एक दूसरे के कामकाज में रोड़े अटका रहे हैं। इनदिनों तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में ऐसी स्थितियां बढ़-चढ़कर देखने को मिली है। इन सभी राज्यों में गैर-भाजपा सरकार है और एक बात कॉमन है वो बात है राज्य सरकार का राज्यपाल के साथ विवाद। बीते कुछ समय से इन पांचों राज्यों में राज्यपाल बनाम राज्य सरकार का वाक-युद्ध भी देखने को मिल रहा है। सभी राज्यों में सरकारों और राज्यपालों के बीच बयानबाजी चलती रहती है। हाल ही में गैर-भाजपा शासित तीन दक्षिणी राज्यों में राज्यपालों और सत्तारूढ़ सरकार के बीच टकराव काफी उग्र हो गया, जो एक बड़ा संकट बन कर स्थितियों को असामान्य बना रहा है। देश के सामने अनेक समस्याएं हैं, उनसे मुक्ति की बजाय इस तरह की समस्याएं उभरना राजनीति के दूषित होने की निष्पत्तियां हैं।

ताजा उग्र विवाद केरल में देखने को मिला, जहां राज्यपाल अपने अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं, तो राज्य सरकारें अपने निर्वाचित होने का हवाला दे रही हैं। केरल में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कुछ दिनों पहले दस विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से इस्तीफा मांग लिया। उनका कहना था कि उनकी नियुक्ति में तय नियम-कायदों का पालन नहीं किया गया। अब राज्य सरकार ने राज्यपाल का विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति का दर्जा समाप्त करने का अध्यादेश पारित कर दिया है। मगर अपने-अपने अधिकारों को लेकर धमासान जंग छिड़ी हुई है। राज्यपाल और प्रदेश की वाम मोर्चा सरकार के रिश्तों में पिछले कुछ समय से देखे जा रहे तनाव के मद्देनजर इस कदम को आश्चर्यजनक नहीं माना जा रहा है। हालांकि सरकार कह रही है कि इस फैसले का राज्यपाल के हालिया कदमों से कोई लेना देना नहीं है। इसे लेकर राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच ठन गई। बाद में उच्च न्यायालय ने राज्यपाल के आदेश पर रोक लगा दी।

सबसे बड़ी बात यह है कि केरल एकमात्र ऐसा राज्य नहीं है, जिसमें राज्य की निर्वाचित सरकार और केंद्र द्वारा नियुक्त संवैधानिक प्रमुख में टकराव की स्थिति बनी हुई है। दिल्ली में भी ऐसे टकरावपूर्ण हालात लंबे समय से बने हुए हैं, दिल्ली में भी गैर-भाजपा सरकार है। यहां उप-राज्यपाल तो बदल रहे हैं, लेकिन सरकार के साथ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। नजीब जंग के बाद अब केजरीवाल का विवाद वीके सक्सेना के साथ है। अरविंद केजरीवाल का आरोप है कि उप-राज्यपाल उनकी सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की स्वीकृति में रोड़ा अटका रहे हैं तो वहीं उप-राज्यपाल का कहना है कि सरकार जनता के हित में काम नहीं कर रही है। उप-राज्यपाल इसको लेकर कई लेटर भी लिख चुके हैं। वे ये भी कह चुके हैं कि मुख्यमंत्री की तरह ही बाकी मंत्री भी उनकी बात नहीं सुनते हैं। अब हालात यह हैं कि उप-राज्यपाल ने दिल्ली सरकार की कई योजनाओं के लिए जांच समितियों का गठन कर दिया है। दिल्ली में उपराज्यपाल और सरकार के बीच तनातनी का दौर बहुत लंबे समय से चलता आ रहा है। यहां आम आदमी पार्टी सरकार का लगभग सभी उपराज्यपालों से तकरार बनी रही। शुरू में दोनों के बीच अधिकारों की लड़ाई उच्च न्यायालय तक भी पहुंची थी। यहां इस तथ्य से अवगत हो कि दिल्ली को चूंकि पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल नहीं है, इसलिए इसकी तुलना अन्य राज्यों से नहीं की जा सकती। मगर तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में ऐसी कोई दलील नहीं दी जा सकती। तमिलनाडु में दोनों के बीच कड़वाहट इस हद तक बढ़ गई कि राज्य की स्टालिन सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सार्वजनिक तौर पर अपील की कि वह राज्यपाल आरएन रवि को पद से बर्खास्त कर दें। इसी तरह तेलंगाना में राज्यपाल टी सुंदरराजन ने सार्वजनिक तौर पर संदेह जाहिर किया कि उनका फोन टैप किया जा रहा है।

किसी भी राज्य में राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद की अवमानना से जुड़े इस तरह के विवाद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। इस तरह की विडम्बनापूर्ण स्थितियों का समाधान निकाला जाना अपेक्षित है। राज्यपाल के पद की गरिमा एवं सम्मान को अक्षुण्ण रखा जाना भी जरूरी है।

निश्चित ही सरकारों की मनमानी एवं अलोकतांत्रिक प्रक्रियों पर नियंत्रण के लिये जब-जब राज्यपाल के द्वारा प्रयास हुए उन्हें राजनीतिक रंग देने की कोशिशें हुई। पश्चिम बंगाल में भी कुछ दिनों पहले तक राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच इसी तरह लगातार टकराव बना रहा। राज्यपाल ने सरकार के गैर-संवैधानिक कामकाज और फैसलों पर अंगुली उठाई तो सरकार उन्हें चुनौती देती रही। तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच संबंध कुछ अच्छे नहीं थे। दोनों ही एक दूसरे की सार्वजनिक रूप से आलोचना कर चुके हैं। ये विवाद कोरोना महामारी के दौर व्यापक स्तर पर देखने को मिले। झारखंड और राजस्थान में भी अलग-अलग मौकों पर कुछ मसलों पर इस तरह के टकराव देखे जाते रहे हैं। इस तरह विपक्षी दलों को यह कहने का मौका मिलता है कि जहां भी विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल उनके कामकाज में बेवजह दखल देने का प्रयास करते देखे जाते हैं, जबकि भाजपा सरकारों वाले प्रदेशों में ऐसी स्थिति नहीं है। क्या इस तरह की स्थितियां आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह को नहीं दर्शाती ? क्या राज्यपाल इस तरह की मनमानी एवं अनहोनी होते हुए देखते रहे ? राज्यपाल पद की गरिमा और मर्यादा को लेकर सवाल उठाने वालों की मंशा पर भी ध्यान देना होगा। पर राज्यपाल से भी अपेक्षा की जाती है कि वे अपने को केंद्र के सत्तारूढ़ दल का प्रतिनिधि मान कर उसकी विचारधारा के अनुरूप राज्य सरकार से काम करवाने का प्रयास करने के बजाय राज्यपाल की गरिमा के अनुरूप काम करें।

देश की एकता एवं अखंडता को बरकरार रखने के लिये प्रत्येक राज्य में संविधान के संरक्षक राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में राज्यपाल की आवश्यकता होती है। यह पद सजावटी न होकर विशेषाधिकारों से लैस होता है। हालांकि केंद्र द्वारा राज्यपालों को अपने नुमाइंदे के तौर पर नियुक्त करने की प्रवृत्ति पुरानी है, पर राज्य सरकारों के साथ इन टकरावों को देखते हुए एक बार फिर से राज्यपाल की नियुक्ति पर नए सिरे से विचार की जरूरत रेखांकित हुई है। फिर सवाल उठता है कि आखिर सक्रिय राजनीति में रह चुके लोगों को इस पद का दायित्व सौंपा ही क्यों जाना चाहिए। यह ठीक है कि राज्य सरकारें निर्वाचित होती हैं, उन्हें जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करने का अधिक अधिकार होता है और राज्यपाल को उनके कामकाज को सुगम बनाने के लिए बेहतर स्थितियां बनाने का दायित्व निभाना होता है।

मगर इसका यह अर्थ नहीं कि सरकारें राज्यपाल को केंद्र का 'आदमी' मान कर नजरअंदाज करें या उनकी अवहेलना करें। ताजा विवादों के बीच राज्यपाल-व्यवस्था को समाप्त करने का प्रश्न फिर से खड़ा हुआ है, इस विचार एवं सुझाव पर भी मंथन किया जाना चाहिए। सरकार एवं राज्यपाल के टकराव का खामियाजा आखिर आम जनता कब तक भुगतने को विवश होती रहे ?

स्त्री जाति का सम्मान समाज और राष्ट्र का सम्मान

भारत में ही नहीं पूरे विश्व में स्त्रियां उनके नैसर्गिक सम्मान की हकदार हैंद्य स्त्रियों का यथोचित सम्मान ही किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास की धुरी हैं । पुरानी मान्यताओं को देखते हुए परिवार समाज तथा देश में स्त्रियों को अग्रणी स्थान देना तय किया जाना चाहिए । भारत देश में नारी पूज्यंते हैं, नारी को नौ देवियों का स्वरूप माना जाता है । शास्त्रों में देवी के नौ स्वरूप शैलपुत्री,ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, महागौरी,कालरात्रि, सिद्धिदात्री, देवियों के नौ रूप जो आतताइयों, राक्षसों से नारियों तथा देवताओं की रक्षा करती हैं। पर भारत में ही नहीं पूरे विश्व में मुख्यत: व्याप्त पुरुष प्रधान समाज ने एक ऐसी सामाजिक संरचना का निर्माण किया है, जिसमें प्रत्येक निर्णय लेने संबंधित अधिकार पुरुषों के पास ही सीमित रहे हैं। आदिम समाज से लेकर आधुनिक समाज तक विश्व की आधी दुनिया के प्रति भेदभाव पूर्ण दृष्टिकोण रखा गया है। जिसने कभी भी स्त्री को व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया है। भारतीय समाज में भी प्राचीन नीतिकारों ने स्त्रियों को पिता, भाई, पति या पुत्र के संरक्षण में ही सामाजिक जीवन जीने की शास्वत वकालत की है. हमारे धर्म धर्मशास्त्रों में भी प्राप्ते तू दशम वर्षे,यस्तु कन्या न यछ्सी,अर्थात कन्या को 10 वर्ष तक पहुंचते-पहुंचते उसका विवाह कर दिया जाना चाहिए। इस तरह की कुंठित भावनाओं से ग्रसित पुरुष समाज की मानसिकता वाली शिक्षा हर तरफ देखने मिलती है। यह सच है कि पुरुष प्रधान मानसिकता ने स्त्रियों को स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार ही नहीं किया था। बल्कि तथाकथित लोकतांत्रिक एवं आधुनिक मूल्यों वाले पश्चिमी समाज ने महिलाओं को 1920 तक व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया था। पश्चिम के देशों में व्यक्ति मतलब उनका तात्पर्य पुरुष और पुरुष समाज से ही था। इंग्लैंड में व्यक्ति को वोट देने का अधिकार था। लेकिन महिलाएं 1918 तक वोट देने के अधिकार से वंचित थी। अमेरिका में 1920 तक महिलाएं वोट देने का अधिकार के बिना ही जीवन यापन कर रही थी। विश्व में पहली बार भारत में व्यक्ति के अंतर्गत महिला को शामिल किया गया था इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कोरनेलिया सोराबजी नामक महिला के वकालत करने संबंधी आवेदन को एक व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया। इस तरह 1920 में महिला व्यक्ति के रूप में भारत में उच्च न्यायालय द्वारा आदेश देकर स्वीकारोक्ति प्रदान की गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1929 के आसपास ही महिला को व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया गया। भारत में सदैव नारी को अबला का दर्जा दिया जा कर एक अवैतनिक श्रमिक अथवा भोग की वस्तु के रूप में देखा है। जहां समाज की आधी आबादी को व्यक्ति का दर्जा ही प्राप्त नहीं हो, वहां उसके साथ समानता के व्यवहार की अपेक्षा कैसे की जा सकती है/पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन ने नारी को पुरुष से ज्यादा सामर्थ्यवान मानते हुए उसे न'की सह्चरी कहा है7 प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन ने अपने एक लेख में कहा है वास्तव में स्त्रियां जन्म से अबला नहीं होती हैं। उन्हें पुरुष समाज अबला बनाकर रखता है। जन्म से शिशु बालिका की जीवन शक्ति शिशु बालक की तुलना में बहुत प्रबल होती है। लेकिन समाज अपनी संस्कृति, रीति रिवाज,प्रतिमान तथा जीवन के मूल्यों के लिए तथा जीवन शैली के चलते नारी को अबला बना कर रख देता है। पर आज नारी के क्रांतिकारी दर्शन जैसे नारीवाद पर्यावरण वाद मानव अधिकार वाद ने नारी यानी महिला को बराबरी का दर्जा देने का लगातार प्रयास किया है। महिला सशक्तिकरण के प्रयास में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस का आयोजन किया जाता है, जिसकी शुरुआत अमेरिका द्वारा 28 जनवरी 19 मई को की गई थी आगे चलकर रूस की महिलाओं द्वारा 1917 में महिला दिवस पर रोटी कपड़ा एवं बराबरी के लिए अधिकार की मांग रख हड़ताल भी की गई थी।

कागजी शेर, मैदान में हुए ढेर

प्रशंसक दो मिनट के लिए चुप बैठता है और फिर कहता है- तुम्हारी ये सेमी-फाइनल, फाइनल में हारने की आदत न जाने कितने कमजोर दिलवालों की जान लेकर ही छोड़ेगी। एक दिन इस देश में क्रिकेट के प्रशंसकों की मौत का तमाशा तुम इसी तरह हारते हुए देखोगे। इंग्लैंड के हाथों करारी हार झेलने के बाद एक भारतीय प्रशंसक अत्यंत क्रोधित हो गया। उससे रहा नहीं गया। उसने भारतीय टीम से कहा- मिल गई तसल्ली तुम्हें मैच हार के। पुराने मैचों में तुम्हारे तीसमार खाँ कारनामों के विश्लेषण करते हुए मीडिया तुम्हारी वाहवाही करेगा। कहेगा चलो कोई बात नहीं बाकी मैच तो अच्छा खेले। खाक अच्छा खेले ? बंग्लादेश को हराने में नानी याद आ गयी थी। पाकिस्तान से बड़ी मुश्किल से जीते। दो-तीन लोगों के भरोसे चले थे विश्व कप जीतने ! विश्व कप जीतने को दाल-भात का कौर समझे हो कि लप से उठाया और मुँह में डाल लिया। यह विश्व कप है, विश्व कप ! गुजरात लॉयन या मुंबई इंडियंस में शेर दिखने वाले विश्व कप में आते-आते टांय-टांय फिस हो जाते हैं। तुम्हारा क्या है मोटी फीस मिलेगी, विज्ञापनों पर विज्ञापन करोगे और यह सब भूल जाओगे। जो होगा सो हमारा होगा। सारे काम धंधे छोड़कर, छुट्टी लगाकर, तुम्हारे बताए ड्रीम एलेवन में सट्टा खेलकर खुद को बर्बाद किया है। देखो किस तरह से हमारा कलेजा बाहर आ गया है। तुम लोगों को लगता होगा कि यह तो इन लोगों का रोज का राजकाज है, इसलिए हमें अनदेखा कर फिर से विज्ञापन चाटने चले जाओगे। हमारे बारे में थोड़ा बहुत सोचोगे। खाना खाओगे। सो जाओगे। प्रशंसक दो मिनट के लिए चुप बैठता है और फिर कहता है- तुम्हारी ये सेमी-फाइनल, फाइनल में हारने की आदत न जाने कितने कमजोर दिलवालों की जान लेकर ही छोड़ेगी। एक दिन इस देश में क्रिकेट के प्रशंसकों की मौत का तमाशा तुम इसी तरह हारते हुए देखोगे। कुछ नहीं कहना मुझे तुम्हे। कुछ नहीं। तुम्हारी खेल में कोई फर्क पड़ने वाला नहीं।

मोटा अनाज पोषण तत्वों की दृष्टि से गुणों की खान है - पर्यावरण की दृष्टि से वरदान है

भारत की पहल पर 70 देशों के समर्थन से अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 घोषित होना कुशल नेतृत्व की गाथा - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर यह बात एकमत सर्वमान्य है कि भारतीय बौद्धिक क्षमता की कुशलता का जवाब नहीं है जिस तरहसे पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक स्तरपर हम उपलब्धियों और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिष्ठा के झंडे गाड़ रहे हैं, उसको देखते हुए मेरा मानना है कि इसके पूर्व हमने इस तरह की उपलब्धियां देखें सुने नहीं हैं, क्योंकि जिस तरह योजनाएं बनाकर लागू हो रही है और सफलताओं के झंडे गाड़ रही है, उसके पीछे उसे क्रियान्वयन करने की रणनीति होती है। मेरा मानना है कि अगर हम योजनाएं बना रहे हैं तो उसे क्रियान्वयन करने या अमल में लाने की पूरी पुख्ता तैयारी करना जरूरी होता है ताकि उसे उचित रणनीति से क्रियान्वयन किया जा सके। सिर्फ योजनाएं बनाने से नहीं बल्कि उनके सफल क्रियान्वयन से ही अपेक्षित परिणाम प्राप्त होते हैं, जिसके लिए कुशल नेतृत्व का होना अत्यंत आवश्यक है। चूंकि आज 10 नवंबर 2022 को केंद्र सरकार एक कार्य योजना लागू करने जा रही है इसलिए आज हम, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी और पीआईबी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 का आगाज - 5 दिसंबर 2022 को प्रीलॉन्च।

साथियों बात अगर हम केंद्र सरकार की 5 दिसंबर 2022 से लागू योजना की करें तो, मोटे अनाज के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक कार्य योजना तैयार की है। सरकार ने दुनिया भर में मोटे अनाज के निर्यात और प्रचार के लिए 16 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एक्सपो और क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में निर्यातकों, किसानों और व्यापारियों की भागीदारी के लिए यह योजना बनाई है। कार्य योजना के अनुसार विदेशों में भारतीय दूतावासों को अनाज की ब्रांडिग और प्रचार की जिम्मेदारी दी है। इसमें संभावित खरीददारों जैसे डिपार्टमेंटल स्टोर्स, सुपर मार्केट्स और हाइपर मार्केट्स की पहचान करना जिससे व्यापारिक बैठकें और समझौते किये जा सकें। भारतीय मोटे अनाज को बढ़ावा देने के हिस्से के रूप में, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने विभिन्न वैश्विक प्लेटफार्मों पर मोटे अनाज और इसके मूल्यवर्धित उत्पादों को प्रदर्शित करने की योजना बनाई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में घोषित किया है। भारत मोटे अनाज का प्रमुख उत्पादक है। वैश्विक उत्पादन में भारत की लगभग 41 प्रतिशत की अनुमानित हिस्सेदारी है। देश में 2021-22 में मोटे अनाज के उत्पादन में 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। देश में राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश शीर्ष पांच मोटे अनाज के उत्पादक हैं। अनुमान है कि मोटे अनाज का बाजार 9 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 तक 12 अरब डॉलर हो जाएगा।

अंतर्राष्?ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 का प्री-लॉन्?च 05 दिसम्?बर 2022 को होगा। इसमें एफपीओ जैसे सप्?लाई चैन के हितधारक, स्?टार्टअप्स, निर्यातक, मोटे अनाज आधारित मूल्?यवर्धित उत्?पादों के उत्?पादकों को शामिल किया जाएगा। इसके अतिरिक्?त भारतीय मोटे अनाजों को प्रोत्?साहित करने के लिए इंडोनेशिया, जापान, ब्रिटेन आदि देशों में क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित की जाएंगी। सरकार रेडी टू ईट (आरटीई) तथा रेडी टू सर्व (आरटीएस) श्रेणी में नूडल्स, पास्ता, ब्रेकफास्ट सीरियल्स मिक्स, बिस्कुट, कुकीज, स्नैक्स, मिठाई जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन के लिए स्टार्टअप को भी सक्रिय कर रही है।16 प्रमुख किस्म के मोटे अनाजों का उत्?पादन होता हैं और उनका निर्यात किया जाता है। इनमें ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, चीना, कोदो, सवा/सांवा/झंगोरा, कुटकी, कुट्टू, चौलाई और ब्राउन टॉप मिलेट हैं।

सरकार रेडी टू ईट (आरटीई) तथा रेडी टू सर्व (आरटीएस) श्रेणी में नूडल्स, पास्ता, ब्रेकफास्ट सीरियल्स मिक्स, बिस्कुट, कुकीज, स्नैक्स, मिठाई जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन के लिए स्टार्टअप को भी सक्रिय कर रही है।एपीईडीए ने दक्षिण अफ्रीका, दुबई, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, सिडनी, बेल्जियम, जर्मनी, ब्रिटेन तथा अमेरिका में मोटे अनाजों को बढ़ावा देने के कार्यक्रम बनाए हैं। एपीईडीए इसके लिए कुछ महत्?वपूर्ण फूडशो, क्रेता-विक्रेता बैठकों और रोड शो में भारत के विभिन्?न हितधारकों की भागीदारी में सहायता करेगा।

साथियों बात अगर हम 28 अगस्त 2022 को पीएम के मन की बात में मोटे अनाज के उल्लेख की करें तो, उसमे मोटे अनाज की पौष्टिकता पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में आदि काल से ही मोटे अनाज की खेती होती रही है और वह हमारे भोजन का अहम हिस्सा रहे हैं। स्वयं अपना अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि मैं पिछले कई वर्षों से विदेशी मेहमानों के भोजन में मोटे अनाजों से बने कुछ पकवान अवश्य रखता हूं और उनका महत्व भी बताता हूं। मोटे अनाज को महत्व दिलाने के लिए उनकी सरकार ने वर्ष 2018 को मोटा अनाज वर्ष घोषित किया था। अब भारत के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र ने अगले वर्ष अर्थात 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है, जिसे 70 देशों ने समर्थन दिया है।

राशन प्रणाली के तहत मोटे अनाजों के वितरण पर जोर दिया जा रहा है आंगनबाड़ी और मध्याह्न भोजन योजना में भी मोटे अनाजों को शामिल कर लिया गया है। मोटे अनाजों में मुख्य रूप से बाजरा, मक्का, ज्वार, रागी, सांवा, कोदो, कंगनी, कुटकी और जौ शामिल हैं। ये हर दृष्टि से सेहत के लिए लाभदायक हैं।

वक़्त को आते न जाते न गुज़रते देखा

वक़्त को आते न जाते न गुजरते देखा
न उतरते हुए देखा कभी इलहाम की सूरत
जमा होते हुए एक जगह मगर देखा है
शायद आया था वो ख़्वाब से दबे पांव ही
और जब आया ख़्यालों को एहसास न था
आँख का रंग तुलु होते हुए देखा जिस दिन
मैंने चूमा था मगर वक़्त को पहचाना न था
चंद तुतलाते हुए बोलों में आहट सुनी
दूध का दांत गिरा था तो भी वहां देखा
बोस्की बेटी मेरी ,चिकनी-सी रेशम की डली
लिपटी लिपटाई हुई रेशम के तागों में पड़ी थी
मुझे एहसास ही नहीं था कि वहां वक़्त पड़ा है
पालना खोल के जब मैंने उतारा था उसे बिस्तर पर
लोरी के बोलों से एक बार छुआ था उसको
बढ़ते नाखूनों में हर बार तराशा भी था

शार्ट न्यूज

प्रभात गुप्ता हत्याकांड : टेनी के खिलाफ सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

लखनऊ। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी के खिलाफ प्रभात गुप्ता हत्याकांड मामले में दाखिल राज्य सरकार और मृतक के भाई, मामले के वादी संतोष गुप्ता की अपीलों पर गुरुवार को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है। सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक चली सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि वह इस मामले में निर्णय सुरक्षित कर रही है। न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, न्यायमूर्ति रेणु अग्रवाल की खंडपीठ से वादी के अधिवक्ताओं ने अनुरोध किया कि अजय मिश्रा उर्फ टेनी की ओर से दाखिल स्थानांतरण प्रार्थना पत्र खारिज हो चुका है, लिहाजा मामले की अंतिम सुनवाई की जाए। सुनवाई के दौरान वादी की ओर से एसके सिंह और राज्य सरकार की ओर से अरुणेंद्र ने दलील दी कि प्रभात गुप्ता से अजय मिश्रा टेनी का पंचायत चुनाव को लेकर विवाद चल रहा था।

पीएम मोदी के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का योगी ने किया उद्घाटन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को यहां रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर आधारित आठ दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में 55 पेंटिंग लगायी गयी हैं, जिसे पीएम मोदी के व्यक्तित्व से प्रभावित होकर दुबई में रहने वाले अकबर खान ने बनायी है। प्रदर्शनी 11 नवंबर से शुरू होकर 17 नवंबर तक खुली रहेगी। उद्घाटन के मौके पर केंद्रीय आयुष, पोर्ट व वाटरवेज मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भी मौजूद रहे। ये पेंटिंग्स गुजरात में चाय बेचने से लेकर श्री मोदी के विश्व नेता बनने तक तथा जीएसटी, नोट बंदी, सर्जिकल स्टाइल जैसे कड़े कदम उठाने पर आधारित हैं। इसमें पीएम मोदी की उपलब्धियों और चुनौतियों को भी बखूबी दर्शाया गया है। प्रदर्शनी का उद्देश्य युवाओं को भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना दिखाने वाले प्रधानमंत्री मोदी के संकल्पों से परिचित कराना है। प्रदर्शनी के उद्घाटन के अवसर पर यूपी के कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अनिल राजभर, राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल सहित तमाम गणमान्य मौजूद रहे।

रिंग रोड परियोजना में राख के उपयोग पर एनटीपीसी रिहंद की सराहना

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में स्थित राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के रिहंद तापीय संयंत्र से निकलने वाली कोयले की राख का वाराणसी रिंग रोड परियोजना में उपयोग किये जाने पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सराहना की है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि एनटीपीसी रिंहद स्टेशन से निकलने वाली राख़ के समुचित उपयोग के लिए एनएचएआई के वाराणसी रिंग रोड प्रोजेक्ट फेज-1 और फेज -2 के निर्माण मे अब तक लगभग 20 लाख मीट्रिक टन राख़ भेजी गयी है जिसके फलस्वरूप रिंग रोड परियोजना के फेज-1 के 16 किमी लंबी सड़क का निर्माण कार्य तय सीमा से लगभग छह माह पूर्व पूर्ण किया जा सका और रिंग रोड फेज -2 की 27.270 किमी लंबी सड़क परियोजना का कार्य प्रगति पर है । एनटीपीसी रिहंद के इस सहयोग के लिए एनएचएआई वाराणसी नें अपना आभार व्यक्त किया है। प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी (यूपी- पूर्व) विपनेश शर्मा ने अपने कार्यालय में एनटीपीसी रिहंद के कार्यों की सराहना करते हुये वहाँ उपस्थित एनटीपीसी रिहंद परियोजना के वरिष्ठ प्रबन्धक अमित धीमान को प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह में एनटीपीसी केन्द्रीय कार्यालय दिल्ली, एनटीपीसी क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ और अन्य एनटीपीसी परियोजनाओं से आए वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

यूपी गर्ल्स बटालियन का प्रशिक्षण शिविर शुरू

लखनऊ। 19वी उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन द्वारा 10 से 17 नवंबर के बीच आर्मी मेडिकल कोर में आठ दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार के नेतृत्व में शुरू हुआ। आधिकारिक प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि शिविर में लखनऊ मुख्यालय के अंतर्गत आने वाले विभिन्न स्कूल कॉलेज की लगभग 500 बालिका कैडेट्स प्रतिभाग कर रही हैं। उन्होने बताया कि शिविर के दौरान कैडेट्स के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से सैन्य शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास,आपदा प्रबंधन, नेतृत्व, जीवन कौशल आदि विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी जिससे कि इन युवा कैडेट्स में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास हो सके। प्रवक्ता ने बताया कि इसके अतिरिक्त स्थानीय प्रशासन के सहयोग से भी विभिन्न समसामयिक विषयों के संबंध में प्रशिक्षित करने का प्रयास किया जाएगा।

देवरिया में नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में आगामी नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज कर दी गई ह और इसके तहत जिले में 262 वार्डों में 196 मतदान केन्द्र और 556 मतदान स्थल बनाये गये हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में सभी प्रभारी अधिकारियों को 15 नवंबर तक निकाय निर्वाचन से संबंधित कार्ययोजना उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। श्री सिंह ने बताया कि सभी विभाग प्रारूप 1 पर अपने-अपने विभाग के कर्मचारियों की सूची प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराए। जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात करने के लिए अधिकारियों की सूची तैयार कर लिया जाय। जिलाधिकारी ने मतदान से जुड़े कार्मिकों के प्रशिक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग मैन्युअल तैयार कर लिया जाए। 50 मास्टर ट्रेनर के माध्यम से मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। नगर पालिका परिषद देवरिया में 33 वार्डो के सापेक्ष 57 मतदान केंद्र एवं 188 मतदान स्थल बनाये गए हैं। नगर पालिका परिषद गौरा बरहज में 25 वार्डों के सापेक्ष 18 मतदान केंद्र बनाये गए हैं। जिले में दो नगर पालिका परिषद व 15 नगर पंचायतों में अद्यतन 262 वार्ड के सापेक्ष 196 मतदान केंद्र व 566 मतदान स्थल बनाये गए हैं। उन्होने सभी एसडीएम को अपने-अपने तहसीलों में आने वाले नगर निकायों के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर वोटर फ्रेंडली बनाने का निर्देश दिया।

विवाहिता को घायल कर जेठ ने की खुदकुशी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के बिहारीगढ़ क्षेत्र में शुक्रवार को घरेलू विवाद में एक व्यक्ति ने अपने छोटे भाई की पत्नी को चाकू मार कर घायल कर दिया और बाद में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शेरपुर गांव निवासी अखलाक ने पहले छोटे भाई पत्नी गुलिस्ता को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना सूचना मिलने पर थाना बिहारीगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। इस बीच अखलाक ने गांव के बाहर सरकारी ट्यूबवैल के पास पापुलर के पेड़ के पास फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उन्होने बताया कि अखलाक अपने भाई की पत्नी गुलिस्ता को अपने घर में रहने का विरोध कर रहा था। अखलाक का कहना था कि उसके छोटे भाई अफजाल की चार साल पहले मौत होने के बाद उसकी पत्नी गुलिस्ता ने एक अन्य युवक से निकाह कर लिया था और उसी घर में रह रही थी।

बहराइच में तेंदुये के हमले में बालिका की मौत

बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच ज़िले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग क्षेत्र में तेंदुये के हमले में एक बालिका की मृत्यु हो गयी है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि मोतीपुर रेंज के सोमई गौडी गांव के मजरा पलिहा पुरवा निवासी सीमा गुरूवार देर शाम नित्य क्रिया के लिए खेत को जा रही थी कि तभी गन्ने के खेत में छिपा बैठा तेंदुआ बालिका को खेत में खींच ले गया। इस हमले में बालिका की मौत हो गई। घटना की जानकारी वन विभाग को दी गई। वन क्षेत्राधिकारी महेंद्र मौर्य, वन दरोगा, प्रभारी निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे हैं। शव को गन्ने के खेत से बरामद कर लिया गया है। उन्होने बताया कि कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के ककरहा रेंज में कई दिनों से तेंदुआ दस्तक दे रहा है।

यूपी में रोजगार का नया मौका

ऑनलाइन मार्केटिंग कंपनी पर योगी सरकार देगी 50 लाख तक की मदद

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने और प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की कोशिश में जुटी है। सरकार प्रदेश के युवाओं को संगठित होकर वस्त्रों की बिक्री के लिए ऑनलाइन मार्केटिंग कंपनी बनाने पर रजिस्ट्रेशन से लेकर उसे शुरू करने के दौरान आने वाले खर्च पर 75 प्रतिशत या अधिकतम 50 लाख रुपये प्रति कंपनी अनुदान देगी।

इसके अलावा प्रदेश सरकार ने यूपी खादी का आउटलेट चेन विदेशों में खोलने की राह खोल दी है। सरकार प्रदेश, अन्य राज्यों तथा विदेशों में खादी के आउटलेट चेन के लिए 12 करोड़ रुपये अनुदान देगी। सरकार ने हथकरघा निर्मित वस्त्रों को ब्रांड बनाने के लिए उत्तर प्रदेश वस्त्र एवं गारमेंटिंग पालिसी-2022 में यह व्यवस्था की है। जिसमें चेन आउटलेट खोलने में योगी सरकार बुनकरों के बच्चों को वरीयता देगी।

विदेश में 25 आउटलेट खोलने की तैयारी

नई पॉलिसी में प्राविधान किया गया है कि अगर प्रदेश के युवा मार्केटिंग कंपनी के जरिए खादी वस्त्रों के चेन आउटलेट खोलते हैं तो उन्हें अनुदान दिया जाएगा। प्रदेश या प्रदेश के बाहर 50 चेन आउटलेट खोलने पर दो करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

इसके लिए आउटलेट से तीन वर्ष के दौरान प्रतिवर्ष 4 करोड़ की बिक्री की गई हो। वहीं प्रदेश या देश के अन्य राज्यों में 100 चेन आउटलेट खोलने पर 4 करोड़ का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए आउटलेट द्वारा तीन वर्षों में प्रति वर्ष 8 करोड़ की बिक्री की गई हो।

इसी तरह प्रदेश या प्रदेश के बाहर 200 आउटलेट की चेन खोलने पर 8 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए आउटलेट द्वारा तीन वर्षों तक प्रति वर्ष 16 करोड़ की बिक्री की गई हो।

वहीं 500 आउटलेट की चेन खोलने पर 10 करोड़ का अनुदान देगी। इतना ही नहीं कंपनी की ओर से कुल आउटलेट का 80 प्रतिशत प्रदेश के बाहर और विदेशों में 25 आउटलेट खोलने पर 2 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा।

फैशन शो होंगे एक्सपोर्ट हाउस खुलेंगे

इस पॉलिसी में प्रदेश में खादी वस्त्रों के लिए नया एक्सपोर्ट हाउस खोलने या कंपनी की शुरुआत करने पर उसके रजिस्ट्रेशन में आने वाले खर्च पर 75 प्रतिशत तक अनुदान देने का प्राविधान किया है। साथ ही इसके इंफ्रास्ट्रक्चर पर परियोजना लागत का 75 प्रतिशत या अधिकतम 20 लाख रुपये अनुदान दिया जाएगा। प्रदेश में उत्पादित वस्त्रों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक वर्ष में दो बायर-सेलर मीट कराने का निर्णय लिया है।

बायर सेलर मीट प्रदेश के पश्चिमी एवं पूर्वी क्षेत्रों में आयोजित किए जाएंगे।

सरकार इसके आयोजन के लिए अधिकतम 20 लाख रुपये प्रति बायर-सेलर मीट खर्च करेगी। वहीं निर्यात से संबंधित संस्था यदि अपने स्तर से कोई बायर-सेलर मीट कराती है तो सरकार कुल लागत का 50 प्रतिशत या अधिकतम 10 लाख रुपये प्रति बायर-सेलर मीट के लिए अनुदान देगी।

सरकार प्रदेश के वस्त्रों के निर्यात, मार्केटिंग और प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से राज्य के दो बड़े महानगरों में फैशन-शो भी आयोजित कराएगी। इसके लिए 20 लाख रुपये की धनराशि प्रति फैशन शो खर्च की जाएगी।

यूपी में खिलाड़ियों के आड़े नहीं आएगी धन की कमी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों के लिए उपकरण से लेकर उनकी तैयारियों, प्रशिक्षण, फिटनेस से लेकर डाइट तक के लिए राज्य सरकार की ओर से खजाना खोल दिया गया है।

कमजोर तबके के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से कोई समस्या न हो इसके लिए एकलव्य कीड़ा कोष की स्थापना की गई है। इसके तहत विभिन्न मदों में खिलाड़ियों पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसमें खिलाड़ियों की डाइट से लेकर खेल के दौरान चोट लगने, उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रोत्साहन धनराशि, खेल उपकरण के लिए अनुदान दिए जाने की व्यवस्था की गई है।

आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि योगी सरकार के एकलव्य क्रीड़ा कोष के तहत पदक अर्जित करने वाले प्रदेश के 35 खिलाड़ियों को 31 लाख रुपये की आर्थिक सहायता खेल विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा चुकी है वहीं एकलव्य कीड़ा कोष के तहत खेल संघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में पदक विजेता खिलाड़ियों को अपने खेल विधा से संबंधित आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए पांच लाख रुपये तक अनुदान दिया जा रहा है।

संबद्धता प्राप्त खेल संघों द्वारा 4 वर्षों में होने वाले एशियन चैम्पियनशिप, एशियन गेम्स, वर्ल्ड कप, विश्व चैम्पियनशिप तथा एशिया कप में पदक विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को शारीरिक विकास एवं संवर्धन के लिए डाइट मनी के रूप में तीन लाख रुपये की धनराशि प्रतिवर्ष देने का प्राविधान किया गया है। इसी तरह जूनियर एशियन चैम्पियनशिप, जूनियर विश्व चैम्पियनशिप जूनियर वर्ल्ड कप एशियन कप, यूथ ओलम्पिक गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स, सैफ गेम्स पदक विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

सोनभद्र में बड़ा हादसा टला, कपलिंग टूटने से दो हिस्सों में बंटी मालगाड़ी

सोनभद्र। यूपी के सोनभद्र में शुक्रवार को बड़ा रेल हादसा टल गया। खैराही रेलवे स्टेशन के पास तेज रफ्तार मालगाड़ी कपलिंग टूटने से दो हिस्सों में बंट गई। चोपन से चुनार की तरफ जा रही मालगाड़ी के साथ सुबह लगभग 10 बजे हादसा हुआ।

बताया जाता है कि करकी माइनर से आगे खैराही मानव रहित गेट पर कपलिंग टूटने के कारण मालगाड़ी दो भागों में बंट गई। इसमे आधी से अधिक बोगियों को लेकर इंजन दो किलोमीटर दूर खैराही स्टेशन पार कर गया। पीछे की चार बोगी और गार्ड की बोगी कुछ दूर चल कर रुक गई।

गार्ड ने वॉकी टॉकी से चालक से मालगाड़ी रुकने का कारण पूछा तो उसने बताया कि ट्रेन चल रही है। तब गार्ड को हादसे का पता चला। खैराही मानव रहित क्रासिंग पर बोगियों के खड़े होने से जाम लग गया।मालगाड़ी का चालक खैराही रेलवे स्टेशन मास्टर से लाइन क्लियर कराने के बाद वापस आया और अलग हुई बोगी को जोड़कर फिर आगे रवाना हुआ।

इस दौरान लगभग 40 मिनट तक मालगाड़ी खड़ी रहने से गेट रास्ते से आने जाने वाले लोगों को फजीहत झेलनी पड़ी, वही रेलवे ट्रैक पर आवागमन पूरी तरह ठप रहा।

अग्निवीर भर्ती में सेंधमारी की कोशिश

आकाश बनकर पहुंचा अलीगढ़ का आबिद

कानपुर। कानपुर में अग्निवीर भर्ती में सेंध लगाने की पहली बड़ी कोशिश सामने आई है। भर्ती में अलीगढ़ निवासी आबिद नाम का युवक पकड़ा गया, जो आकाश के नाम से दस्तावेज लेकर पहुंचा था। आधारकार्ड की जांच में वह दबोच लिया गया। सेना ने उसे पुलिस को सौंप दिया है। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में पता चला है कि आबिद ने भर्ती के लिए दोस्त आकाश के दस्तावेज लगाए और हर जगह आकाश की जगह अपनी फोटो लगा ली। पुलिस देश की सुरक्षा में सेंध की कोशिश के एंगल पर भी जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक अग्निवीर भर्ती में आकाश के नाम से फार्म भरने वाले युवक के दस्तावेज चेक करते वक्त सेना के अफसरों को संदेह हुआ। आधार कार्ड की जांच की तो खेल खुल गया। आधार पर जो नंबर था वह अलीगढ़ निवासी आकाश के नाम पर जारी था लेकिन उसमें जो फोटो था, वह भर्ती में आए आकाश से भिन्न पाया गया। इस पर सैन्य अफसरों ने पूछताछ की तो युवक ने अपना नाम आबिद खान पुत्र अनीस, निवासी दूधना पाली, मुकीमपुर, अतरौली बताया। सेना ने पुलिस को सूचना दी।

दोस्त के आधार कार्ड पर लगा ली अपनी फोटो

पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ की तो आबिद ने बताया कि उसकी उम्र ज्यादा हो गई है, इसलिए भर्ती में शामिल होने के लिए उसने आकाश पाल पुत्र प्रेम पाल के प्रपत्र लगाए थे। आकाश के आधार कार्ड में उसने एडिटिंग सॉफटवेयर के जरिए अपनी फोटो लगा ली और पता अमौर नर्वल, जिला कानपुर दर्ज कर लिया। उसने तहसील से निवास प्रमाणपत्र भी बनवा लिया। उसने आधार कार्ड का नम्बर नहीं बदला।

सैन्य अधिकारियों ने जैसे ही डाटाबेस में आधार कार्ड नम्बर डाला तो फोटो और पता दोनों गलत मिला। कर्नल डायरेक्टर रिक्रूटिंग एचक्यू लखनऊ की तहरीर पर पुलिस ने आबिद खान के खिलाफ धारा 419 (प्रतिरूपण द्वारा छल करना), 420 (धोखाधड़ी), 467, 468 और 471(फर्जी सरकारी दस्तावेज बनाना और उनका प्रयोग करना) में एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

दोनों दोस्त अलीगढ़ के निवासी

आबिद ने पुलिस को बताया कि उसकी उम्र ज्यादा हो गई थी। अलीगढ़ में आकाश पाल उसका मित्र भी है और पड़ोसी भी। उसी से बातचीत करने के बाद उसके प्रपत्रों पर वह सेना में भर्ती होने आ गया था। उसने नर्वल तहसील से एक निवास प्रमाण पत्र भी बनवा लिया। इसमें जारी करने की तिथि 13 जुलाई 2022 दर्ज है। नाम आकाश कुमार, पिता का नाम प्रेमपाल सिंह और मां का नाम अंजू देवी लिखा है।

तत्कालीन एसडीएम रिजवाना शाहिद के नाम की मोहर और हस्ताक्षर मौजूद है। इस प्रमाण पत्र पर संख्या 34420.....490 दर्ज है।

वहीं जब इस संख्या से नर्वल तहसील से ऑनलाइन दस्तावेज को देखा गया तो पता चला कि इस नाम से प्रमाण पत्र 2021 में जारी कर दिया गया था। उसमें भी साल को लेकर आबिद ने हेरफेर की।

डीसीपी साउथ प्रमोद कुमार के अनुसार आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने सेना में भर्ती होने के लिए ऐसा क्यों किया इसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

उद्योगपतियों के दवाब में रहकर फैसले लेती है भाजपा सरकार

लखनऊ । राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने सभी चीनी मिलों के अब तक चालू नहीं होने का आरोप लगाते हुये कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अपने किसान विरोधी रवैये के कारण सदैव उद्योगपतियों के दबाव में रहकर निर्णय करती है।

राय ने शुक्रवार को कहा कि अभी भी कुछ चीनी मिलों पर पिछले सत्र का गन्ना मूल्य बकाया है और नया सत्र प्रारम्भ हो चुका है। अब तक मिलों के चालू न होने से किसानों के खेत खाली नहीं हो पा रहे हैं और गेहूँ की बुवाई पिछड़ रही है और इसका खामियाजा किसानों को ही भुगतना पड़ेगा।

उन्होने कहा कि एक वर्ष में किसानों को डीज़ल की मूल्य बढ़ोत्तरी के कारण सिंचाई की मंहगी लागत झेलने के साथ साथ खाद और बीज के लिए भी अधिक कीमत चुकानी पड़ी है मगर सरकार ने गन्ना किसानों के हित में समर्थन मूल्य भी घोषित नहीं किया है जो किसान विरोधी होने का पुख्ता प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि यह सरकार लघु और सीमांत किसानों को साल में छह हजार सम्मान निधि देकर उनसे डीजल, रसोई गैस, अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ी हुई कीमतों के साथ साथ बिजली मूल्य के रूप में 18 हजार प्रति वर्ष वसूली करती है। रालोद प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार अपनी किसान विरोधी हठधर्मिता को छोड़े और तत्काल बन्द चीनी मिलों को चालू कराये साथ ही गन्ने का समर्थन मूल्य भी कम से कम 100 कुन्तल की बढ़ोतरी के साथ घोषित करे ताकि किसानों के आंसू पुंछ सकें और वे भी अपने बच्चों की फीस तथा अन्य देयो का भुगतान कर सकें।

आजमगढ़ में मोबाइल दिलाने के बहाने मंगेतर से रेप

सोशल मीडिया पर वायरल कर दी आपत्तिजनक तस्वीरें; दर्ज हुआ मुकदमा

एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ के अहिरौला इलाके में नया मोबाइल दिलाने के बहाने रेप का मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़िता आरोपी की मंगेतर बताई जा रही है। आरोप है कि उसको मोबाइल दिलाने के बहाने बुलाया था। मगर रेप किया।

फिर अश्लील तस्वीरों को भी सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज किया है। अब आरोपी मंगेतर की तलाश की जा रही है।

पीड़िता की मां जो कि अंबेडकरनगर की रहने वाली है। उन्होंने बताया कि आरोपी अशोक निषाद के साथ फरवरी 2022 में मेरी बेटी की शादी तय हुई। दोनों पक्षों के बीच लड़की दिखाई की रस्म भी पूरी की गई।

इस रस्म के बाद 18 मई को दोपहर में आरोपी लड़की को मिलने के लिए बुलाया। कहा कि नया मोबाइल दिलाना है। लड़की के मिलने पर आरोपी अशोक निषाद लड़की को लेकर अहिरौला आ गया जहां मोबाइल न दिलाकर अपने घर लेकर चला गया। घर पर आरोपी युवक ने दूध में नशीला पदार्थ खिला दिया। दूध पीते ही लड़की बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपी ने रेप की घटना को अंजाम दिया। इसकी तस्वीरें भी अपने मोबाइल में खींच लीं।

फिर कई बार बुलाया, रेप की कोशिश की

आरोपी ने किसी से न बताने की धमकी भी दी। इसके बाद भी लगातार अशोक द्वारा बार-बार बुलाकर रेप की घटना को अंजाम देने का प्रयास किया जाता रहा और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी जाती थी। अक्टूबर में आरोपी द्वारा खींची गई आपत्तिजनक तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। जिसके बाद परिजनों ने इस मामले का मुकदमा दर्ज करा दिया है।

बाराबंकी में चलती ट्रेन में फंसा यात्री

लखनऊ। ट्रेन के पहिए के नीचे आने से एक यात्री को बचाने के लिए चलती ट्रेन के साथ 100 मीटर दौड़ना। उसमें भी यात्री को पकड़े रहना। आवाज देकर ट्रेन को रूकवाना। यह बातें किसी फिल्मी कहानी सी लगती है। लेकिन अपने हिम्मत और जोश से शंटमैन मंटू ने यह कर दिखाया और यात्री की जान बचा ली। दरअसल मामला बाराबंकी स्टेशन का है। बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर 15065 गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म से चल चुकी थी। उसी दौरान एक यात्री दौड़ते हुए ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करने लगा। इससे उसका पैर फिसल गया। नीचे फंस गया। वह अब पहिए के नीचे आने ही वाला था कि उस समय प्लेटफॉर्म पर मौजूद शंटमैन मंटू ने दौड़कर उस यात्री का हाथ पकड़ लिया। मंटू चलती ट्रेन के साथ करीब 100 मीटर तक दौड़ता रहा। कुछ देर के लिए ट्रेन की स्पीड बढ़ी लेकिन उसने यात्री का हाथ नहीं छोड़ा और बाकी लोगों से बोल कर ट्रेन को रोकने के लिए कहा। उसकी आवाज सुन रेलवे के बाकी स्टॉफ भी सक्रिय हुए और ट्रेन को रोक दिया गया। लोगों ने दौड़ कर यात्री को बाहर निकाला। यात्री को ट्रेन के नीचे से आरपीएफ उप निरीक्षक रोहित कुमार और जीआरपी इंस्पेक्टर परवेज अली खान की सहायता से निकाल लिया गया।

कुशीनगर में नाबालिग से दो रिश्तेदारों ने किया दुष्कर्म

45 हजार में समझौते का दबाव बना रहे आरोपी

कुशीनगर। कुशीनगर जिले बर्वापट्टी थानाक्षेत्र के एक गांव से नाबालिग लड़की का पांच दिनों तक अपहरण कर दुष्कर्म करने की बात सामने आई। किसी तरह से घरवालों के संपर्क में आने के बाद पीड़िता अपने घर पहुंची जिसके बाद पिता ने थाने में तहरीर देकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता के भाई ने तहरीर देने के बाद तीन दिनों तक पुलिस मामला न दर्ज कर समझौते का दबाब बनाने का आरोप लगया। आज पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई करने बात कही हैं।

दो रिश्तेदार घर के बाहर से उठा ले गए

बर्वापट्टी थानाक्षेत्र में 14 वर्षीय नाबालिग ने थाने में अपने पिता के साथ पहुच तहरीर देकर सामुहिक दुष्कर्म का आरोप लगाए है। पीड़िता ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया की बीते 2 तारीख की शाम जब वह शौच के लिए घर से बाहर निकली तभी उसका अपहरण कर लिया गया। गांव की ही एक महिला और उसके बिहार के रहने वाले दो रिश्तेदार घर से 200 मीटर दूर उसको रोक कर मुंह को कपड़े से बांध मोटरसाइकिल से बिहार उठा ले गए। जहां पर आरोपी जीतेंद्र के मामा के वहां 5 दिनों तक रखा और दोनों ने मिलकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। किसी तरह से पीड़िता के हाथ मोबाइल लगा और उसने अपने घर वालों से संपर्क किया। जिसके बाद पीड़िता के जीजा और दीदी की मदद से वह बीते अपने घर पहुंची। जिसके बाद पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई।

दो दिन तक पुलिस ने नहीं दर्ज किया

पीड़िता के भाई ने बताया कि बहन के गायब होने के बाद हम लोग उसे खोजने लगे किसी तरह से उससे संपर्क हो पाया और हम लोग उसे वापस लाएं तो उसने अपनी आपबीती सुनाई जिसके लिए 7 तारीख को हम लोगों ने बरवापट्टी थाने में तहरीर दी लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया।

मेरठ का होटल गॉडविन सील

मेरठ। मेरठ के फेमस होटल गॉडविन पर नगर निगम की टीम ने सील लगाई और आधे घंटे बाद खोल दी। हाउस टैक्स बकाया होने के चलते नगर निगम पूरे लाव लश्कर के साथ सीलिंग की कार्यवाही करने पहुंचा। होटल में ठहरे मेहमानों को बाहर कर नगर निगम ने होटल को सील कर दिया। होटल संचालक जितेंद्र बाजवा ने मौके पर पहुंचकर बकाया कर चैक से भुगतान किया तब होटल की सील खुली। दरअसल बाईपास पर संचालित होटल गॉडविन का 30 लाख रुपए से अधिक हाउस टैक्स बकाया था। नगर निगम की तरफ से कई बार बकाया कर जमा करने का नोटिस होटल संचालकों को भेजा गया। पूर्व में संचालकों ने 10 लाख रुपया बकाया कर जमा करा दिया। लेकिन कर की बड़ी रकम अभी भी बकाया थी। इसके लिए लगातार नगर निगम होटल को चेतावनी दे रहा था। कर भुगतान नहीं होने पर शुक्रवार को अपर नगर आयुक्त ममता मालवीय प्रवर्तन दल निगम अफसरों की टीम के साथ होटल पहुंची। टीम ने होटल सील करना शुरू कर दिया। निगम प्रवर्तन दल ने पहले होटल में मुनादी करते हुए होटल को खाली कराया और फिर सील लगाने की कार्रवाई शुरू की।

पूर्व मंत्री हाजी याकूब पर पत्नी, बेटों संग लगा गैंगस्टर

मंत्री के 2 मकान, 1 फैक्टरी और 2 महंगी गाड़ियां चिह्नित; संपत्तियों का रिकार्ड खंगाल रही पुलिस

मेरठ। बसपा सरकार में मंत्री रहे हाजी याकूब कुरैशी की घेराबंदी शुरू हो चुकी है। याकूब पर गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज हो गया है। अब उसका बचना मुश्किल है। याकूब के साथ उसकी पत्नी और 7 अन्य लोगों पर गैंगस्टर लगा है। वहीं पुलिस लगातार याकूब और उसके परिवार की तलाश में जुटी है। कभी भी याकूब की संपत्ति जब्तीकरण के लिए 14 ए की कार्यवाही हो सकती है। हाजी याकूब के 2 मकानों, 1 फैक्टरी और 2 लग्जरी गाड़ियों को चिन्हित किया जा चुका है। बृहस्पतिवार को डीएम की अनुमति के बाद याकूब कुरैशी, पत्नी संजीदा कुरैशी दोनों बेटों इमरान और फिरोज पर देर रात खरखौदा थाने में गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज हो गया है। याकूब के दोनों बेटे इमरान, फिरोज पर पहले ही इनाम घोषित है। गैंगस्टर मुकदमा दर्ज होने पर इनाम बढ़ भी सकता है।

याकूब की फैक्टरी में हो रहा था अवैध कटान

बता दें कि 31 मार्च 2022 को याकूब कुरैशी की हापुड़ रोड स्थित मीट फैक्टरी में अवैध तरीके से मीट पैकेजिंग पकड़ी थी। फैक्टरी से भारी

मात्रा में मांस बरामद किया था। उसके बाद से ही याकूब पर शिकंजा कसता जा रहा है। पिछले 8 महीने से लगातार पुलिस याकूब और बेटों की तलाश कर रही है लेकिन याकूब भागा भागा फिर रहा है।

17 के खिलाफ दर्ज हुआ था केस

याकूब की फैक्टरी में अवैध मीट पैकेजिंग मिलने के बाद पुलिस ने याकूब, पत्नी दोनों बेटों सहित 17 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो बार आरोप पत्र दाखिल किए हैं। शमजिदा बेगम को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है, जबकि याकूब, फिरोज और इमरान की संपत्ति कुर्क हो चुकी है। पुलिस इनकी तलाश कर रही है।

पुलिस ने मंगाया संपत्ति रिकार्ड

बता दें कि लोकसभा चुनाव में अपने नामांकन पत्र के साथ याकूब ने चल, अचल संपत्ति का ब्यौरा हलफनामे में दिया था। पुलिस इसी ब्यौरे को आधार बनाकर उसकी संपत्ति की जांच करेगी। जिला निर्वाचन कार्यालय से यह डिटैल मांगी गई है।

याकूब समेत इन पर भी लगा गैंगस्टर

हाजी याकूब कुरैशी पुत्र फईमुद्दीन, शमजीदा बैगम उर्फ संजीदा पत्नी याकूब कुरैशी, इमरान कुरैशी, फिरोज कुरैशी उर्फ भूरा निवासीगण मस्जिद तेलियान सो

शार्ट न्यूज

सितंबर में औद्योगिक उत्पादन 3.1 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। बिजली, विनिर्माण और खनन क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन की बदौलत इस वर्ष सितंबर में देश के औद्योगिक उत्पादन में पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 3.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2021 में औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (आईआईपी) 129.5 रहा था, जो सितंबर 2022 में 3.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 133.5 पर पहुंच गया। इस दौरान खनन क्षेत्र का सूचकांक 95.1 से 4.6 प्रतिशत बढ़कर 99.5, विनिर्माण क्षेत्र का 131.9 से 1.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 134.3 और बिजली क्षेत्र का सूचकांक 167.9 से 11.6 प्रतिशत बढ़कर 187.4 पर पहुंच गया। आलोच्य अवधि में खाद्य पदार्थों के विनिर्माण में 5.3 प्रतिशत, बेवरेजेज में 12.1, कागज एवं कागज उत्पाद में 6.5, प्रिंटिंग एवं मीडिया में 29.3, कोक एवं रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद में 9.8, केमिकल एवं केमिकल उत्पाद में 6.5, गैर धात्विक खनिज उत्पाद 9.3, बेसिक धातु 5.8, मशिनरी एवं उपकरण में 5.3, मोटर वाहन, ट्रेलर एवं सेमी ट्रेलर में 29.9, परिवहन उपकरण में 14.8, फर्नीचर उत्पादन में 35.3 एवं अन्य विनिर्माण में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, तंबाकू उत्पाद में 0.6, वस्त उत्पादन में 12, वियरिंग ऐपेरल में 21.7, चर्म एवं संबंधित उत्पाद में 16, फार्मा क्षेत्र में 17.2 एवं इलेक्ट्रिक उपकरण का उत्पादन 31.4 प्रतिशत घट गया है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 8.71 लाख करोड़ पर पहुंचा

नयी दिल्ली। देश में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 10 नवंबर तक 8.71 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में संग्रहित कर की तुलना में 25.71 प्रतिशत अधिक है। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा कि 10 नवंबर 2022 तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 30.69 प्रतिशत की बढोतरी के साथ 10.54 लाख करोड़ रुपये रहा है लेकिन रिफंड के बाद यह राशि 8.71 लाख करोड़ रुपये हैं। चालू वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह की यह राशि चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 61.31प्रतिशत है। एक अप्रैल से लेकर 10नवंबर 2022 तक कुल 1.83 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया जा चुका है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में जारी रिफंड की तुलना में 61.07 प्रतिशत अधिक है।

रुपया 62 पैसे मजबूत

मुंबई। अमेरिका में महंगाई के उम्मीद के विपरीत कम बढ़ने से फेड रिजर्व के ब्याज दर में बढ़ोतरी के आक्रामक रुख में नरमी आने की संभावना से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने और घरेलू शेयर बाजार में तूफानी तेजी की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 62 पैसे मजबूत होकर 80.78 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया 25 पैसे की गिरावट लेकर 81.72 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया 64 पैसे की तेजी लेकर 80.76 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और बिकवाली की बदौलत 80.58 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली होने से यह 80.99 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले सत्र के 81.72 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 62 पैसे मजबूत होकर 80.78 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में अक्टूबर में खुदरा मूल्य सूचकांक में 0.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सितंबर में भी इसमें इतनी ही वृद्धि हुई थी। इस आंकड़े से फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में बढ़ोतरी के आक्रामक रुख में नरमी की संभावना बढ़ गई है। इससे डॉलर पर बने दबाव के साथ ही घरेलू शेयर बाजार में 1.95 प्रतिशत की उछाल से रुपये को बल मिला है।

डीपी वर्ल्ड के तकनीकी कर्मचारियों की संख्या भारत में 2023 के मध्य तक 700 होगी

नयी दिल्ली। डीपी वर्ल्ड व्यापार प्रवाह को स्वचालित करने के लिए अपने तकनीकी कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रहा है। कंपनी ने देश के प्रौद्योगिकी बाजार में तेजी से विकास कर रहा है। गुरुग्राम में अपने नए तकनीकी इनोवेशन केंद्र की शुरूआत के साथ यह जल्द ही वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए जरूरी समाधानों पर काम कर रहे 240 कर्मचारियों की मेजबानी करेगा। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि डीपी वर्ल्ड की उपस्थिति डिजिटल व्यापार क्षेत्र में अपनी महत्वाकांक्षाओं से मेल खाने के लिए तेजी से आगे बढ़ी है। कंपनी के पास भारत में 2021 की शुरुआत में टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस पर काम करने वाले सिर्फ 50 कर्मचारी थे। इस साल तीन केंद्रों के खुलने से यह संख्या पहले ही 450 से अधिक हो गई है। कर्मचारियों की संख्या अगले वर्ष के मध्य तक 700 तक पहुंचने की उम्मीद है। नया तकनीकी केंद्र, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगभग 17 किलोमीटर दूर है। इस केन्द्र पर एक बड़ा डेवेलपमेंट ग्रुप होगा जो डीपी वर्ल्ड के नवीनतम अत्याधुनिक व्यापार और लॉजिस्टिक्स समाधानों पर काम करेगा। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के हर लिंक के माध्यम से व्यापार कैसे प्रवाहित हो, स्थिरता पैदा हो सके और साथ ही कार्गो मालिकों के लिए सुरक्षा और लाभ मिले, ये चीजे सुनिश्चित की जाएंगी। यह डीपी वर्ल्ड द्वारा तकनीक के लिए नवीनतम प्रतिबद्धता है, और भारत के तेजी से बढ़ते प्रौद्योगिकी-केंद्रित प्रतिभा पूल के लिए एक वसीयतनामा है। उद्घाटन इस साल की शुरुआत में हैदराबाद और बैंगलोर में नए तकनीकी केंद्रों के सफल शुभारंभ के बाद हुआ, जो भारत में विकास के अवसरों का लाभ उठा रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.09 अरब डॉलर घटकर 529.9 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि घटने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार 04 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 1.09 अरब डॉलर घटकर 529.9 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 6.6 अरब डॉलर बढ़कर 531.1 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 04 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 12 करोड़ डॉलर कम होकर 470.73 अरब डॉलर रह गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 70.5 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 37.06 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 23.5 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 17.4 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 2.7 करोड़ डॉलर घटकर 4.82 अरब डॉलर पर आ गई।

निवेशकों ने कमाये करीब तीन लाख करोड़

मुंबई। शेयर बाजार में आज रही करीब दो फीसदी की तेजी के बल पर निवेशकों ने करीब तीन लाख करोड़ रुपये की कमाई की है। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स में 1.95 प्रतिशत की तेजी रही जिससे बीएसई का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 28456532.03 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले सत्र में यह 28159222.11 करोड़ रुपये रहा था। इस तरह से आज निवेशकों ने कुल 297309.92 करोड़ रुपये की कमायी की है। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1181.34 अंक की उड़ान भरकर 61795.04 अंक के शिखर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 321.50 अंक की छलांग लगाकर 18349.70 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली होने से बीएसई का मिडकैप 0.15 प्रतिशत की बढ़त लेकर 25,465.20 अंक और स्मॉलकैप 0.33 प्रतिशत चढ़कर 28,985.06 अंक पर रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई करीब ढाई प्रतिशत की तेजी के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में शुक्रवार को भी कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 2.27 प्रतिशत बढ़कर 95.80 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 2.45 प्रतिशत की तेजी लेकर 88.59 डॉलर प्रति बैरल हो गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा।

10 से 15 वर्षों में भारत होगा दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति में शामिल : सीतारमण

नयी दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि भारत ने हाल में ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं बड़ी आर्थिक महाशक्ति बना है और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अगले 10 से 15 वर्षों में यह देश दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्तियों में शामिल हो जायेगी।

सीतारमण ने यहां भारत अमेरिका बिजनेस एंव आर्थिक अवसर पर आधारित एक सत्र को संबोधित करते हुये ये बातें कही। भारत अमेरिका आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग पर आधारित 9वीं बैठक के इतर अमेरिका की वित्त मंत्री डॉ जनेट येल्लेन के नेतृत्व आये प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुये कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध अब वैश्विक रणनीति साझेदारी के रूप में बदल चुका है। दोनों के बीच बहुस्तरीय सहयोग है। दोनों देश आपसी मतभेदों को दरकिनार करते हुये सहयोग को गति दे रहे हैं जिसके बल पर दोनों देशों के बीच वर्ष 2021 में व्यापार 100 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया था।

सीतारमण ने भारत के विकास के प्रमुख पहलुओं को उल्लेख करते हुये कहा कि अब ये भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक सहयोग को और सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वैश्विक आर्थिक परिदृष्य रिपोर्ट का उल्लेख करते हुये कहा कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियां बनी हुयी है और भारतीय अर्थव्यवस्था उससे बच नहीं सकती है। हालांकि भारत सामान्य दक्षिण पश्चिम मानसून, सरकारी निवेश, कंपनियों की बेहतर स्थिति, उपभोक्ता और कारोबारी धारणा में मजबूती तथा महामारी के घटते

जोखिमों के बल पर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। हाल ही में ब्रिटेन का भारत ने पांचवी आर्थिक महाशक्ति से पीछे ढकेला है और अगले 10 से 15 वर्षों में दुनिया की तीन प्रमुख महाशक्तियों में शामिल होने का अनुमान है। सीतारमण ने इसमें भाग ले रहे उद्यमियों और प्रतिनिधियों से दोनों देशों की समृद्धि की दिशा में काम करने की अपील करते हुये कहा कि भारत ने कई तरह के ढांचागत सुधारों के बल पर यह स्थिति हासिल की है। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना में विश्वास करते हुये नीतिगत उपाय किये गये हैं। इसी के तहत राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन और राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन की शुरूआत की गयी है। राष्ट्रीय इंफ्रा पाइपलाइन से 111 लाख करोड़ रुपये का इंफ्रा परियोजनों में निवेश हो रहा है और यह अब नौ हजार परियोजनाओं तक पहुंच चुका है। इलेक्ट्रानिक्स एवं सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए वर्ष 2021 में 10 अरब डॉलर वाला इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन शुरू किया गया।

उन्होंने भारत में विकास में विदेशी पूंजी प्रवाह के महत्ता का उल्लेख करते हुये कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के नियम को तर्कसंगत बनाया गया है। सरकार द्वारा किये गये उपायों के बल पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के मामले में अमेरिका प्रमुख निवेशक है। 30 सतंबर 2022 तक भारत में अमेरिकी एफपीआई निवेश 234 अरब डॉलर रहा है।

उन्होंने भारत की डिजिटल क्षमताओं का उल्लेख करते हुये कहा कि भारत ने पूरी तरह से नयी डिजिटल अर्थव्यवस्था तैयार की है जिसके नींव में एक अरब से अधिक बैंक खाते, एक अरब से अधिक मोबाइल फोन और एक अरब से अधिक डिजिटल पहचान आधार है।

इउन्होंने भारत और अमेरिका के बीच रक्षा व्यापार का हवाला देते हुये कहा कि 12 वर्ष पहले जो लगभग शून्य था वह अभी 20 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुका है।

सीतारमण ने कहा कि भारतीय तकनीकी उद्योग अमेरिका में महत्ती भूमिका निभा रहा है। अब ये कंपनियां परंपरागत टेक हब से अलग हटकर काम कर रही है। भारतीय टेक कंपनियां और उसके अमेरिकी ग्राहक कंपनियों के जरिये 16 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ और अमेरिका अर्थव्यवस्था में 198 अरब डॉलर की भागीदारी की जा रही है।

तूफानी तेजी से शेयर बाजार शिखर पर

मुंबई। अमेरिका में महंगाई उम्मीद के विपरीत कम बढ़ने से फेड रिजर्व के ब्याज दर में बढ़ोतरी के आक्रामक रुख में नरमी आने की संभावना से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई दमदार लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार तूफानी तेजी लेकर शिखर पर पहुंच गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1181.34 अंक की उड़ान भरकर 61795.04 अंक के शिखर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 321.50 अंक की छलांग लगाकर 18349.70 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली होने से बीएसई का मिडकैप 0.15 प्रतिशत की बढ़त लेकर 25,465.20 अंक और स्मॉलकैप 0.33 प्रतिशत चढ़कर 28,985.06 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3601 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1824 में लिवाली जबकि 1630 में बिकवाली हुई वहीं 147 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 37 कंपनियों में तेजी जबकि 12 में गिरावट रही वहीं एक के

भाव स्थिर रहे। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में अक्टूबर में खुदरा मूल्य सूचकांक में 0.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सितंबर में भी इसमें इतनी ही वृद्धि हुई थी। इस आंकड़े से फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में बढ़ोतरी के आक्रामक रुख में नरमी की संभावना बढ़ गई है। इससे वैश्विक बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान जर्मनी का डैक्स 0.47, जापान का निक्केई 2.98, हांगकांग का हैंगसेंग 7.74 और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.69 प्रतिशत जढ़ गया जबकि ब्रिटेन के एफटीएसई में 0.34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

इससे बीएसई के 15 समूहों में लिवाली का जोर रहा। इस दौरान आईटी 3.70, टेक 3.21, कमोडिटीज 0.83, ऊर्जा 1.29, वित्तीय सेवाएं 1.81, इंडस्ट्रियल्स 0.78, दूरसंचार 0.80, बैंकिंग 0.99, कैपिटल गुड्स 1.02, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.86, धातु 2.27, तेल एवं गैस 1.17 और रियल्टी समूह के शेयर 1.71 प्रतिशत मजबूत रहे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 697 अंक की दमदार तेजी लेकर 61,311.02 अंक पर खुला और यही दिवस का न्यूनतम स्तर भी रहा। मजबूत लिवाली की बदौलत लगातार चढ़ता हुआ यह कारोबार के अंतिम चरण में 61,840.97 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 60,613.70 अंक के मुकाबले 1.95 प्रतिशत की छलांग लगाकर 61,795.04 अंक के शीर्ष पर पहुंच गया।

इसी तरह 244 अंक उछलकर 18,272.35 अंक पर खुला निफ्टी सत्र के दौरान 18,362.30 अंक के उच्चतम जबकि 18,259.35 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 18,028.20 अंक की तुलना में 1.78 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 18,349.70 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की 22 कंपनियों में तेजी जबकि शेष में गिरावट दर्ज की गई। मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में एचडीएफसी 5.84, एचडीएफसी बैंक 5.62, इंफोसिस 4.51, टेक महिंद्रा 3.64, एचसीएल टेक 3.56, टीसीएस 3.43, विप्रो 2.80, टाटा स्टील 2.72, रिलायंस 2.21, एलटी 1.68, बजाज फाइनेंस 1.04, एक्सिस बैंक 0.90, भारती एयरटेल 0.57, सन फार्मा 0.25, आईटीसी 0.14 और मारुति 0.14 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.83, एसबीआई 0.76, कोटक बैंक 0.73, आईसीआईसीआई बैंक 0.42, एनटीपीसी 0.38, पावरग्रिड 0.28, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.23 और डॉ. रेड्डी ने 0.06 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

सिंगापुर-भारत के लोग मोबाइल भुगतान प्रणाली के उपयोग से होंगे लाभान्वित

एजेंसी

सिंगापुर। भारत और सिंगापुर एक ऐसी पारस्परिक व्यवस्था को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं जिसके अंतर्गत दोनों देशों के लोग एक-दूसरे की मोबाइल भुगतान प्रणालियों का उपयोग कर बैंक खातों में तुरंत धन का हस्तांतरण कर सकेंगे।

सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त पी कुमारन ने आसियान-भारत मीडिया संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत आए भारतीय पत्रकारों से शुक्रवार को बातचीत में कहा कि भारत की यूपीआई मोबाइल पेमेंट इंटरफेस और सिंगापुर की समकक्ष प्रणाली के बीच संपर्क स्थापित करने की तैयारी चल रही है और यह व्यवस्था इसी वर्ष के अंत तक चालू हो सकती है। उन्होंने कहा कि इससे सिंगापुर में काम कर रहे लाखों आव्रजक श्रमिकों के लिए बहुत ही कम खर्च पर तुरंत धन अपने घर भेजने में सुविधा हो जाएगी। भारत के करीब ढाई लाख नागरिक रोजी-रोजगार के लिए सिंगापुर में रहते हैं।

कुमार ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक और सिंगापुर का मौद्रिक प्राधिकरण में काफी काम हो चुका है। परियोजना लगभग पूरी हो चुकी है, अब किसी भी समय दोनों देशों के शीर्ष नेता आपस में बात कर इसके चालू होने की घोषणा कर सकते हैं। भारत के उच्चायुक्त ने कहा कि इसका विस्तार आगे चलकर दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय संघ (आसियान) के कुछ अन्य देशों के साथ भी करना आसान होगा।

उन्होंने कहा कि सिंगापुर ने आसियान देशों की वित्तीय प्रणालियों के साथ अपने जुड़ाव के लिए बहुत काम किया है।

सिंगापुर के साथ यूपीआई संपर्क के बाद उन देशों की भुगतान प्रणालियों के साथ जुड़ाव का काम भी आसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर के साथ यूपीआई के जुड़ने का सबसे बड़ा फायदा यह दिखता है कि यहां काम करने वाले श्रमिक बहुत कम खर्च पर अपने घर छोटी रकम भेज सकेंगे। अभी उन्हें धन की अदला-बदली करने में काफी रुपये खर्च करने पड़ते हैं। सिंगापुर का रुपया भारत के रुपये की तरह ही सुविधा, आसियान के देशों में मान्य है। इस तरह सिंगापुर के माध्यम से आसियान के दूसरे देशों के साथ रुपये को जोड़ना आसान हो सकता है।

यात्री वाहनों की बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

नयी दिल्ली। त्योहारी सीजन में आयी जबरदस्त मांग के बल पर इस वर्ष अक्टूबर में देश में यात्री वाहनों की मांग में जबदस्त तेजी रही है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग सुस्त रहने से दोपहिया वाहनों की मांग सुस्त रही है। अक्टूबर 2022 में कुल मिलाकर 291113 यात्री वाहनों की बिक्री हुयी जबकि पिछले वर्ष इस महीने में यह संख्या 226353 रही थी। वाहन निर्माता कंपनियों के शीर्ष संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स द्वारा आज यहां जारी आंकड़ों के अनुसार इस महीने में देश से यात्री वाहनों निर्यात में भी तेजी रही है। अक्टूबर 2021 में 3966 वाहन निर्यात किये गये थे जो इस वर्ष अक्टूबर में बढ़कर 47660 वाहनों पर पहुंच गया। इसी तरह से तिपहिया वाहनों की मांग में तेजी देखी गयी है। अक्टूबर 2021 में कुल 31812 तिपहिया वाहनों की बिक्री हुयी जबकि इस वर्ष अक्टूबर में यह संख्या बढ़कर 54154 पर पहुंच गयी है। सियाम के अनुसार दोपहिया वाहनों की मांग में कोई विशेष बढ़ोतरी नहीं हुयी। अक्टूबर 2022 में कुल मिलाकर 1577694 दोपहिया वाहनों की देश में बिक्री हुयी जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह संख्या 1552689 रही थी। इस महीने में दोपहिया वाहनों के निर्यात में भारी कमी देखी गयी है। पिछले वर्ष अक्टूबर में 374072 दोपहिया वाहन निर्यात किये गये जबकि इस वर्ष अक्टूबर में यह संख्या घटकर 287319 वाहनों पर आ गयी।

इंडिया एक्ज़िम बैंक के टैप से जुड़ा दक्षिण अफ्रीका का अब्सा बैंक

मुंबई। इंडिया एक्ज़िम बैंक ने दक्षिण अफ्रीका के अब्सा बैंक लिमिटेड (एबीएसए) के साथ इशूइंग बैंक करार किया है।

यह करार अब्सा बैंक के मैनेजिंग एक्ज़ीक्यूटिव आनंद नायडू के नेतृत्व में आए एक प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान कल मुंबई में किया गया। इस करार पर इंडिया एक्ज़िम बैंक के उप प्रबंध निदेशक एन. रमेश और श्री नायडू द्वारा हस्ताक्षर किए गए और इस तरह इंडिया एक्ज़िम बैंक की व्यापार सुगमीकरण की दिशा में की गई नई पहल 'व्यापार सहायता कार्यक्रम' (टैप) से अब्सा भी जुड़ गया है।

इंडिया एक्ज़िम बैंक अपने कार्यालयों के ग्लोबल नेटवर्क और विभिन्न वित्तीय, सलाहकारी तथा क्षमता विकास गतिविधियों के जरिए मित्र देशों के साथ भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उत्प्रेरक की भूमिका निभाता है और भारतीय व्यवसायों के वैश्वीकरण प्रयासों में उनकी सहायता करता है।

इंडिया एक्ज़िम बैंक ने व्यापार सुगमीकरण के लिए हाल ही में 'व्यापार सहायता कार्यक्रम' (टैप) के नाम से एक नई पहल की है। टैप के अंतर्गत इंडिया एक्ज़िम बैंक अंतरराष्ट्रीय व्यापार ट्रांज़ैक्शन के सहयोग के लिए वाणिज्यिक बैंकों / वित्तीय संस्थाओं की क्षमता को बढ़ाता है। यह उन बाज़ारों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जहां व्यापार के लिए ऋण मिलने में दिक्कत आती है या जहां क्षमताओं का दोहन नहीं किया गया है। इस करार पर हस्ताक्षर के दौरान रमेश ने कहा पिछले कुछ महीनों में, इंडिया एक्ज़िम बैंक ने इस कार्यक्रम के तहत दक्षिण एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका आदि क्षेत्रों में कई व्यापार ट्रांज़ैक्शनों को सहयोग दिया है। यह सहयोग कृषि सहित ऑटोमोटिव पार्ट्स, पूंजीगत और इंजीनियरिंग सामान, खाद्य, लौह और इस्पात तथा टेक्स्टाइल जैसे कई क्षेत्रों में व्यापार के लिए दिया गया है। विकासशील देशों के साथ बढ़ते भारत के व्यापार के साथ वैश्विक व्यापार में भारत की विविधता बढ़ रही है। ऐसे में दक्षिणी-अफ्रीकी देश भारत के लिए महत्त्वपूर्ण व्यापार भागीदार के रूप में उभरे हैं। अब्सा के साथ इशूइंग बैंक करार से भारत और अफ्रीका के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए नए अवसर बनेंगे। व्यापार सुगमीकरण के लिए इस प्रकार का सहयोग भारत और अफ्रीका के बीच बढ़ती आर्थिक गतिविधियों को और सुदृढ़ करेगा।

मैपल हाईवेज ने 6,267 करोड़ किया ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का अधिग्रहण

नयी दिल्ली। वैश्विक निवेश समूह सीडीपीक्यू द्वारा भारत में सड़क क्षेत्र में निवेश के लिए समर्पित मैपल हाईवेज ने आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बाहर से गुजरने वाले ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (ईपीई) का अधिग्रहण पूरा करने का ऐलान किया।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा टोल ऑपरेट ट्रांसफर (टीओटी) के तहत 6,267 करोड़ रुपये में हुआ यह सौदा इस साल केंद्र सरकार के एसेट मोनेटाइजेशन प्रोग्राम के तहत सड़क क्षेत्र में हुआ सबसे बड़ा सौदा है।

135 किलोमीटर लंबा छह लेन का एक्सप्रेस हाईवे 2018 से परिचालन में है और इसे दिल्ली में आने वाले वाणिज्यिक वाहनों की संख्या को कम करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जो एनसीआर के पूर्वी ओर से होते हुए हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश से गुजरता है। इस एक्सप्रेसवे पर प्रकाश की सभी व्यवस्थाएं सौर ऊर्जा से संचालित हैं।

नेशनल एक्सप्रेसवे 2 के नाम से लोकप्रिय ईपीई भारत का पहला इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आईटीएस) से लैस मार्ग है। इसमें ड्रिप इरिगेशन सिस्टम और हर 500 मीटर पर रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बना है। इसमें क्लोज्ड लूप टोलिंग सिस्टम है और 99 प्रतिशत राजस्व इलेक्ट्रॉनिक टोलिंग के माध्यम से आता है। इसमें इंटरऑपरेबल आरएफआईडी टैग का प्रयोग होता है, जिसे फास्टैग के नाम से जाना जाता है। सीडीपीक्यू के लिए यह अधिग्रहण भारत में लंबी अवधि तक राजस्व निर्माण में सक्षम रोड एसेट में एवं रणनीतिक रूप से अहम क्षेत्रों में पोर्टफोलियो विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस साल की शुरुआत में मैपल हाइवेज ने पूर्वी भारत के ओडिशा में भुवनेश्वर से चंडीखोल के बीच 67 किलोमीटर के टोल रोड प्रोजेक्ट श्री जगन्नाथ एक्सप्रेसवे का भी अधिग्रहण किया था। भारतीय राजमार्ग बहुत बड़े एवं अवसरों का उभरता हुआ बाजार हैं। सरकार के रोड मोनेटाइजेशन प्रोग्राम के तहत सार्वजनिक-निजी हिस्सेदारी को गति देने के उद्देश्य से कई टोल रोड्स के लिए टीओटी प्रस्तावित हैं। साथ ही बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) मॉडल पर भी काम हो रहा है। भारत का पहला स्वतंत्र, समर्पित रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) तैयार करते हुए सीडीपीक्यू ने अपने साथ घरेलू पूंजी को भी शामिल किया है, जिसमें आईआईएफएल एएमसी जैसे अग्रणी निवेशकों और फैमी केयर ग्रुप की तपारिया फैमिली जैसे निवेशकों ने रुचि दिखाई है।

सीडीपीक्यू के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रमुख इमैनुएल जैकलट ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये कहा, गुणवत्तापूर्ण राजमार्गों से भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास सुनिश्चित होता है। सीडीपीक्यू द्वारा 2021 में स्थापित मैपल हाईवेज रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर में विशेषज्ञता के साथ ही ईएसजी को लेकर भी प्रतिबद्ध है। इसने अपने निवेशकों के लिए ऐसे एसेट चुने हैं, जिनसे लंबी अवधि तक रिटर्न सुनिश्चित हो। जैसे-जैसे वैश्विक सप्लाई चेन में तेजी से बदलाव हो रहा है और भारत में मात्रात्मक वृद्धि हो रही है, हम अपने रोड पोर्टफोलियो को और विस्तार देने के लिए प्रयासरत हैं।

मैपल हाईवेज के सीईओ अनूप विकल ने कहा, मैपल हाईवेज सही मायनों में अलग तरह का प्लेटफॉर्म है। यह निवेशकों द्वारा समर्थित इनविट का नया मॉडल है, जो भारतीय राजमार्गों को संचालित एवं संवर्धित कर रहा है। ईपीई का अधिग्रहण करने के बाद मैपल हाईवेज इस एक्सप्रेसवे को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अनुकरणीय उदाहरण बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का मुनाफा 46 प्रतिशत उछला

मुंबई। वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 2090 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 1433 करोड़ रुपये की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक है। निदेशक मंडल की बैठक के बाद कंपनी द्वारा जारी वित्तीय लेखाजोखा के अनुसार सितंबर 2022 को समाप्त इस दूसरी तिमाही कंपनी का कुल राजस्व 20839 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 13314 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 58 प्रतिशत अधिक है। महिंद्रा समूह ने इस तिमाही में 2773 करोड़ रुपये का सकल लाभ अर्जित किया है जो पिछले वित्त वर्ष में अर्जित 1929 करोड़ रुपये के सकल लाभ की तुलना में 44 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में समूह को कुल राजस्व 29870 करोड़ रुपये रहा है जो सितंबर 2021 को समाप्त तिमाही के 21470 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 39 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने दूसरी तिमाही में कुल मिलाकर 174098 वाहनों की बिक्री की जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बेचे गये 99334 वाहनों की तुलना में 75 प्रतिशत अधिक है।

दूरसंचार विधेयक मसौदे से इंटरनेट निलंबित करने वाला प्रावधान हटाने की अपील

नयी दिल्ली। इंटरनेट सोसायटी की पॉलिसी एंड एडवोकेसी मैनेजर नीति बियानी ने भारतीय दूरसंचार विधेयक 2022 के मसौदे में किये गये प्रावधानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि सरकार को इंटरनेट निलंबित करने का अधिकार देने वाले प्रावधान को हटा दिया जाना चाहिए। कम-से-कम सरकार के इंटरनेट को निलंबित कर

शार्ट न्यूज

खेलो इंडिया महिला लीग शनिवार से

नयी दिल्ली। साइकिलिंग, तैराकी और कुश्ती की खेलो इंडिया महिला लीग की शुरुआत देश के अलग-अलग हिस्सों में शनिवार से होगी। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सौजन्य से हो रहा है। खेलो इंडिया महिला साइकिलिंग लीग के ज़ोन-1 का आयोजन लुधियाना, कुरुक्षेत्र एवं पंचकुला में होना है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अनुसार, सरकार ने तीन जोन में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया को कुल 19.78 लाख रुपये की मंजूरी दी है। टूर्नामेंट के लुधियाना चरण में करीब 200 साइक्लिस्ट हिस्सा लेंगे। दूसरी ओर, जूनियर (अंडर-18) और यूथ (अंडर-15) आयु वर्ग में खेलो इंडिया जूनियर महिला तैराकी शृंखला का दूसरा राउंड लखनऊ, असम, केरल, अहमदाबाद और भुवनेश्वर में होने वाला है, जिसमें लगभग 900 प्रतियोगियों के भाग लेने की उम्मीद है। तैराकी का पहला राउंड अगस्त में नयी दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में हुआ था। साई के मुताबिक खेल मंत्रालय ने भारतीय तैराकी महासंघ को इस शृंखला के लिये कुल 1.02 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं। खेलो इंडिया महिला कुश्ती लीग के दूसरे चरण का आयोजन हरिद्वार (उत्तराखंड) में 14 नवंबर से किया जाएगा। सीनियर और अंडर-17 वर्ग के टूर्नामेंट में करीब 400 पहलवान हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप और ओपन राष्ट्रीय रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के शीर्ष 10 पहलवान प्रतियोगिता के प्रत्येक भार वर्ग में भाग लेंगे।

यूपी स्टेट सब जूनियर कराटे चैंपियनशिप 12 से

लखनऊ। लखनऊ समेत 25 जिलों के 500 खिलाड़ी 12 से 13 नवंबर तक लखनऊ में होने वाली यूपी स्टेट सब जूनियर कराटे चैंपियनशिप-2022 में पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करने उतरेंगे। कराटे एसोसिएशन ऑफ यूपी के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय इस चैंपियनशिप का आयोजन केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बहुद्देशीय हाल में किया जाएगा। कराटे एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष टीपी हवेलिया व महासचिव जसपाल सिंह ने चैंपियनशिप के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चैंपियनशिप में 78 स्वर्ण, 78 रजत व 156 कांस्य पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा होगी। चैंपियनशिप में बालक व बालिकाओ में कुमिते के 62 भार वर्ग व काता की 16 श्रेणियों सहित कुल 78 वर्गो के मुकाबले होंगे। हवेलिया ने बताया कि इस चैंपियनशिप के माध्यम से आगामी अखिल भारतीय कराटे प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उत्तर प्रदेश की कराटे टीम का चयन किया जाएगा।

भारतीय पूर्व क्रिकेट की डिमांड, टेस्ट-टी20 में हो अलग कोचिंग स्टाफ; लेनी चाहिए एबी डी विलियर्स की सेवाएं

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अतुल वासन ने भारत की टी20 टीम के लिए पूरी तरह से भिन्न कोचिंग स्टाफ रखने की वकालत करते हुए कहा कि इस छोटे प्रारूप के विश्वकप के लिए एबी डिविलियर्स जैसे पूर्व क्रिकेटरों की सेवाएं लेनी चाहिए। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 10 विकेट से हार गई थी। इंग्लैंड फाइनल में रविवार को मेलबर्न में पाकिस्तान से भिड़ेगा। वासन ने पीटीआई से कहा, हमें टी20 और टेस्ट क्रिकेट के लिए एक ही कोचिंग स्टाफ नहीं रखना चाहिए। आपको टी20 प्रारूप के लिए अपने जमाने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सेवाएं लेनी चाहिए। हम आखिर टी20 विश्व कप के लिए एबी डिविलियर्स की मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में सेवाएं क्यों नहीं ले सकते हैं। वह टीम को बेहतर दिशा दे सकते हैं। वह खिलाड़ियों को शॉट खेलने के बारे में बता सकते हैं। उन्होंने कहा, इस खेल ने फिर से साबित कर दिया है कि आपको नए लोग चाहिए। 2007 में हमारी टीम में कोई स्टार खिलाड़ी नहीं था और वह युवा खिलाड़ियों की टीम थी और उसने खिताब जीता था। हम हर समय अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपने बड़े खिलाड़ियों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा दिखाते हैं।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के बाद लिया जा सकता है रोहित शर्मा की टी20 कप्तानी को लेकर फैसला

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2022 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 10 नवंबर को भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया था। भारत को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन टीम इंडिया 10 विकेट से हारकर टूर्नामेंट से आउट हो गई। इस मैच के बाद से कप्तान रोहित शर्मा आलोचकों के निशाने पर हैं। हरभजन सिंह तो यहां तक कह चुके हैं कि टीम इंडिया को हेड कोच और कप्तान दोनों बदलने की जरूरत है। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद टीम इंडिया न्यूजीलैंड दौरे पर जा रही है, जहां हार्दिक पांड्या को टीम इंडिया की कमान सौंपी गई है और रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस सीरीज के बाद भारत की टी20 कप्तानी को लेकर फैसला लिया जा सकता है। बीसीसीआई अधिकारी ने इनसाइड स्पोर्ट्स पर कहा, %बिल्कुल इस हार के बाद कुछ कड़े फैसले लेने होंगे। यह काफी कड़वी हार थी। हमने अच्छी तैयारी की थी, टीम को पहले ऑस्ट्रेलिया भेज दिया था। हां, दो अहम इंजरी ने हमारे प्लान बिगाड़े, लेकिन यह तो इस गेम का नेचर है।

टी20 वर्ल्ड कप 2022 में विकेट लेने में भारतीय गेंदबाज रहे फिसड्डी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम टी20 वर्ल्ड कप 2022 के दूसरे सेमीफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। टीम ने वर्ल्ड कप के सुपर-12 चरण में अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम ने पांच मैचों में सिर्फ एक मैच गंवाया था। हालांकि इस दौरान भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन चिंता का विषय रहा था। लेकिन उस समय टीम जीत रही थी, तो किसी ने ध्यान नहीं दिया। हालांकि अगर भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन पर नजर दौड़ाए तो पता चलता है कि भारतीय क्रिकेट टीम टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सिर्फ एक मैच में अपनी विपक्षी टीम को ऑल आउट कर पाई थी। ये कारनामा टीम ने जिम्बाब्वे मैच में किया था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सुपर-12 के एक लो-स्कोरिंग मैच में टीम के गेंदबाजों ने पावरप्ले में ही तीन विकेट चटका दिए थे, लेकिन बीच के ओवरों में टीम विकेट लेने में नाकामयाब रही, जिसके कारण मैच हार गए। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजी की सूची में भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप 11वें स्थान पर मौजूद हैं। उनके नाम 6 मैचों में 10 विकेट हैं। इसके बाद सूची में 17वें नंबर पर हार्दिक पांड्या हैं, जिन्होंने 6 मैच में 8 विकेट लिए हैं। टीम के सीनियर और सबसे महत्वपूर्ण गेंदबाज मोहम्मद शमी इस लिस्ट में 30वें नंबर पर हैं।

इंजमाम उल हक को बाबर आजम की टीम पर भरोसा

नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेटर इजमाम उल हक ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 फाइनल से पहले कहा है कि पाकिस्तान की टीम को अब खिताब जीतने से कोई नहीं हरा सकता है। पाकिस्तान की टीम ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका मुकाबला रविवार को इंग्लैंड से होगा। टी20 वर्ल्ड कप 2022 सुपर-12 में शुरुआती दो मैच हारने के बाद पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर थी, लेकिन टीम ने अपने अगले 4 मुकाबले जीतकर फाइनल तक का सफर तय किया। बाबर आजम के नेतृत्व वाली टीम ने टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। न्यूजीलैंड की टीम ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान के सामने घुटने टेक दिए थे, कीवी टीम को देखकर ऐसा लगा ही नहीं कि वह सेमीफाइल में पाकिस्तान को किसी भी विभाग में टक्कर दे पाई। इंग्लैंड बनाम भारत सेमीफाइनल मुकाबले पर बातचीत के दौरान अपने यूट्यूब चैनल पर इंजमाम ने पाकिस्तान का सपोर्ट करते हुए कहा कि टीम खिताब जीतने की दावेदार है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान इस समय अजेय दिख रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनकी गेंदबाजी अच्छी रही है।

पश्चिमी मिडलैंड करेगा कबड्डी विश्व कप 2025 की मेज़बानी

नयी दिल्ली। विश्व कबड्डी महासंघ (डब्ल्यूकेएफ) द्वारा आयोजित कबड्डी विश्व कप 2025 की मेज़बानी इंग्लैंड के पश्चिमी मिडलैंड क्षेत्र को सौंपी गई है। डब्ल्यूकेएफ के अध्यक्ष अशोक दास ने शुक्रवार को यह घोषणा की।

दास ने बताया कि टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार एशिया के बाहर होगा, जहां भारत, पाकिस्तान और ईरान सहित कुल 16 देश अपनी दावेदारी पेश करेंगे। इन 16 टीमों के चयन के लिये एशिया, यूरोप और अमेरिका में अलग-अलग कबड्डी चैंपियनशिप आयोजित होंगी, जिनमें से शीर्ष तीन देश विश्व कप के लिये क्वालीफाई करेंगे।

डब्ल्यूकेएफ और इंग्लैंड कबड्डी के अध्यक्ष दास ने कहा, ब्रिटेन के पश्चिमी मिडलैंड में कबड्डी विश्व कप के आयोजन का फैसला एकदम खरा है और यूरोप में इस खेल के विस्तार तथा वैश्विक वृद्धि के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

ब्रिटेन में कबड्डी की बढ़ती लोकप्रियता के बीच अप्रैल और मई 2022 में पश्चिमी मिडलैंड क्षेत्र में ब्रिटेन कबड्डी लीग का आयोजन भी किया गया था। साथ ही, पश्चिमी मिडलैंड का बर्मिंघम शहर इस साल जुलाई और अगस्त में राष्ट्रमंडल खेल 2022 की मेजबानी भी कर चुका है। दास ने कहा, कबड्डी हर किसी के लिए है, चाहे उसका लिंग, उम्र या सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। जैसा कि हमने इस साल ब्रिटिश कबड्डी लीग के लॉन्च में देखा, वेस्ट मिडलैंड ऐसा क्षेत्र है जो सकारात्मक सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है।

पश्चिमी मिडलैंड के मेयर एंडी स्ट्रीट ने कबड्डी के शीर्ष टूर्नामेंट की मेजबानी मिलने पर कहा, कबड्डी दक्षिण एशिया का लोकप्रिय खेल है। खासकर भारत में यह आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) के बाद दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल है। दक्षिण एशियाई धरोहर के कई समुदाय पश्चिमी मिडलैंड को अपना घर कहते हैं। यह देखते हुए, हम पहली बार एशिया के बाहर होने वाले कबड्डी विश्व कप की मेजबानी करके सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

एंडी ने कहा, बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की सफलता के बाद हम अपनी प्रमुख खेल आयोजन नीति के माध्यम से ऐसे वैश्विक टूर्नामेंट आकर्षित करने के लिये प्रतिबद्ध हैं जो खेलों की विरासत पर निर्मित हैं और स्थानीय लोगों से संबंध रखते हैं।

गौरतलब है कि दास की अध्यक्षता वाले डब्ल्यूकेएफ की शुरुआत 2018 में की गई थी और 2019 में उन्होंने अपने परचम के तले पहली बार कबड्डी विश्व कप का आयोजन मलेशिया में किया था। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) 2004, 2007 और 2016 में कबड्डी विश्व कप का आयोजन कर चुका है।

लवलीना, स्वीटी, अल्फिया, परवीन ने एशियाई चैंपियनशिप में जीते स्वर्ण

अम्मान (जॉर्डन)। भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोर्गोहेन, स्वीटी बूरा, परवीन हुड्डा और अल्फिया पठान ने शुक्रवार को एएसबीसी एशियाई चैंपियनशिप 2022 में अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतकर स्वर्ण पदक हासिल कर लिये।

टोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने महिलाओं के 75 किग्रा फाइनल में उज़्बेकिस्तान की रुज़मेतोवा सोखिबा को 5-0 से हराकर सोने का तमगा हासिल किया। यह एशियाई चैंपियनशिप में लवलीना का पहला स्वर्ण है, जबकि इससे पहले वह 2017 और 2021 में कांस्य पदक जीत चुकी हैं।

लवलीना की हमवतन स्वीटी (81 किग्रा) ने सोने का तमगा जीतने के लिये फाइनल में कज़ाकस्तान की गुलसाया यरज़ान को 5-0 से शिकस्त दी।

स्वीटी ने भी एशियाई चैंपियनशिप में पहली बार स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि इससे पहले उन्होंने 2015 में रजत और 2021 में कांस्य पदक जीता था।

दूसरी ओर, विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन ने महिलाओं के 63 किग्रा फाइनल में जापान की किटो मै को 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से हराया। परवीन राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा नहीं बन पाई थीं लेकिन यहां उन्होंने चौथी सीड किटो को एकतरफा मात देकर सोने का तमगा हासिल किया। दोनों मुक्केबाजों ने बाउट की आक्रामक शुरुआत की। पहला राउंड हारने के बाद जापानी मुक्केबाज ने वापसी का प्रयास किया, लेकिन उनके पास परवीन के अपर-कट का कोई जवाब नहीं था।

महिला 81+ किग्रा की मुक्केबाज अल्फिया का सामना फाइनल में मेज़बान जॉर्डन की इस्लाम हुसैली से था। हुसैली के अयोग्य ठहराए जाने के कारण अल्फिया ने भारत का चौथा स्वर्ण जीत लिया।

इसी बीच, मीनाक्षी ने अपनी पहली एशियाई चैंपियनशिप का समापन रजत पदक के साथ किया। महिलाओं के 52 किग्रा वर्ग के फाइनल में मिनाक्षी का सामना जापान की किनोशिता रिन्का से था, जहां जापानी मुक्केबाज ने 4-1 से विजय हासिल की।

मीनाक्षी पहले दौर में सुस्त नजर आईं, जबकि किनोशिता ने स्फूर्ति के साथ मुक्के बरसाए। भारतीय मुक्केबाज ने दूसरे दौर के आखिरी क्षणों में अच्छी वापसी की लेकिन इससे वह पांच में से सिर्फ एक जज का निर्णय अपने पक्ष में कर सकीं।

कोहली ने इंग्लैंड से हार के बाद किया भावुक ट्वीट

एजेंसी

एडिलेड। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों मिली हार के बाद शुक्रवार को कहा कि भले ही वह निराश होकर ऑस्ट्रेलिया से जा रहे हैं, लेकिन एक टीम के रूप में वे यहां से और बेहतर होने का प्रयास करेंगे। कोहली ने भावुक ट्वीट साझा करते हुए कहा, ''हम अपने सपने को हासिल किये बिना और अपने दिलों में निराशा लिये ऑस्ट्रेलिया छोड़कर जा रहें हैं, लेकिन हम एक टीम के रूप में कई यादगार पलों को अपने साथ समेट कर ले जा सकते हैं और यहां से बेहतर होने की कोशिश कर सकते हैं।'' कोहली ने अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ''भारी संख्या में स्टेडियम आकर हमारा समर्थन करने के लिये सभी प्रशंसकों का शुक्रिया। यह जर्सी पहनकर अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए हमेशा गर्व होता है।''

उल्लेखनीय है कि भारत को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में गुरुवार को इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट की हार का सामना करना पड़ा।

भारत ने इंग्लैंड को 169 रन का लक्ष्य दिया था जिसे इंग्लैंड ने बिना विकेट गंवाए 16 ओवर में हासिल कर लिया।

महिला गोल्फ टूर के 14वें चरण में विजयी रहीं रिद्धिमी

पंचकुला। रिद्धिमा दिलावरी ने शनिवार को खेले गए छह-अंडर 66 के स्कोर की मदद से अफ़शान फ़ातिमा को पछाड़कर महिला प्रो गोल्फ टूर के 14वें चरण में विजय हासिल की। पंचकुला गोल्फ क्लब पर खेली गई प्रतियोगिता के आखिरी राउंड में रिद्धिमा ने छह बर्डी मारी जिससे उनका कुल स्कोर पांच-अंडर 211 हो गया। दूसरी ओर, लगातार दूसरे दिन 10वें और 11वें होल पर बोगी खेलने वाली अफ़शान 216 के पार स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। यह इस सीज़न उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, हालांकि उन्हें 2018 के बाद अपनी पहली जीत का इंतजार है।

आई-लीग से आईएसएल में तरक्की की पद्धति खिलाड़ियों को बेहतर अवसर देगी : स्टिमैक

नयी दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमैक ने शुक्रवार को कहा कि फुटबॉल टीमों की आई-लीग से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में तरक्की की पद्धति खिलाड़ियों को अपनी क्षमता बेहतर तरीके से दिखाने का अवसर देगी।

स्टिमैक ने कहा, मैं इससे बहुत खुश हूं। हम आखिरकार लोगों को आई-लीग से आईएसएल में तरक्की का महत्व समझाने में सफल रहे हैं, और यह एक बड़ा कदम है।

एशियाई फुटबॉल संघ की मंजूरी के बाद घोषित भारतीय फुटबॉल की योजना के अनुसार, आई-लीग 2022-23 और 2023-24 के विजेता फुटबॉल क्लबों को भागीदारी शुल्क अदा किये बिना आईएसएल में खेलने का अवसर मिलेगा।

स्टिमैक ने कहा, यह हमारे लीग सिस्टम में प्रतियोगिता की भावना लाएगा, और आई-लीग की टीमों को लड़ने के लिये एक लक्ष्य देगा। मैं उस समय का भी इंतजार नहीं कर सकता जब प्रदर्शन के आधार पर सुपर लीग से शुरू हो जाएगा, क्योंकि प्रतिस्पर्धा उस स्तर पर भी मौजूद होगी। यह ऐसे खेलों में अधिक गति और तीव्रता लाएगा

स्टिमैक ने कहा कि इसके होने के लिए कुछ साल इंतजार करने की जरूरत है, लेकिन लीग आखिरकार वैसी बन जाएगी जैसी होनी चाहिये।

उन्होंने कहा, यह भारत में फुटबॉल के लिए वास्तव में अच्छा होगा, क्योंकि खिलाड़ियों को अधिक मैच मिलेंगे। हम राष्ट्रीय टीम के कोच के रूप में उन्हें और अधिक खेलता हुआ देखेंगे, और यह निर्णय लें सकेंगे कि किसे टीम में शामिल करना है।

स्टिमैक ने कहा, पिछले दो साल बायो-बबल के साथ दोनों लीग के खिलाड़ियों के लिए मुश्किल रहे हैं, लेकिन मैं आई-लीग के सभी खिलाड़ियों से कहना चाहूंगा कि अब आप उस फुटबॉल का आनंद ले सकते हैं जिसे आप खेलते हैं और खुद को अभिव्यक्त करते हैं। हम आपका बारीकी से अनुसरण करने जा रहे हैं।

यूक्रेन के मायकोलेव शहर पर रूस ने की एयर स्ट्राइक, 6 की मौत

जेलेंस्की बोले- हार रही है पुतिन की सेना

कीव। रूस ने भले ही यूक्रेन के बड़े शहर से अपनी सेना पीछे हटा ली हो लेकिन उसके हवाई हमले अभी भी जारी हैं। यूक्रेन के दक्षिणी शहर मायकोलेव में शुक्रवार तड़के एक अपार्टमेंट की इमारत पर रूसी रॉकेट हमले में छह लोग मारे गए। शहर के मेयर ऑलेक्जेंडर सेनकेविच ने यह जानकारी दी। सेनकेविच ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर लिखा कि बचावकर्मी लोगों की तलाश में मलबे को हटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ जिंदा लोग मलबे में दबे हो सकते हैं इसके लिए बचावकर्मी खुदाई कर रहे हैं।

हार रही है रूसी सेना इसलिए हो रहे हवाई हमले

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने माइकोलेव पर ताजा रूसी मिसाइल हमले को लेकर कहा कि पुतिन की सेना हार रही है इसलिए रूस बौखला गया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना अग्रिम मोर्चे पर सफल हो रही है इसीलिए रूस हवाई हमले कर रहा है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के टेलीग्राम चैनल पर ये बात कही गई। जेलेंस्की ने कहा, पांच मंजिला आवासीय इमारत पर हमला हुआ है। 5वीं से पहली मंजिल तक सब तबाह गया। दुर्भाग्य से, लोगों की मौतें हुई हैं और कई घायल हैं। खोज और बचाव अभियान जारी है।

हम अपना संघर्ष नहीं छोड़ेंगे : जेलेंस्की

जेलेंस्की के अनुसार, रूस अपनी घटिया रणनीति से पीछे नहीं हट रहा है। हम अपना संघर्ष नहीं छोड़ेंगे। आक्रमणकारियों को यूक्रेन और यूक्रेनियन के खिलाफ हर अपराध के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब रूस ने यूक्रेन से इस शहर पर हमला किया है। इससे पहले माइकोलाइव क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख विटाली किम ने कहा था कि 11 नवंबर को मायकोलेव पर रूसी मिसाइल हमले के परिणामस्वरूप, दो लोग मारे गए और दो घायल हो गए थे।

इस बीच यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा है कि रूसी सैनिकों के पास एक प्रमुख दक्षिणी शहर खेरसॉन से पीछे हटने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। रूस की सेना ने बुधवार को घोषणा की थी कि वह यूक्रेन के दक्षिणी शहर खेरसॉन एवं उसके आसपास के क्षेत्रों से पीछे हट रही है।

कुछ पश्चिमी पर्यवेक्षकों का मानना है कि क्रेमलिन की सेना को पीछे हटने के लिए मजबूर किया गया है। हालांकि पूर्ण वापसी में कुछ समय लग सकता है।

यूक्रेन के खेरसॉन से रूसी सैनिकों की वापसी पूरी, लड़ाई में अब तक का सबसे बड़ा झटका

यूक्रेन के खेरसॉन शहर से रूसी सैनिकों की वापसी पूरी हो गई है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन के दक्षिणी खेरसॉन क्षेत्र में नीपर नदी के पश्चिमी किनारे से अपने सभी सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसियों ने मंत्रालय के हवाले से एक बयान में कहा कि शुक्रवार सुबह 5 बजे सैनिकों की वापसी पूरी की गई और अब एक भी सैन्य इकाई वहां नहीं बची है।

जिन क्षेत्रों से रूस की सेना ने वापसी की है उनमें खेरसॉन शहर भी शामिल है। यह एकमात्र क्षेत्रीय राजधानी है जिस पर मॉस्को ने यूक्रेन पर अपने हमलों के दौरान कब्जा किया था। रॉयटर्स ने रूस समर्थक एक ब्लॉगर्स के हवाले से कहा है कि रात में जब रूसी सैनिक नीपर नदी को पार कर रहे थे तब यूक्रेन की तरफ से भारी गोलीबारी की गई थी। वहीं, रूसी मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने अमेरिका की ओर से सप्लाई किए गए HIMARS रॉकेट सिस्टम के साथ रात में पांच पर नीपर नदी क्रॉसिंग पर हमला किया था।

उम्मीद से पहले ही खाली कर दिया खेरसॉन

रूस ने बुधवार को खेरसॉन से सैनिकों की वापसी का आदेश दिया। खेरसॉन से रूसी सैनिकों की वापसी काफी जल्दी में हुई है। टॉप अमेरिकी जनरल ने बुधवार को कहा था कि उनका अनुमान है नदी के उस पार रूस के करीब 20-30 हजार सैनिक है। इनकी निकसी में शायद सप्ताह भर का समय लग सकता है। रूस ने मात्र कुछ घंटों में सैनिकों की निकासी करके एक बार फिर सबको हैरान कर दिया है। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ने गुरुवार को एक इंटरव्यू में रॉयटर्स को बताया कि उन्हें उम्मीद है कि रूसी सैनिकों की वापसी में कम से कम एक सप्ताह का समय लगेगा।

खेरसॉन से सैनिकों की वापसी बड़ा झटका

यूक्रेन की राजधानी कीव पर कब्जा जमाने में असफल होने के बाद सैनिकों की खेरसॉन से वापसी रूस के लिए तगड़ा झटका माना जा रहा है। करीब नौ महीने से चल रही इस जंग में रूसी सेना की यह सबसे बड़ी वापसी मानी जा रही है।

मास्को में अफगानिस्तान पर आधारित बैठक में शामिल नहीं होंगे तालिबान

काबुल। तालिबान के प्रतिनिधिमंडल रुस की राजधानी मास्को में अफगानिस्तान पर आधारित बैठक में शामिल नहीं होगा, क्योंकि उन्हें रूस से कोई निमंत्रण नहीं मिला है। काबुल के एक सूत्र ने स्पूतनिक को शुक्रवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने काबुल के एक सूत्र के हवाले से बताया, रूस ने तालिबान को मास्को सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया है। मुझे नहीं लगता कि हमारी किसी भी टीम को मास्को जाना चाहिए। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मंगलवार को कहा था कि मास्को में अफगानिस्तान पर आधारित बैठक अगले सप्ताह होगी, जिसमें तालिबान और देश की अन्य राजनीतिक ताकतों को इस घटना के बारे में सूचित किया जाएगा।

ब्रूसेल्स में चाकू हमले में अधिकारी की मौत

ब्रूसेल्स। बेल्जियम की राजधानी ब्रूसेल्स में चाकू से किए गए हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। बीबीसी ने कहा कि गुरुवार शाम ब्रसेल्स नॉर्थ रेलवे स्टेशन के पास हमला करने के बाद दोनों अधिकारियों को अस्पताल ले जाया गया। हमला करने से पहले दोनों पुलिस अधिकारी इलाके में गश्त पर थे। स्थानीय मीडिया ने बताया कि हमलावर को भी घटनास्थल पर ही गोली लगने से अस्पताल में मौत हो गई। हमलावर का मकसद अज्ञात है, लेकिन आतंकवाद विरोधी अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने जांच अपने हाथ में ले ली है। आधिकारिक प्रवक्ता एरिक वान ड्यूसे ने कहा,हमने इस मामले को संभाला क्योंकि इसमें आतंकवादी मकसद का संदेह है, जिसकी पुष्टि या खंडन जांचकर्ता करेंगे। पुलिस का कहना है कि एक अन्य गश्ती दल घटनास्थल पर पहुंचा और हमलावर को काबू में कर लिया। बीबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि अस्पताल ले जाने से पहले उन्हें पैर और पेट में गोली लगी थी।

जगदीप धनखड़ कंबोडिया में ताप्रोह्म मंदिर का करेंगे उद्घाटन

सीमरीप (कंबोडिया)। उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को यहां जीर्णोद्धार किये गये ताप्रोह्म (बाबा ब्रह्मा) मंदिर का उद्घाटन करेंगे। धनखड़ कंबोडिया में आयोजित भारत आसियान और भारत पूर्व एशिया शिखर बैठक के सिलसिले में गुरुवार शाम को नामपेन्ह पहुंचे। ये बैठकें नामपेन्ह में आयोजित आसियान शिखर बैठक के साथ ही आयोजित की जा रही हैं। ताप्रोह्म मंदिर का जीर्णोद्धार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विभाग द्वारा कंबोडिया के सरकारी एजेंसी अप्सरा नेशनल अथॉरिटी के माध्यम से किया जा रहा है। भारत इस परियोजना को यूनेस्को की संरक्षित स्मारकों की सूची में शामिल इस बौद्ध मंदिर के जीर्णोद्धार में 2003 से अब तक करीब 50 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है। ताप्रोह्म परिसर के जीर्णोद्धार में शामिल एएसआई टीम के प्रमुख देवेन्द्र सिंह सूद ने भारत आसियान मीडिया संवाद कार्यक्रम के अन्तर्गत यहां आए भारतीय मीडियाकर्मियों के दल से बातचीत में कहा, हम सीमरीप क्षेत्र में अंकोरवाट मंदिर परिसर के इस महत्वपूर्ण प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार में 2003 से आठ स्थानों पर काम कर रहे हैं जिनमें तीन चौथाई काम हो चुका है। इस मंदिर के नृत्य मंडप का जीर्णोद्धार पूरा करने के साथ, वहां खुदाई में मिली भगवान बुद्ध की ध्यान मुद्रा में मूर्ति को उनके पुराने स्थान पर लगाया जा चुका है। श्री धनखड़ के नृत्य मंडप का उद्घाटन किए जाने के बाद उसे पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

सिंगापुर-भारत के लोग मोबाइल भुगतान प्रणाली के उपयोग से होंगे लाभान्वित

सिंगापुर। भारत और सिंगापुर एक ऐसी पारस्परिक व्यवस्था को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं जिसके अंतर्गत दोनों देशों के लोग एक-दूसरे की मोबाइल भुगतान प्रणालियों का उपयोग कर बैंक खातों में तुरंत धन का हस्तांतरण कर सकेंगे। सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त पी कुमारन ने आसियान-भारत मीडिया संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत आए भारतीय पत्रकारों से शुक्रवार को बातचीत में कहा कि भारत की यूपीआई मोबाइल पेमेंट इंटरफेस और सिंगापुर की समकक्ष प्रणाली के बीच संपर्क स्थापित करने की तैयारी चल रही है और यह व्यवस्था इसी वर्ष के अंत तक चालू हो सकती है। उन्होंने कहा कि इससे सिंगापुर में काम कर रहे लाखों आव्रजक श्रमिकों के लिए बहुत ही कम खर्च पर तुरंत धन अपने घर भेजने में सुविधा हो जाएगी। भारत के करीब ढाई लाख नागरिक रोजी-रोजगार के लिए सिंगापुर में रहते हैं। कुमार ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक और सिंगापुर का मौद्रिक प्राधिकरण में काफी काम हो चुका है। परियोजना लगभग पूरी हो चुकी है, अब किसी भी समय दोनों देशों के शीर्ष नेता आपस में बात कर इसके चालू होने की घोषणा कर सकते हैं। भारत के उच्चायुक्त ने कहा कि इसका विस्तार आगे चलकर दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय संघ (आसियान) के कुछ अन्य देशों के साथ भी करना आसान होगा। उन्होंने कहा कि सिंगापुर ने आसियान देशों की वित्तीय प्रणालियों के साथ अपने जुड़ाव के लिए बहुत काम किया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

हिमालय क्षेत्र में मंडराता बड़े भूकंप का खतरा

समस्या के बजाए समाधान पर ध्यान, बचाव के लिए क्यों दिया जाता है जापान का उदाहरण?

उत्तराखंड के वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों का कहना है कि हिमालय के इलाकों में बड़ा भूकंप आने की प्रबल संभावना है। यह 7 की तेजी का हो सकता है। हालांकि इसका पहले से अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। ऐसे में डरने के बजाय इसका सामना करने के लिए पुख्ता तैयारियों पर जोर दिया जाना चाहिए।

प्रलय का मंजर कैसा होगा? हमारे पुरखों ने अलग-अलग वर्णन किए और हमने अलग-अलग नजरों से दृश्यों को देखा। 26 दिसंबर 2004 भारत की राजधानी दिल्ली से 6,890 किलोमीटर की दूरी पर हिंद महासागर का एरिया। सुबह के 8:50 मिनच हुए थे। वो एक आम सुबह थी और सबकुछ अपनी सामान्य गति से चल रहा था। अचानक से इसमें हड़बड़ी आ गई। धरती की सतह के भीतर हलचल होने लगी थी। मानो कुछ अंदर ही अंदर उबल रहा हो। ये उबाल फटा और धरती की सतह दरारों में बंटने लगी। ये भूकंप था। रिक्टर स्केल पर 9.3 की तीव्रता। इससे उठी सुनामी लहरों ने भारत, श्रीलंका, थाइलैंड और इंडोनेशिया में जान माल को काफी नुकसान पहुंचाया। ढाई लाख से ज्यादा लोगों की जान ले ली। 17 लाख लोग विस्थापित भी हुए। इस घटना का जिक्र 18 साल बाद क्यों कर रहे हैं? दरअसल, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि हिमालय क्षेत्र में भूकंप आने का खतरा मंडरा रहा है बड़े इलाके पर असर डाल सकता है। वैसी स्थिति में जान-माल का नुकसान न्यूनतम करने के लिए पहले से बेहतर तैयारी जरूरी है।

नेपाल में 8 नवंबर की देर रात 1:57 बजे आए भूकंप से पूरा उत्तर भारत कांप गया। ताकतवर भूकंप ने इस हिमालयी देश को दहला दिया। इसकी तेजी से समूचा उत्तर भारत कांप उठा। यूपी, उत्तराखंड, बिहार ही नहीं, दिल्ली-एनसीआर और राजस्थान तक में लोगों ने झटके महसूस किए। भूकंप की तीव्रता 6.6 आंकी गई। इसका केंद्र पश्चिमी नेपाल में डोटी जिले में था। वहां 6 लोगों की मौत हुई। तीन लोग लापता हैं। सेना को तलाश में लगाया गया है। भूकंप से 8 घर पूरी तरह ढह गए। नेपाल में इस साल कुल मिलाकर 28 भूकंप आए हैं। जिनमें ये भूकंप रिक्टर पैमाने पर सबसे ज्यादा तीव्रता थी। जबकि इस बार आए भूंकप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। चीन की धरती भी भूकंप की वजह से हिली।

हिमालयी क्षेत्र में बड़े भूकंप की आशंका

उत्तराखंड के वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों का कहना है कि हिमालय के इलाकों में बड़ा भूकंप आने की प्रबल संभावना है। यह 7 की तेजी का हो सकता है। हालांकि इसका पहले से अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। ऐसे में डरने के बजाय इसका सामना करने के लिए पुख्ता तैयारियों पर जोर दिया जाना चाहिए। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजिस्ट अजय पॉल ने बताया भारतीय प्लेट पर यूरेशियन प्लेट के लगातार दबाव के कारण इसके नीचे जमा होने वाली ऊर्जा समय समय पर भूकंप के रूप में बाहर निकलती रहती है। हिमालय के नीचे ऊर्जा के संचय की वजह से भूकंप आना एक सामान्य और निरंतर प्रक्रिया है। लेकिन कभी भी एक बड़े भूकंप की प्रबल आशंका हमेशा बनी हुई है। उनके मुताबिक भविष्य में आने वाले भूकंप की तीव्रता रिएक्टर पैमाने पर सात या उससे अधिक हो सकती है। लेकिन फिलहाल ये बताना संभव नहीं है कि वैसे भूकंप कब आएगा।

भूकंप आने का अनुमान नहीं लगाया जा सकता

वैज्ञानिकों का मानना है कि डिस्टॉर्शन एनर्जी यानी विरूपण ऊर्जा के बाहर निकलने या भूकंप आने का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। इसका किसी को नहीं पता कि कब होगा। ये अगले क्षण भी हो सकता है और एक महीने बाद भी हो सकता है। हिमालय क्षेत्र में पिछले 150 सालों में चार बड़े भूकंप दर्ज किए गए जिनमें

1897 में शिलांग, 1905 में कांगडा। 1934 में बिहार-नेपाल और 1950 में असम का भूकंप शामिल है। हालांकि वैज्ञानिकों ने साफ कहा है कि इन जानकारियों से भी भूकंप की आवृत्ति के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि 1991 में उत्तरकाशी और 1999 में चमोली के बाद 2015 में नेपाल में भूकंप आए।

कितने तैयार हम?

वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर भूकंप से बचाव को लेकर ठोस रणनीति बनाई जाए तो इसके असर को कम किया जा सकता है। यानी जानमान के नुकसान पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। निर्माण कार्य को भूकंप रोधी बनाया जाए। भूकंप आने के वक्त और भूकंप के बाद कैसी तैयारी करें इस बारे में लोगों को जागरूक किया जा सकता है। इसके अलावा साल में एक बार मॉक ड्रिल का आयोजन किया जा सकता है। अगर इन बातों को अमल में लाया जाता है तो वैज्ञानिकों के अनुसार करीब 99.99 प्रतिशत तक भूकंप से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

जापान की भूकंपरोधी इमारतें

विशेषज्ञों की तरफ से इस मामले में जापान की मिसाइ दी जाती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि बेहतर तैयारियों की वजह से लगातार मध्यम तीव्रता के भूकंप की चपेट में आने के बावजूद वहां जान-माल का ज्यादा नुकसान नहीं होता है। जापान ने 1995 में कोबे में आए भूकम्प से सीख ली थी।

उसके बाद तो यह देश भूकम्प रोधी नए ढाचों को खड़ा करने तथा पुराने ढाचों को उसी अनुरूप तरोताजा करने के मामले में एक वैश्विक अगुआ बन गया। जापानी लोग भूकम्पीय प्रौद्योगिकी में सबसे आगे हैं। वहां सभी आधुनिक ढाचे भूकम्प को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं।

भारत में आए विनाशकारी जलजले

15 जनवरी 1934 - बिहार, नेपाल

15 जनवरी 1934 को रात 2 बजकर 13 मिनट पर में 8.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 30, 000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी । इस भूकंप को भयंकर भूकंप की श्रेणी में रखा जाता है। बिहार और भारत तो दूर, विश्व इतिहास में भी ऐसी तीव्रता वाले भूकंप कम ही रिकॉर्ड किये गये हैं।

15 अगस्त 1950 - असम

देश आजाद हुए तीन की साल बीते थे कि जश्न-ए-आजादी के दिन इस बड़े भूचाल की वजह से धरती डोल गई। 15 अगस्त 1950 में उत्तर-पूर्वी राज्य असम में भयानक भूकंप आया। इस भूचाल के बारे में कहा जाता है कि जलजला इतना तेज़ था कि सेस्मोग्राफ़ की सुईयां टूट गईं लेकिन सरकारी तौर पर रिक्टर स्केल पर इसे 9.0 तीव्रता का बताया गया।

26 दिसंबर 2004 - हिंद महासागर

26 दिसंबर 2004 में सुबह 8 : 50 बजे दुनिया के सामने इस विनाशकारी भूकंप ने तांडव मचाया। भूकंप ने 23,000 परमाणु बमों के बराबर ऊर्जा निकाली। इससे उठी सुनामी लहरों ने भारत, श्रीलंका, थाइलैंड और इंडोनेशिया में जान माल को काफी नुकसान पहुंचाया। हिंद महासागर में 9.3 तीव्रता वाले भूकंप ने ढाई लाख से ज्यादा लोगों की जान ले ली। 17 लाख लोग विस्थापित भी हुए।

26 जनवरी 2001 - गुजरात

वर्ष 2001 में आया ये भूकंप कौन भूल सकता है। इस शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाई मचाई। मीडिया रिपोर्ट बताती है इस विनाशीकारी जलजले ने भयंकर तबाही मचा दी थी। इसमें कम से कम तीस हज़ार लोग मारे गए और तकरीबन 10 लाख लोग बेघर हो गए। भुज और अहमदाबाद पर भूकंप का सबसे अधिक असर पड़ा।

8 अक्टूबर 2005 - कश्मीर

8 अक्टूबर 2005 को 7.6 के तीव्रता वाले इस विनाशकारी भूकंप ने जमकर उत्पात मचाया। सुबह सुबह आए इस भूकंप के झटके भारत, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान और चीन तक महसूस किए गए। भूकंप से कम से कम 88 हजार लोगों की जान चली गई। सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तान में हुआ वहां करीब 87 हजार लोगों की मौत हुई। भारत में 1,350 लोग मारे गए।

बाबा सहज भारती सबसे प्रभावशाली संतो में एक

- शयन कक्ष में रात्रि समय आती है हुक्का गुड़गुड़ाने की आवाज़
- सैकड़ों संम्वत् से बाबा का चमत्कार अब भी है कायम
- 24 घंटे रहती है प्रज्वलित अखंड ज्योति
- संत सहज भारती समेत 9 संतो ने ली समाधि
- चैत्र शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को लगता है विशाल मेला
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली समेत देशभर में बाबा के लाखों अनुयायी

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नॉगल चौधरी। शहर से करीब 4 किमी दूरी पर ग्राम देवता स्थित भारती आश्रम श्री श्री 1008 श्री सहज भारतीजी माहाराज का मंदिर में समाधि स्थल पर आज भी प्रतिमा प्रत्यक्ष हुक्का रखा हुआ है। गौरवशाली भारत से मुखातिब होते हुए वहाँ मौजूद संत स्वामीदास महाराज ने बताया कि, आज भी बाबा सहज भारती का चमत्कार अप्रत्यक्ष स्वरूप महसूस होता है।

बाबा के प्रति गहरी आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं की मन्नतें अभिलाषाएँ आज भी पूरी होती हैं। उन्होंने कहा कि, अब तक बाबा सहज भारती समेत 9 संतो ने समाधि ली है। समाधि आधार शिला संम्वत् अनुसार जिसमें प्रथम एवं प्रमुख संत गुसाई बाबा सहज भारती ने चैत्र शुक्ल पक्ष चतुर्दशी संम्वत् 1950, संत गुसाई बाबा चेतन भारती संम्वत् 1962, गुसाई बाबा प्रेम भारती संम्वत् 1974, संत कृपा नाथ संम्वत् 1986, गुसाई बाबा चून भारती संम्वत् 1998, गुसाई बाबा देव भारती संम्वत् 2010, गुसाई बाबा देव भारती, गुसाई बाबा हीरा भारती पौष माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी संम्वत् 2022 में समाधि ली।

सहज भारती आश्रम में उपस्थित संत ने कहा कि, यज्ञ कुंड सदैव सुलगने के साथ यहाँ शुद्ध घी सहित अखंड दीपक प्रज्वलित रहता है। बाबा की महिमा विशाल है।

ग्रामीणों द्वारा दूध, खीर, दही, घी का बाबा को भोग लगाया जाता है। स्वयं उनके लिए गाँव के निश्चित दो घरों द्वारा भोजन उपलब्ध करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि, यहाँ प्रत्येक वर्ष के चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को भव्य मेला लगता है। जिसमें दिल्ली समेत अनेक जगहों से श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए आते हैं।

बता दें कि, भारती आश्रम की विशेषता में बाबा सहज भारती शयन कक्ष में आज भी उनकी समाधि स्थापित समीप प्रतिमा प्रत्यक्ष आज भी एक बड़ा तंबाकू पीने का हुक्का रखा हुआ है। मिली जानकारी में बताया गया कि, हुक्के में रोज तंबाकू भरा जाता है। रात्री समय हुक्का पीने के जैसी गुड़गुड़ाने की आवाज़ सुनाई देती है। बाबा के प्रति अटूट स्नेह एवं श्रध्दा सहित गहरी आस्था रखने वाले श्रद्धालु आज भी उनके उपासक हैं। भारती आश्रम के निर्माण में क्षेत्र के लोगों सहित अनेक भामाशाहों का भरपूर सहयोग रहता है।

भारती आश्रम की दीवारों पर भव्य चित्रकारी के साथ तस्वीरें प्रस्तुत की गयी हैं। कलाकृति से मंदिर का भीतरी स्वरूप देखते ही अंतर्मन उत्साहित होता है। आश्रम परिसर में प्रवेश करते ही हनुमानजी प्रतिमा, शिव परिवार, ऋद्धि सिद्धि, खाटू-श्याम, देवी शेरावाली, देवी काली, हनुमानजी सहित समाधि ले चुके संतो के चरण पादूका प्रतीक स्वरूप स्थापित है। इस भव्य भारती आश्रम में चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को लगने वाले विशाल मेले में श्रद्धालुओं की अपार संख्या देखी जा सकती है।

देश के उच्च न्यायालयों में 30 प्रतिशत, सुप्रीम कोर्ट में 21 प्रतिशत जजों के पद रिक्त

देहरादून। देश में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में बड़ी संख्या में जजों के पद रिक्त होने के कारण बड़ी संख्या में मामले लंबित है। 08 नवम्बर को मुख्य न्यायाधीश जस्टिस यू.यू. ललित के सेवानिवृत्त होने के बाद सुप्रीम कोर्ट में कुल स्वीकृत जजों की संख्या 34 में से 27 कार्यरत रह गये है। 21 प्रतिशत 7 जजों के पद रिक्त है। देश के उच्च न्यायालयों में कुल 1108 जजों के पद स्वीकृत है जबकि कुल 773 पदों पर ही जज कार्यरत है और 30 प्रतिशत 335 पद रिक्त हैं। सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने भारत सरकार के न्याय विभाग से सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जजों के स्वीकृत, कार्यरत व रिक्त पदों के बारे में मांगी गयी सूचना के अनुसार न्याय विभाग के लोक सूचना अधिकारी ने वांछित सूचना का विभाग की वेबसाइट पर उपलब्धता का लिंक दिया। इस लिंक पर उपलब्ध 01 नवम्बर 2022 के विवरण इसकी सूचना उपलब्ध हुई है। श्री नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार 01 नवम्बर 2022 को सुप्रीम कोर्ट में कुल जजों के 34 पद स्वीकृत है जबकि 08 नवम्बर को सेवानिवृत्त हुये जस्टिस यू.यू. ललित सहित 28 न्यायधीश कार्यरत है। सूचना में बताया गया है कि देश के उच्च न्यायालयों में कुल 272 अतिरिक्त जजों के पदों सहित 1108 जजों के स्वीकृत पद है जिसमें 136 अतिरिक्त जजों सहित 773 जज कार्यरत है तथा 30 प्रतिशत 335 पद रिक्त हैं जिसमें 136 पद अतिरिक्त जजों के रिक्त है। सर्वाधिक रिक्त पदों वाले उच्च न्यायालयों में राजस्थान व गुजरात उच्च न्यायालय शामिल है इसमें 46 प्रतिशत पद रिक्त हैं। दूसरे स्थान पर 40 प्रतिशत पद मणिपुर व मध्य प्रदेश उच्च न्यायालयों में तथा तीसरे स्थान पर 38 प्रतिशत पद इलाहाबाद उच्च न्यायालय में रिक्त है। चौथे स्थान पर 36 प्रतिशत रिक्त पदों वाले उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ तथा पटना उच्च न्यायालय है, पांचवें स्थान पर 35 प्रतिशत रिक्त पदों वाले हिमाचल प्रदेश, छठे स्थान पर 34 प्रतिशत पद पंजाब एंव हरियाणा उच्च न्यायालय, सातवें स्थान पर 33 प्रतिशत पद उड़ीसा, आठवें स्थान पर 30 प्रतिशत बाम्बे, नवें स्थान पर 28 प्रतिशत मद्रास, दसवें स्थान पर कलकत्ता व मेघालय उच्च न्यायालयों में 25 प्रतिशत, ग्यारहवें स्थान पर 23 प्रतिशत देहली, बारहवें स्थान पर 21 प्रतिशत तेलंगाना, केरल कर्नाटक उच्च न्यायालयों में,तेरहवें स्थान पर 19 प्रतिशत पद आंध्र प्रदेश, चौहदवें स्थान पर 16 प्रतिशत झारखंड, पन्द्रहवें स्थान पर सबसे कम 12 प्रतिशत जम्मू एवं लद्दाख उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के पद रिक्त है।

हार्दिक पटेल को भाजपा ने सौंप दी है बड़ी जिम्मेदारी

जहां तक गुजरात के भाजपा उम्मीदवारों की सूची की बात है तो आपको बता दें कि पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों में जिन 38 मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दिया है उनमें मोरबी के विधायक समेत राज्य के पांच मंत्री शामिल हैं।

27 सालों से गुजरात में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने राज्य विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में कई बड़े नाम गायब हैं तो कई ऐसे भी नाम हैं जिन पर पार्टी ने बहुत ज्यादा भरोसा जताया है। ऐसा ही एक नाम है कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले पाटीदार नेता हार्दिक पटेल का। भाजपा ने पाटीदार आरक्षण आंदोलन से राजनीतिक क्षितिज पर उभरे नेता हार्दिक पटेल को विरामगाम क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है। खास बात यह है कि विरामगाम से भाजपा पिछले दो विधानसभा चुनाव लगातार हारी है। इसलिए हार्दिक के लिए यह क्षेत्र कड़ी और बड़ी चुनौती है। यदि हार्दिक पटेल विरामगाम सीट को जीतकर भाजपा की झोली में डाल पाये तो यकीनन उनका राजनीतिक कद बढ़ेगा। वैसे हार्दिक पटेल पहले ही तय कर चुके थे कि वह विरामगाम से ही अपने जीवन का पहला चुनाव लड़ेंगे इसलिए वह काफी समय से इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। हार्दिक पटेल लगातार विरामगाम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को काफी समय से सुन रहे हैं और उनका समर्थन मांग रहे हैं।

हार्दिक पटेल ने जब भाजपा में एंट्री ली थी तो उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छोटा सैनिक बताया था

इसलिए अब लोगों की नजर इस बात पर है कि मोदी का यह छोटा सैनिक बड़ी जिम्मेदारी निभा पाता है या नहीं। जहां तक विरामगाम क्षेत्र के चुनावी इतिहास की बात है तो आपको बता दें कि पिछले चुनाव में यहां से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर डॉ. तेजश्रीबेन दिलीपकुमार पटेल ने चुनाव लड़ा था लेकिन वह कांग्रेस उम्मीदवार लाखाभाई भीखाभाई से लगभग छह हजार वोटों से हार गयीं थीं। यदि साल 2012 के गुजरात विधानसभा चुनावों की बात करें तो उस समय यहां प्रागजीभाई नारानभाई पटेल भाजपा उम्मीदवार थे लेकिन वह कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. तेजश्रीबेन दिलीपकुमार पटेल से हार गये थे। भाजपा ने यह सीट आखिरी बार साल 2007 के विधानसभा चुनावों में जीती थी। उस समय भाजपा उम्मीदवार कामभाई गागजीभाई राठौड़ ने कांग्रेस उम्मीदवार कोली पटेल जगदीशभाई सोमभाई को हराया था। हम आपको यह भी बता दें कि विरामगाम विधानसभा सीट अहमदाबाद जिले में आती है। यह क्षेत्र पटेलों का गढ़ माना जाता है। साल 2012 से इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा है इसलिए भाजपा ने यहां से हार्दिक पटेल को टिकट देकर बड़ा दांव चला है। जहां तक गुजरात के अन्य भाजपा उम्मीदवारों की सूची की बात है तो आपको बता दें कि पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों में जिन 38 मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दिया है उनमें मोरबी के विधायक समेत राज्य के पांच मंत्री शामिल हैं। मोरबी के विधायक और श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री बृजेश मेरजा का नाम 160 उम्मीदवारों की सूची में शामिल नहीं है। इसके अलावा कच्छ जिले में 2012 और 2017 में भुज सीट से जीतने वाली गुजरात विधानसभा अध्यक्ष नीमाबेन आचार्य को भी पार्टी ने इस बार टिकट नहीं दिया है। मौजूदा मंत्रिमंडल से भाजपा ने राज्य के संसदीय एवं विधायी मामलों के मंत्री राजेंद्र त्रिवेदी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीप परमार, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री बृजेश मेरजा, परिवहन राज्य मंत्री अरविंद रयानी तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री आरसी मकवाना को भी टिकट नहीं दिया है। वहीं पिछले मंत्रिमंडल के जिन सदस्यों को इस बार उम्मीदवार नहीं बनाया गया है उनमें पूर्व मुख्यमंत्री रुपाणी, पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल और पूर्व मंत्री आरएस फालदू, भूपेंद्रसिंह चुडासमा, सौरभ पटेल, कौशिक पटेल, वासन अहिर और धमेंद्र सिंह जडेजा शामिल हैं।

उधर, भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरने की कोशिश कर रही आम आदमी पार्टी की बात करें तो उसके बारे में यह बताना जरूरी है कि 2017 के विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने 29 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे लेकिन सभी पर उसके प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गयी थी। आम आदी पार्टी दावा कर रही है कि वह अब गुजरात के लोगों तक पहुंच बनाने में कामयाब हो गयी है। लेकिन उसके दावों का पता 8 दिसंबर को पता चलेगा जब चुनाव परिणाम आयेंगे। वैसे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल हाल फिलहाल में कई बार राज्य का दौरा कर चुके हैं तथा उन्होंने पार्टी के सत्ता में आने पर कई ''गारंटी'' देने का वादा किया है। पार्टी ने अगले महीने होने वाले गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए पूर्व टीवी प्रस्तोता तथा पत्रकार इसुदान गढ़वी को अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया है। आम आदमी पार्टी ने वादा किया है वह सत्ता में आने पर हर महीने 300 यूनिट नि:शुल्क बिजली, सरकारी स्कूलों में नि:शुल्क शिक्षा, बेरोजगार युवाओं को भत्ता, महिलाओं को 1,000 रुपये तथा नए वकीलों को मासिक वेतन देगी। आम आदमी पार्टी के गुजरात के सह-प्रभारी और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा इन दिनों गुजरात की रैलियों में केजरीवाल की गारंटी गिनाने में व्यस्त हैं।

हम आपको यह भी बताना चाहेंगे कि गुजरात के चुनावी मैदान में आम आदमी पार्टी नयी नहीं है। आप ने साल 2014 में गुजरात में पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा था। इसके बाद से उसने 2017 के विधानसभा चुनाव तथा 2021 के स्थानीय चुनावों समेत विभिन्न चुनाव गुजरात में लड़े हैं।

एके शर्मा ने किया नवाबगंज सीएचसी का किया निरीक्षण

चिकित्सकों को दिया आवश्यक दिशा-निर्देश, एंटी लार्वा का कराया छिड़काव

हसनगंज (उन्नाव)। प्रदेश सरकार के नगर विकास और ऊर्जा मंत्री एके शर्मा अचानक स्थानीय कस्बा पहुंचकर कस्बे के वार्ड का भ्रमण किया। सीएचसी का भी औचक निरीक्षण कर चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रदेश सरकार के नगर विकास और उर्जा मंत्री एके शर्मा अचानक शुक्रवार शाय नवाबगंज कस्बे के मोहल्ला पछियाव पहुंचे और वार्ड का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डेंगू मरीजों और उनके परिजनों से भी मुलाकात की और स्वास्थ्य व्यवस्था किस प्रकार से उनको मुहैया हो रही है। उसकी जानकारी हासिल की और कस्बे में एंटी लार्वा का छिड़काव कराने के निर्देश दिए वार्ड के निरीक्षण के बाद ए

के शर्मा नवाबगंज सीएचसी पहुंचे और सीएचसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों को सख्त निर्देश दिए कि डेंगू पीड़ित मरीजों का बेहतर इलाज किया जाए, यदि इस में लापरवाही पाई गई तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के बाद उन्होंने बताया कि नवंबर से 15 नवंबर तक नगर सेवा पखवाड़ा चलाया जा रहा है, जिसके तहत राज्य स्तर के 75 अधिकारियों को अलग-अलग 75 जनपदों का प्रभार दिया गया है जो बराबर जाकर जनपदों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं।

ये लोग रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि वह स्वयं प्रदेश के जनपदों का निरीक्षण कर डेंगू और अन्य संचारी रोगों से बचाव के प्रति जनपद स्तर पर क्या इंतजाम किए जा रहे हैं। इसकी जानकारी ले रहे हैं। निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष दिलीप, धर्मेश प्रताप सिंह, निलेश दीक्षित, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र द्विवेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

किरण नेगी के हत्यारों को बरी करने के विरोध में कैंडल मार्च

नयी दिल्ली। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के नेतृत्व में उत्तराखंड के प्रवासियों के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने किरण नेगी हत्याकांड के दोषियों को सजा दिलाने की मांग को लेकर कैंडल मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को यहां गढ़वाल भवन से वीर चंद्र सिंह गढ़वाली चौक तक कैंडल मार्च निकाला जिसमे गंगोत्री पर्वतीय कांग्रेस, गढ़वाल हितेषी सभा और कई राज्य निर्माण आंदोलनकारी संगठनों के नेता शामिल थे। रावत ने इस मौके पर कहा कि वह उच्चतम न्यायालय का फैसले का सम्मान करते हैं लेकिन यो अपराध किसने किया इसका पता लगाना जरूरी है।

आठवले ने कोलंबिया विवि में अम्बेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

वाशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने अमेरिका प्रवास के दौरान कोलंबिया विश्वविद्यालय का दौरा कर पुस्तकालय स्तिथ संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

प्रवास के दौरान मा.रामदास आठवले ने स्थानीय अप्रवासी भारतीयों से भेंट कर देश के प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत चर्चा भी की। इसके पूर्व उन्होंने न्यूयार्क में आयोजित इंडो अमरीकन एसोसियेशन फॉर चेंज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भीं भाग लिया।

आठवले ने कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय में भारत देश के संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी प्रतिभाशाली छात्र रहे है और बाबा साहब की स्मृति में पीठ भी स्थापित की गई है। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थित विश्वविद्यालय में स्थित पुस्तकालय परिसर का भी भ्रमण किया और डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन भी अर्पित किए।

आठवले ने कहा कि यह हम सब भारतवासियों के लिए गर्व की बात है कि देश के संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के अनुयायी पूरे विश्व में है और उनके बताए गए रास्तों पर चलकर समता मूलक समाज बनाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अमेरिका यात्रा के दौरान विभिन्न शहरों में अप्रवासी भारतीयों के साथ भेंट भी की और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अप्रवासी भारतीयों के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर चर्चा की।